Weather Report
अधिकतम तापमान: 32.0c
न्यूनतम तापमान: 21.0c
हवा गति: 11 कि./घं.
जयपुर सूर्योदय समय
सुबह: 6.06

दैनिक संजीवनी टुडे
sanjeevnitoday.com
समय के साथ बढ़ता अखबार

वर्ष: 11 अंक: 60 जयपुर, रविवार, 04 अगस्त 2024 पृष्ठ:8 मूल्य: ` 1.50

अब होगी खुशियों की बात संजीवनी टुडे के साथ
जन्मदिवस, वैवाहिक वर्षगांठ एवं नियुक्ति बधाई संदेश
मात्र 1100/- में
साईज 8X8 cm
संजीवनी टुडे
e-mail: sanjeevnitoday@gmail.com

उद्धव बोले- अहमद शाह अब्दाली के वंशज हैं अमित शाह

भाजपा पावर जिहाद कर रही; गृह मंत्री ने उन्हें औरंगजेब फैन क्लब का नेता कहा था

■ संजीवनी टुडे

मुंबई। उद्धव ठाकरे ने शनिवार (3 अगस्त) को भारतीय जनता पार्टी पर 'पावर जिहाद' करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में रहने के लिए राजनीतिक दलों में फूट डाल रही है। उन्होंने महाराष्ट्र के डिप्टी सीएम देवेंद्र फडणवीस को खटमल भी कहा। इसके साथ ही उद्धव ने गृह मंत्री अमित शाह को अहमद शाह अब्दाली का वंशज बताया। अब्दाली ने पानीपत के युद्ध में मराठाओं को हराया था। दरअसल 21 जुलाई को अमित शाह ने पुणे में ठाकरे को औरंगजेब फैन क्लब का लीडर कहा था। उद्धव इसी तंज का जवाब दे रहे थे। उद्धव ठाकरे उन लोगों के साथ बैठे हैं, जिन्होंने 1993 के मुंबई बम धमाकों के दोषी याकूब मेमन के लिए जीवनदान मांगा था। औरंगजेब फैन क्लब क्या है जो 26/11 के आतंकी हमले के दोषी कसाब को बिरयानी खिलाते हैं, जो जाकिर नाइक को शांति दूत पुरस्कार देते हैं और जो पीएफआई का समर्थन करते हैं। उद्धव ठाकरे को इन लोगों के साथ बैठने में शर्म आनी चाहिए। महा विकास अघाड़ी औरंगजेब फैन क्लब है। यह भारत की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकता है। उद्धव ठाकरे इस फैन क्लब के लीडर हैं। यह फैन क्लब महाराष्ट्र और भारत को सुरक्षित नहीं रख सकता है। सबकी सुरक्षा सिर्फ भाजपा कर सकती है। अगर मुसलमान हमारे साथ हैं, तो हम उन्हें अपना हिंदुत्व समझाएंगे।

शरद पवार ने कहा था- जो आज गृह मंत्री है, वह कभी तड़ीपार था

21 जुलाई को पुणे में ही अमित शाह ने कहा था कि विपक्ष हम पर भ्रष्टाचार का आरोप लगा रहा है, लेकिन भारतीय राजनीति में भ्रष्टाचार के सबसे बड़े सरगना शरद पवार हैं। अगर देश में किसी भी सरकार में किसी राजनेता ने भ्रष्टाचार को संस्थागत रूप दिया है, तो वह शरद पवार हैं और मुझे इस बारे में बिल्कुल भी संदेह नहीं है। इसके जवाब में 22 जुलाई को गएघ (एसपी) नेता शरद पवार ने गृह मंत्री अमित शाह पर निशाना साधा था। पवार ने कहा- कुछ दिनों पहले गृह मंत्री ने मेरे खिलाफ कुछ बातें कहीं। उन्हें मैं याद दिला दूं कि आज जो आदमी देश का गृह मंत्री है, वह ऐसा व्यक्ति है जिसने गुजरात के कानून का दुरुपयोग किया। इसके लिए सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें तड़ीपार (राज्य से बाहर) कर दिया था। अमित शाह को 2010 में सोहराबुद्दीन शेख फर्जी एनकाउंटर मामले में दो साल के लिए राज्य से बाहर कर दिया गया था। बाद में उन्हें 2014 में इस मामले में बरी कर दिया गया।

भाजपा नेता निलेश राणे ने शरद पवार को औरंगजेब का अवतार कहा

भाजपा नेता निलेश राणे ने एक्स पर लिखा था- कभी-कभी लगता है कि शरद पवार औरंगजेब के अवतार हैं। जब चुनाव नजदीक आते हैं तो पवार साहब को मुस्लिम समुदाय की चिंता हो जाती है। दरअसल, महाराष्ट्र के कोल्हापुर और अहमदनगर में कुछ मुस्लिम युवकों ने सोशल मीडिया पर औरंगजेब और टीपू सुल्तान की तस्वीरें स्टेटस पर लगाई थीं। तस्वीर के साथ औरंगजेब और टीपू सुल्तान की तारीफ में कैप्शन भी लिखा था। इसके विरोध में 7 जून को कोल्हापुर में हिंदुत्ववादी संगठनों ने मार्च निकाला। इस दौरान कई जगहों पर हिंसा और पथराव हुआ, जिसे काबू में करने के लिए पुलिस को लाठीचार्ज करना पड़ा। हिंसा की इन घटनाओं में 36 लोगों को गिरफ्तार किया गया था। इसके बाद एनसीपीचीफ शरद पवार ने कहा था कि अभी ऐसी स्थिति है कि हमें मुस्लिम और ईसाई धर्म के लोगों की चिंता करनी चाहिए। पवार के इसी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए निलेश ने उन्हें औरंगजेब का अवतार बताया था। तब हम 'औरंगजेब फैन क्लब' होंगे, लेकिन जो आप कर रहे हैं, वह सत्ता जिहाद है। ठाकरे ने आगे कहा- भाजपा के सहयोगी नीतीश कुमार, चंद्र बाबू नायडू हिंदुत्व वादी व्यक्ति हैं क्या अमित शाह बताएं उनका हिंदुत्व कैसा है गृह मंत्री को संघ का हिंदुत्व मान्य है क्या इस वजह से भाजपा ने जो शुरू किया है वह पावर यानी सत्ता जिहाद है।

24,797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती होगी रद्द

वाल्मीकि समाज के आंदोलन के बाद नए सिरे से भर्ती करने की तैयारी में सरकार

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान में 24,797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती रद्द होगी। स्वायत्त शासन विभाग अब नए सिरे से भर्ती निकालेगा। इसके बाद राजस्थान में पिछले 12 दिनों से जारी सफाई कर्मचारियों की हड़ताल खत्म हो सकती है। वाल्मीकि समाज की मांग के बाद सरकार ने मौजूदा भर्ती प्रक्रिया में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है। दरअसल, राजस्थान सरकार ने 1 मार्च को प्रदेश में 24 हजार 797 पदों पर सफाई कर्मचारियों की भर्ती निकाली थी। इसके लिए प्रदेश भर में 9 लाख 20 हजार से ज्यादा आवेदन आए थे। इन आवेदनों में बड़ी संख्या में गैर वाल्मीकि समाज के युवा भी शामिल थे। इस पर वाल्मीकि समाज ने सफाई कर्मचारी भर्ती में प्राथमिकता की मांग को लेकर आंदोलन शुरू कर दिया था।

कालीचरण सराफ को दी हड़ताल खत्म कराने की जिम्मेदारी

सरकार ने जब भर्ती नियम में संशोधन नहीं किया तो वाल्मीकि समाज ने 23 जुलाई से कार्य बहिष्कार कर हड़ताल शुरू कर दी। इसके कारण पूरे प्रदेश की सफाई व्यवस्था बिगड़ गई थी। सरकार ने इस पूरी हड़ताल को खत्म कराने की जिम्मेदारी जयपुर के मालवीय नगर विधायक कालीचरण सराफ को दी है। सराफ ने स्वायत्त शासन विभाग के अधिकारियों, हड़ताल पर गए सफाई कर्मचारियों से बातचीत कर इस पूरे मामले का ब्योरा यूडीएच मंत्री झाबर सिंह खर्रा को दिया। उन्होंने मौजूदा भर्ती प्रक्रिया को रद्द कर नए सिरे से भर्ती करने का फैसला किया है। सूत्रों के अनुसार सोमवार तक इसके आदेश हो जाएंगे। संयुक्त वाल्मीकि एवं सफाई श्रमिक संघ के अध्यक्ष नंदकिशोर डंडोरिया ने कहा- वाल्मीकि समाज अपनी जायज मांग को लेकर गांधीवादी तरीके से आंदोलन कर रहा है। जब तक सरकार हमारी सभी मांगों को पूरा नहीं करती हम हड़ताल खत्म नहीं करेंगे।

वसुंधरा बोलीं-सबको साथ लेकर चलना बहुत मुश्किल काम

कई लोग फ़ेल हुए, पद का अहंकार कद कम करता है, राठौड़ बोले- गुरु मंत्र-चेतावनी ध्यान रखूंगा

■ संजीवनी टुडे

जयपुर। राजस्थान भाजपा के नए प्रदेशाध्यक्ष के रूप में पदभार संभालते ही मदन राठौड़ को पूर्व सीएम वसुंधरा राजे ने नसीहत दे दी। शनिवार दोपहर को भाजपा प्रदेश कार्यालय में हुई सभा में राजे ने कहा कि राठौड़ सबको साथ लेकर चलने का काम करेंगे। ये बहुत मुश्किल काम है, लेकिन इसमें कई लोग फ़ेल भी हुए हैं। वसुंधरा ने कहा कि राजनीति का दूसरा नाम उतार-चढ़ाव है। हर व्यक्ति को इस दौर से गुजरना पड़ता है। जब व्यक्ति इस बारे में सोचता है तो तीन चीजें दिमाग में आती हैं। पद, कद और मद। पद और मद स्थाई नहीं है। यदि आप अच्छा काम करते हैं तो कद स्थायी बन जाता है। पद का यदि मद(अहंकार) हो जाता है तो यह कम हो जाता है। मेरे लिए सबसे बड़ा पद जनता का प्यार, जनता का विश्वास है। ये ऐसा पद है, जो आपसे कोई नहीं छीन सकता। वसुंधरा की इस नसीहत पर प्रदेशाध्यक्ष राठौड़ ने कहा- इस गुरु मंत्र और चेतावनी की मैं ध्यान रखूंगा। वसुंधरा राजे ने कहा कि आगे चलकर किसी गुट की नहीं, संगठन की कामयाबी के लिए मिलजुलकर काम करेंगे। ये आसान नहीं है, बहुत मुश्किल है, न आपके लिए, न कार्यकर्ताओं के लिए। सब बड़े प्यारे हैं। दोनों मिलकर आगे के काम करें। राठौड़ धैर्यवान हैं। यदि धैर्यवान नहीं होते तो इतने दिन तक पार्टी का हाथ बंटाने का काम नहीं करते। उसी का परिणाम है कि प्रदेश में हमारी सरकार बनी। उन्होंने कहा कि हमने युवाओं को धोखा देने वालों को नहीं बख्शने की बात कही थी। आज पेपर लीक करने वाले 115 आरोपी जेल में है। इनके नेता प्रतिपक्ष कहते हैं कि मछली पकड़ी है, मगरमच्छ बाकी है। मैंने कहा था कि आप चिंता मत करो। मगरमच्छ भी जल्द ही आने वाले हैं।राठौड़ 5 महीने पहले ही राज्यसभा के सदस्य निर्वाचित हुए हैं। लंबे समय से संगठन में सक्रिय राठौड़ ने बीजेपी के दिग्गज नेताओं के साथ काम किया है। जनसंघ से लेकर बीजेपी की यात्रा में शामिल रहे हैं। बीजेपी की पुरानी और नई पीढ़ी दोनों के साथ काम करने का अनुभव रखते हैं। राठौड़ मूल ओबीसी में घांची जाति से हैं।

राठौड़ बोले- सरकार के काम से खुश नहीं हो तो हमें बताओ

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि वसुंधरा राजे ने जो मुझे गुरु मंत्र दिया है, उसे मैं हमेशा अपने साथ रखूंगा। उन्होंने कहा कि मंच से जो मुझे चेतावनी मिली है। उसका मैं ध्यान रखूंगा। कार्यकर्ताओं से आह्वान करते हुए कहा कि सरकार अपनी है। इसलिए सरकार की तारीफ करो। अगर सरकार के काम से खुश नहीं हो तो हमें बताओ। हम आपकी बात सुनेंगे। सीएम भजनलाल शर्मा ने कहा- पिछले राज की नीतियों के खिलाफ जिस तरह से कार्यकर्ताओं ने सतीश पूनिया और सीपी जोशी के नेतृत्व में आंदोलन किया।

वायनाड लैंडस्लाइड, 4 दिन बाद बचाए गए 4 आदिवासी बच्चे

रेस्क्यू टीम ने हथेली में भरकर पानी पिलाया, शरीर से बांधकर पहाड़ से उतारा

■ संजीवनी टुडे

कलपेट्टा। वायनाड लैंडस्लाइड के चौथे दिन शुक्रवार को एक अच्छी खबर आई। वन अधिकारियों ने 8 घंटे के ऑपरेशन में एक दूरदराज आदिवासी इलाके से 4 बच्चों समेत 6 लोगों का रेस्क्यू किया। बच्चे एक से चार साल के हैं। पनिया समुदाय का यह आदिवासी परिवार पहाड़ी की चोटी पर एक गुफा में फंसा था। न्यूज एजेंसी से बातचीत में कलपेट्टा रेंज के फॉरेस्ट ऑफिसर हशीस ने बताया- हमने गुरुवार को मां और 4 साल के बच्चे को जंगल के पास भटकते देखा। पूछताछ में उसने अपना नाम शांता बताया। उसने कहा कि वे लोग चूरलमाला के एराट्टुकुंडु ऊरु (बस्ती) में रहते हैं। उसके 3 और बच्चे, उनके पिता भूखे-प्यासे पहाड़ी पर एक गुफा में फंसे हैं। हशीस ने बताया- पनिया समुदाय के ये लोग बाहरी लोगों से बातचीत करने से बचते हैं। वे आम तौर पर वन उत्पादों पर आश्रित रहते हैं और उन्हें स्थानीय बाजार में बेचकर चावल खरीदते हैं। हालांकि ऐसा लगता है कि लैंडस्लाइड और भारी बारिश के कारण वे कई दिनों से भूखे थे। जब वे हमारे पास आए तो हमने देखा कि बच्चे बहुत थके हुए थे। हम अपने साथ खाने-पीने का जो भी सामान ले गए थे पहले उन्हें खिलाया।

फिसलन के बीच 8 घंटे का रेस्क्यू

हशीस ने बताया- वायनाड में लैंडस्लाइड वाले दिन शांता अपने बच्चे के साथ जंगल में दिखी, लेकिन उसने कहा कि वह सिर्फ घूम रही है। हमें पता था, वे भूखे थे और जंगल में अंदर जाने की तैयारी में थे। दो दिन बाद वे लोग फिर दिखाई दिए। इस बार वे हमें देखकर भागे नहीं। उनकी हालत भूख से खराब हो चुकी थी। पूछने पर शांता ने बताया कि उसका परिवार पहाड़ी पर एक गुफा में फंसा हुआ है। हमने 4 लोगों की टीम बनाई। भारी बारिश के बीच फिसलन भरी और खड़ी चट्टानों से होकर टीम ने 8 घंटे की कोशिश के बाद इन्हें निकाला। फिसलन भरी चट्टानों पर चढ़ने के लिए पेड़ों से रस्सियां बांधनी पड़ीं। जब हम गुफा के पास पहुंचे तो तीन बच्चे और एक शख्स वहां बैठे हुए थे। हमने उन्हें अपने पास बुलाया। वे सामने नहीं आ रहे थे। काफी समझाने के बाद उनके पिता हमारे साथ आने के लिए राजी हो गए। हमारे पास सिवाय रस्सी के कुछ नहीं था। एक चादर के तीन टुकड़े करके हमने बच्चों को अपने शरीर से बांध लिया और वापस अपनी यात्रा शुरू कर दी। कैंप तक आने में करीब साढ़े 4 घंटे लग गए। पानी पिलाया और पीठ पर बांधकर पहाड़ के नीचे लाए। केरल के सीएम ने फॉरेस्ट टीम की तारीफ की केरल के मुख्यमंत्री पी. विजयन ने शुक्रवार को इस बारे में सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ङ्ढ पर जानकारी दी। उन्होंने लिखा- भूस्खलन प्रभावित वायनाड में हमारे साहसी वन अधिकारियों ने 8 घंटे की कोशिशों के बाद अंदरूनी इलाके से छह जानें बचाईं।

आज के गांव डूंगरपुर आएंगे सीएम भजनलाल शर्मा

■ संजीवनी टुडे

बिल्व पत्र समापन समारोह में होंगे शामिल, आभार सभा को भी करेंगे संबोधित

लालसोट। प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा रविवार को लालसोट विधानसभा क्षेत्र की राहुवास तहसील के गांव डूंगरपुर आएंगे। मुख्यमंत्री लालसोट विधायक रामबिलास मीना के गांव डूंगरपुर में उनके आवास पर आयोजित बिल्व पत्र समापन समारोह में शामिल होंगे एवं क्षेत्र की जनता को बजट में दी गई कई बड़ी सौगातों को लेकर आयोजित आभार सभा को संबोधित करेंगे। विधायक रामबिलास मीना ने बताया कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा दोपहर 2 बजे हेलीकाप्टर से डूंगरपुर पहुंचेंगे। इस दौरान क्षेत्र के हजारों लोग अभिनंदन कर आभार प्रकट करेंगें। उन्होंने बताया मुख्यमंत्री का पांच माह में दूसरी बार आना उनका लालसोट की जनता के प्रति प्रेम भाव को दर्शाता है। इसी के चलते उन्होंने क्षेत्र की जनता को बजट में कई बड़ी सौगातें भी दी है। विधायक ने बताया कि मुख्यमंत्री के साथ प्रभारी मंत्री राज्यवर्धनसिंह राठौड़, डॉ. किरोड़ीलाल मीना समेत कई विधायक, पदाधिकारी एवं नेता भी डूंगरपुर पहुंचेंगे।मुख्यमंत्री के आगमन को लेकर करीब 10 एकड़ भूमि पर आभार सभा व प्रीतिभोज के विशाल डोम व पांडाल बनकर तैयार हो चुके हैं। इसके अलावा वाहनों के लिए पार्किंग स्थल एवं हेलीपेड का भी निर्माण पूरा हो गया है। विधायक ने बताया कि लोगों से अपील है कि उनके जन्मदिन पर आमजन व कार्यकर्ता मुख्यमंत्री की सुरक्षा कारणों से माला व साफा व अन्य स्वागत सामग्री नहीं लाएं मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के दौरे की तैयारियों का जायजा लेने के लिए कलेक्टर देवेन्द्र कुमार एक बार फिर शनिवार को डूंगरपुर गांव पहुंचे, इस दौरान उन्होंने विधायक रामबिलास मीना के साथ हेलीपेड, यातायात, डोम निर्माण, पार्किंग समेत सभी व्यवस्थाओं का जायजा लेकर सभी तैयारियों को नियत समय पर पूरा करने के निर्देश दिए।

मणिपुर के जिरिबाम में शांति समझौते के अगले दिन हिंसा

उपद्रवियों ने फायरिंग की, घर फूंका, कुकी-मैतई ने हालात सुधारने का भरोसा दिया था

■ संजीवनी टुडे

इम्फाल। मणिपुर के जिरिबाम में शांति बहाल करने के समझौते के 24 घंटे के भीतर फिर से हिंसा हुई। जिरिबाम के लालपानी गांव में शुक्रवार (2 अगस्त) की रात हथियारबंद लोगों ने कई राउंड फायरिंग की। एक घर में आग लगा दी। हालांकि, वहां कोई रहता नहीं था। अधिकारियों ने बताया कि लालपानी में मैतेई लोगों के घर हैं। यहां के अधिकांश लोगों ने जिले में हिंसा भड़कने के बाद घर छोड़ दिया था। उपद्रवियों ने यहां सुरक्षा-व्यवस्था में ढील का फायदा उठाकर हमला किया। हमलावरों की अभी तक पहचान नहीं हुई है। घटना के बाद सुरक्षाबलों को इलाके में भेजा गया है। मैतेई और कुकी समुदायों ने गुरुवार (1 अगस्त) को असम के कछार से सटे एटघ्क्ग्रुप सेंटर में एक बैठक के बाद शांति समझौता पर हस्ताक्षर किए थे। दोनों समुदायों ने जिले में स्थिति सामान्य करने, आगजनी और गोलीबारी की घटनाओं को रोकने की बात कही थी। दोनों पक्षों ने सुरक्षाबलों को भी पूरा साथ देने का आश्वासन दिया था। हिंसा को लेकर कुल 11,892 केस दर्ज हुए हैं। 59,414 विस्थापित लोग राहत शिविरों में हैं।

मणिपुर सीएम बोले- 5 साल में 10 हजार अवैध प्रवासी आए

मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि पिछले 5 साल में राज्य में कुल 10,675 घुसपैठिए आए हैं। उन्होंने 12वीं विधानसभा के छठे सेशन में कहा- ये घुसपैठिए म्यांमार, बांग्लादेश, नॉरवे, चीन और नेपाल से आए हैं। इन 10,675 में से 85 पिछले 5 साल में वापस भेज दिए गए। फिलहाल 143 घुसपैठिए डिटेंशन सेंटर में हैं। इन लोगों के मेंटेनेंस में 85 लाख से ज्यादा खर्चा हो रहा है। अवैध अप्रवासियों को रोकने के लिए सरकार वेरिफिकेशन प्रोग्राम चला रही है। सीएम ने कहा कि राज्य में हिंसा भड़कने से पहले ही म्यांमार से 2,480 अवैध अप्रवासी आ गए थे। इन्हें रोकने के लिए केंद्र सरकार ने भारत-म्यांमार बॉर्डर पर फेंसिंग की घोषणा की है। फेंसिंग का काम पहले ही शुरू हो चुका है। पिलर 79 से 81 के बीच 9 किलोमीटर की बॉर्डर फेंसिंग हो भी चुकी है। जिला पुलिस अप्रवासियों को रोकने के लिए चौबीस घंटे काम कर रही है। बॉर्डर एरिया में 6 पुलिस स्टेशन और 34 पुलिस चौकियां स्थापित करने की प्रक्रिया भी चल रही है। इसके अलावा बॉर्डर के पास वाले 5 जिलों में सिविल और पुलिस नोडल अधिकारी नियुक्त किए गए हैं। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने गुरुवार (1 अगस्त) को विधानसभा में कहा था कि सरकार शांति स्थापित करने के लिए काम कर रही है। इसे लेकर असम के सिलचर में कई बैठकें हो चुकी हैं। जल्द ही इसे लेकर बड़ा ऐलान भी करेंगे। बीरेन सिंह ने विधानसभा में कहा कि राज्य में पिछले साल मई से शुरू हुई हिंसा में अब तक 226 लोग मारे जा चुके हैं। वहीं, 39 लापता हैं। 11,133 घरों में आग लगाई गई, जिसमें से 4,569 घर पूरी तरह खत्म हो चुके हैं।

केंद्र ने बीएसएफ चीफ और डिप्टी चीफ को हटाया

होम कैडर भेजे गए, नितिन अग्रवाल कार्यकाल पूरा न करने वाले पहले डीजी

■ संजीवनी टुडे

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार देर रात बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डायरेक्टर जनरल नितिन अग्रवाल और डिप्टी स्पेशल डायरेक्टर जनरल योगेश बहादुर (वाईबी) खुरानिया को पद से हटा दिया है। दोनों को अपने-अपने होम कैडर (नितिन अग्रवाल को केरल और खुरानिया को ओडिशा) रिपोर्ट करने के लिए कहा गया है। हालांकि, दोनों टॉप अधिकारियों को हटाने की आधिकारिक जानकारी अभी सामने नहीं आई है। फिलहाल ङ्क्षङ्ख के डीजी दलजीत सिंह चौधरी को बीएसएफ के डीजी का अतिरिक्त प्रभार दिया गया है। नई नियुक्ति होने तक चौधरी कामकाज देखेंगे। नितिन अग्रवाल 1989 बैच के केरल कैडर के ऋष्ट्ट ऑफिसर हैं। वे बीएसएफ के पहले डीजी होंगे, जिन्हें अपना कार्यकाल बीच में ही छोड़ना पड़ा। इससे पहले जिन्होंने भी डीजी की जिम्मेदारी संभाली, उन्होंने अपना कार्यकाल पूरा किया है। अग्रवाल ने पिछले साल जून में पदभार ग्रहण किया था। उनका कार्यकाल 2026 में पूरा होना था। वाईबी खुरानिया 1990 बैच के आईएएस ऑफिसर हैं। वे स्पेशल डीजी (वेस्ट) के रूप में पाकिस्तान बॉर्डर पर सिक्योरिटी इन-चार्ज थे। मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि वाईबी खुरानिया को ओडिशा में डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस की जिम्मेदारी मिल सकती हैं। बीएसएफ की जिम्मेदारी मिलने से पहले भी वे ओडिशा पुलिस के बड़े पदों पर रह चुके हैं।

प.बंगाल के मंत्री ने महिला अधिकारी से कहा-डंडे से पीटूंगा

सरकारी कर्मचारी हो, सिर झुकाओ, ये गुंडे तुम्हें रात में घर नहीं जाने देंगे

■ संजीवनी टुडे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की ममता सरकार के सुधार प्रशासन (स्वतंत्र प्रभार) राज्य मंत्री अखिल गिरि का शनिविर को एक वीडियो वायरल हुआ है। इसमें वे अतिक्रमण हटवाने आईं वन विभाग की एक महिला अधिकारी को मारपीट की धमकी और गाली देते नजर आ रहे हैं। वीडियो में टीएमसी नेता महिला अधिकारी मनीष शॉ पर चिल्लाते हुए कह रहे हैं, ''तुम एक सरकारी कर्मचारी हो। बोलते समय अपना सिर झुकाओ। तुम देखना एक हफ्ते में तुम्हारे साथ क्या होता है। अगर तुम फिर से अतिक्रमण का मुद्दा उठाती हो, तो मैं सुनिश्चित करूंगा कि तुम वापस नहीं आ पाओगी। ये गुंडे तुम्हें रात में घर नहीं जाने देंगे। अपने तरीके सुधारो, नहीं तो डंडे से पीटूंगा। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, यह वीडियो पूर्व मेदिनीपुर जिले के ताजपुर समुद्र तट के पास का है। यहां जिला वन अधिकारी मनीषा शॉ अपनी टीम के साथ वन विभाग की जमीन से अतिक्रमण हटावा रही थीं। इसी दौरान मौके पर मंत्री पहुंचे और उन्होंने मनीषा से बहस की। अधिकारी मनीषा ने मामले को लेकर अबतक कोई टिप्पणी नहीं की है। वीडियो को भाजपा ने भी पोस्ट किया है।

मंत्री गिरी बोले- वन विभाग गरीबों को परेशान कर रहा

वीडियो वायरल होने के बाद मंत्री गिरी ने अपने ही सरकार के वन विभाग पर सवाल उठाए। उन्होंने कहा- वन विभाग केवल उन गरीब लोगों के खिलाफ कार्रवाई कर रहा है, जिन्होंने छोटी-छोटी दुकानें खोल रखी हैं, जबकि वन भूमि पर कई निर्माण कार्य हुए हैं। वन विभाग गरीब लोगों को परेशान कर रहा है। भाजपा की बंगाल यूनिट ने अपने ङ्ढ पर लिखा, ''क्या ममता बनर्जी इस मंत्री को मंत्रिमंडल से बाहर निकालकर सलाखों के पीछे डालने की हिम्मत करेंगी? क्या ममता बनर्जी मंत्री गिरी के खिलाफ सरकारी कर्मचारियों के काम में बाधा डालने और एक महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने का केस दर्ज करेंगी। देखते हैं कि इस गुंडे को जान से मारने और महिला की गरिमा को ठेस पहुंचाने की धमकी देने के लिए जेल भेजा जाता है या नहीं। तृणमूल कांग्रेस के नेता कुणाल घोष ने घटना के बाद कहा- एख्र ममता और पार्टी महासचिव अभिषेक बनर्जी को मामले के बारे में बताया है। वे इस पर नजर रख रहे हैं। हम गिरी के शब्दों और व्यवहार का विरोध करते हैं।

खबरें फटाफट

आंगनवाड़ी केंद्र में किया यूनिफॉर्म वितरण

संजीवनी टुडे

मालाखेड़ा(अलवर)। उपखंड के समीपवर्ती ग्राम बालेटा मे संचालित आंगनवाड़ी केंद्र का औचक निरीक्षण राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय बालेटा अलवर की प्रधानाचार्य संगीता गौड़ एवं मेंटर टीचर टीना शर्मा ने किया। आंगनवाड़ी केंद्र पर संगीता गौड़ के द्वारा 1 से 6 वर्ष तक के बच्चों को यूनिफार्म दी गयी। प्रधानाचार्य संगीता गौड़ एवम मेंटर टीचर टीना शर्मा ने आंगनवाड़ी मे उपस्थित अभिभावकों को 1 से 6 वर्ष तक के बच्चों को आंगनवाड़ी केंद्र एवं उस से अधिक के बच्चों को विद्यालय मे प्रवेश दिलवाने के लिये प्रेरित किया। निरिक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्र पर बच्चे फिसल पट्टी पर खेलते हुए मिले। बच्चों को बहुत ही मजा आ रहा था। आंगनवाड़ी केंद्र पर दिए जा रहे पोषाहार की भी जांच की गयी।

लायंस क्लब की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आज

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। लायंस क्लब राजगढ़ की सत्र 2024-25 की नवीन कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण आज सायं 6 बजे टहला बाईपास स्थित एक निजी गार्डन में आयोजित किया जाएगा। लायंस क्लब के अध्यक्ष लॉयन प्रदीप महावर ने बताया कि शपथग्रहण समारोह के मुख्य अतिथि प्रान्तपाल लॉयन सुनील अरोड़ा होंगे। वहीं कार्यक्रम के मुख्य वक्ता रीजन चेयरपर्सन लॉयन गिरीश गुप्ता होंगे। कार्यक्रम में शपथग्रहण अधिकारी पूर्व प्रान्तपाल अशोक ठाकुर होंगे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष सतीश दुहारिया, थानाधिकारी रामजीलाल मीना व जोन चेयरपर्सन लॉयन मदनलाल शर्मा होंगे। कार्यक्रम के संयोजक लॉयन जिनेन्द्र जैन तथा सहसंयोजक लॉयन सुरेश सैन है।

धातु निर्मित मांझा के संबंध में निषेधाज्ञा जारी

संजीवनी टुडे

अलवर। जिला कलक्टर एवं जिला मजिस्ट्रेट आशीष गुप्ता ने रक्षाबंधन एवं कृष्ण जन्माष्टमी के त्योहार को मद्देनजर रखते हुए आदेश जारी कर भारतीय नागरिक संहिता 2023 की धारा 163 के अन्तर्गत निहित शक्तियों का प्रयोग करते हुए लोक स्वास्थ्य व विद्युत संचालन बनाए रखने एवं पक्षियों के लिए बडे पैमाने पर खतरा बन चुके धातु निर्मित मांझा (पंतग उडाने के लिए पक्का धागा, नायलोन/प्लास्टिक मांझा, चाईनीज मांझा जो सिंथेटीक/टोक्सीक मेटेरियल यथा आयरत पाउडर, ग्लास पाउडर का बना हो) की थोक, खुदरा बिकी तथा उपयोग को अलवर जिले की राजस्व सीमा/क्षेत्राधिकारिता में निषेध/प्रतिबंधित करने तथा पतंग उडाने के दौरान पक्षियों को पतंग/मांझा से होने वाले नुकसान से बचाने के लिए प्रातः 6 बजे से 8 बजे तक तथा सांय 5 बजे से 7 बजे तक की समयावधि में पतंगबाजी पर प्रतिबंध रखने के आदेश किए गए हैं। यह आदेश 31 अगस्त 2024 की मध्यरात्रि तक प्रभावी रहेगा। सभी नागरिकों को इस आदेश की पालना करने तथा आदेश की अवहेलना नहीं करने के निर्देश दिए गए हैं।

मंदिर का ताला तोड़कर नकदी चुरा ले गए चोर

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। पुलिस थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत फिरोजपुर में स्थित मंशा माता मंदिर में शुक्रवार की रात को अज्ञात 3-4 लोगो ने मंदिर परिसर में रात के करीब 11 से 12 बजे के बीच परिसर ने में लगे 2 दान पात्रों के ताले तोड़कर नकदी चुरा ली। घटना की रिपोर्ट मंशा माता मंदिर के निज पुजारी रामजीलाल भगत ने राजगढ़ थाने में दर्ज कराया। उन्होंने बताया कि वह रात को मंदिर में सो रहा था तभी मध्य रात्रि में ताला टूटने की आवाज आने पर गए तो देखा की तीन चार युवक चोरी कर रहे है, तभी मंदिर निज पुजारी रामजीलाल पुत्र कजोड़ मल भगत के साथ मारपीट कर जान से मारने की धमकी देकर व उनका मोबाइल फोन छीन कर दान पात्रों में से तकरीबन 50 से 60 हजार रुपए की राशि चुरा ले गए। चोरों ने मंदिर परिसर में मौजूद सीसीटीवी कैमरे के तार तोड़कर पूरी घटना को अंजाम दिया। मौके पर पुलिस चौकी कोठी नारायणपुर हेड कांस्टेबल रमेश चंद मीना मय जाप्ते के पहुंचकर घटनास्थल से साक्ष्य जुटाए। हेड कांस्टेबल रमेश चंद ने बताया कि मामले में एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। फिलहाल निज पुजारी के छीनकर भागे मोबाइल के जरिए चोरों की तलाश जारी है।

बैरवा समाज धर्मशाला डिग्गी की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज

संजीवनी टुडे

मालपुरा। धार्मिक नगरी डिग्गी में स्थित बैरवा समाज धर्मशाला की नवगठित कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह आज सुबह 11:30 बजे बैरवा समाज धर्मशाला डिग्गी में आयोजित होगा। कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि कैबिनेट मंत्री कन्हैया लाल चौधरी,शाहपुरा विधायक लालाराम बैरवा,ललित बैरवा राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय बैरवा महासभा करेंगे शिरकत, वही बैरवा समाज के अन्य प्रबुद्धजन व समाज बंधु भी रहेंगे मौजूद। इस दौरान धर्मशाला के नए अध्यक्ष प्रभुदयाल बैरवा कडीला व उनकी कार्यकारिणी का होगा शपथ ग्रहण समारोह आयोजित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री के क्षेत्र में बह रही सीवर लाइन की धारा, निगम ने 10 फीट गहरा गड्डा खोद पानी की लाइन तोड़ी, अब कर रहा हादसे का इंतजार, क्षेत्र में सैकंडो लोग दूषित पानी पीने से हुए बीमार, दुर्गन्ध से जीना हुआ दूभर

संजीवनी टुडे

जयपुर। राजधानी जयपुर का सांगानेर विधानसभा क्षेत्र यू तो प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा का निर्वाचन क्षेत्र है और उन्होने हिदायत भी दी है कि क्षेत्र में किसी भी प्रकार की कोई कमी हो तो उसे तुरंत दुरुस्त करवाया जाए लेकिन मुख्यमंत्री के सांगानेर क्षेत्र वार्ड -100 व 105 में सड़के उखड़ी पड़ी है व सीवर लाइन ऐसी चौक हुई पड़ी है कि मुख्य सड़क पर सीवर लाइन की धारा बह रही है। स्थानीय निवासियों का दुर्गंध से जीना दुभर हो रहा है लोग शासन -प्रशासन निगम के चक्कर काटकर थक गए हैं लेकिन निगम है कि टस से मस नहीं है। सांगानेर इलाके के वार्ड 105 के रघुनाथपुरी सेकंड, तिरुपति बालाजी नगर ,बैरवा कॉलोनी, मारुति नगर,गांधी विहार क्षेत्र मे करीब 15 दिन से सीवर लाइन चौक है जिसको दुरस्त करने के लिए निगम ने 15 फीट लम्बा व करीब 10 फीट गड्डा खोद कर पटक दिया है जिसमे बारिश का

पानी भर गया है जो हादसे को न्यौता देता नजर आ रहा है जिसमे कभी भी कोई हादसे का शिकार हो

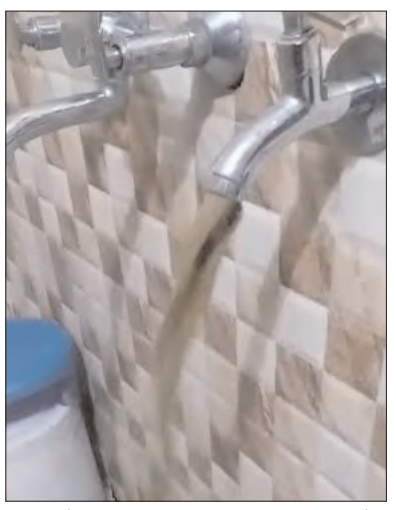

सकता है शायद निगम उसी का इंतजार कर रहा है। कई बार शिकायत करने के बावजूद नगर निगम इस पर कार्यवाही नहीं कर रहा है। मामले को लेकर जगतपुरा जोन उपायुक्त संतलाल मक्कड़ से बात करने की कोशिश की गई लेकिन कई बार फोन करने के बावजूद उन्होने फोन रिसीव नहीं किया। स्थानीय निवासी देव सुमन खंडेलवाल व आशीष कुमावत ने बताया कि सीवर लाइन दुरस्त करते समय निगम ने पानी की लाइन तोड़ दी व ठेकेदार मौके पर अपनी जेसीबी वहीं छोड़कर भाग गया, कई बार अधिकारियों को इसकी सूचना दी गई लेकिन स्थिति अभी भी जस के तस बनी हुई है वहीं क्षेत्र के लोगों के नलों में सीवर का पानी आने से सैकड़ों लोगों की तबीयत खराब हो गई है और बदबूदार पानी पीने के लिए मजबूर है लिहाजा लोगों ने नलों से पानी भरना छोड़ दिया है और पानी के लिए इधर-उधर भटकते नजर आ रहे है। वार्ड 105 की स्थानीय पार्षद आशा सिंघानिया ने बताया कि कई बार प्रशासन को सूचना दे दी लेकिन अधिकारी हाथ पर हाथ धरे बैठे है।

दूषित पानी से ये हो सकता है खतरा

सवाई मानसिंह हॉस्पिटल के जनरल फिजिशियन ने बताया कि दूषित पानी पीने से उल्टी ,दस्त,बुखार, पीलिया व टाइफाइड जैसी घातक बिमारियां हो जाती है जिसका समय पर उपचार न मिलने पर रोगी की मृत्यु भी हो सकती है।

''एईएन व जेईएन को मौके पर जाने के लिए कहा है शीघ्र समस्या का निस्तारण करवायेंगे''

भरत कुमार
एक्सईएन, जगतपुरा जोन

''प्रशासन को कई बार शिकायत कर दी लेकिन अधिकारी काम करने को ही राजी नहीं है। कई बार फोन किया लेकिन मामला जस के तस है''

आशा सिंघाड़िया, पार्षद, वार्ड 105

ये है जिम्मेदार अधिकारी

रूक्मणी रियाड़ ,आयुक्त ग्रेटर निगम, संतलाल मक्कड़, उपायुक्त जगतपुरा जोन , भरत कुमार, एक्सईएन,जगतपुरा जोन

गंडाला में केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने किया पक्षी घर का उद्घाटन

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री और अलवर के सांसद भूपेन्द्र यादव ने शनिवार को गंडाला में पक्षीघर का उद्घाटन किया और गंडाला गाँव के लोगों को चुनाव में आशीर्वाद देने के लिए धन्यवाद दिया। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने अलवर की जनता और प्रधानमंत्री का उन्हें केन्द्रीय मंत्री बनाने के लिए भी आभार जताया। उन्होंने कहा की दिल्ली पुलिस के कुछ लोग जो गंडाला कैम्प में हैं वो उनसे मिलने आये और उन्हें इस पक्षी घर के उद्घाटन का मौका दिया। भूपेन्द्र यादव ने सभी लोगों से एक पेड़ माँ के नाम अभियान से जुडने की अपील की और कहा की हम अपने जीवन में कम से कम एक पेड़ जरूर लगाए। उन्होंने ये भी कहा की आज भी हम पूरी तरह से हमारी सारी जरूरतों के लिए प्रकृति पर ही निर्भर हैं। उन्होंने पीपल, नीम, बहेड़ा, आमला और जामुन जैसे देसी पेड़ लगाने की भी अपील की। उन्होंने कहा की प्रकृति हमें हमारे जीवन में सब कुछ देती है और ये हमारी जिम्मेदारी है की हम भी प्रकृति को वापस दें। भूपेन्द्र यादव ने गंडाला के लोगों से उनकी झील

को भी सबसे साफ झील बनाने के लिए प्रोत्साहन दिया। केंद्रीय मंत्री भूपेन्द्र यादव ने क्षेत्र के पानी, सड़क और पशु चिकित्सालय को प्रथम श्रेणी करने के कामों को प्रशासन के साथ बात करके पूरा करने का आश्वासन दिया। उन्होंने गंडाला में ई-लाइब्रेरी, महिलाओ के लिए सेल्फ हेल्प ग्रुप और बच्चों के लिए खेल के मैदान बनाने में भी सांसद के नाते सहयोग करने की बात कही। भूपेन्द्र यादव ने प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री भजन लाल का भी पेयजल के लिए ईआरसीपी के तहत बुचारा बाँध तक पानी लाने के लिए धन्यवाद प्रकट किया और कहा की यमुना के पानी के लिए भी हरियाणा की सरकार से सकारात्मक बातचीत चल रही है। केंद्रीय मंत्री ने कहा की प्रधानमंत्री मोदी की सरकार स्किल डेवलपमेंट का बजट लेकर आई है और राजस्थान सरकार ने भी सड़क, बिजली और पानी की समस्याओ को दूर करने वाला बजट पास किया है। यह जानकारी जिला मिडिया प्रभारी लक्ष्मी नारायण गुप्ता ने दी।

कितने बच्चे होने तक मिल सकती है मैटरनिटी लीव, इसे लेकर क्या है कानून: अग्रवाल

संजीवनी टुडे

भीनमाल। एडवोकेट हेमन्त अग्रवाल भीनमाल ने मेटरनीटी लिव के बारे में जानकारी देते हुये कहा की मेटरनिटी लीव यानी मातृत्व अवकाश कामकाजी महिलाओं को मिलने वाला ऐसा अधिकार है जिसे प्रेग्नेंसी में कोई भी महिला ले सकती है।हमारे देश में कामकाजी महिलाओं की सुरक्षा और सुविधा को ध्यान में रखते हुए सरकार ने कई नियम लागू किए हुए हैं इन्हीं में से एक कामकाजी महिलाओं के लिए मातृत्व अवकाश भी है दरअसल कामकाजी महिलाएं जब गर्भावस्था में होती हैं तो उस समय उन्हें मेटरनिटी लीव की सख्य जरुरत होती है इसी का ध्यान रखते हुए कंपनियों को महिलाओं को ये लीव देना जरूरी होता है।कई महिलाओं में इस अवकाश से जुड़े कई सवाल होते हैं, उन्हीं में से कुछ सवाल ये भी है कि आखिर इस छुट्टी को कितनी बार और कब-कब लिया जा सकता है? यानी कितने बच्चे होने पर मैटरनिटी लीव

ली जा सकती है और इसे लेकर क्या कानून है? चलिए आज इन सवालो के जवाब कानून विशेषज्ञों की सलाह से जानते हैं। गर्भावस्था के दौरान महिलाएं मातृत्व अवकाश या मैटरनिटी लीव की सुविधा ले सकती हैं, ये छुट्टी महिलाओं को बच्चे के जन्म और उसकी शुरुआती देखभाल के लिए दी जाती है।बता दें सभी गर्भवती महिलाएं मातृत्व अवकाश के लाए पात्र होती हैं। इन छुट्टियों के दौरान महिलाओं को किसी तरह की परेशानी न हो, इसके लिए कंपनी उन्हें उनकी पूरी सैलरी भी देती रहती है। ये सैलरी मातृत्व अवकाश जिस दिन से शुरू होता है तब से लेकर जब तक में खत्म होता है उस समय तक दी जाती है। अब सवाल ये आता है कि ये छुट्टियां कब से ली जा सकती है-ये छुट्टिया महिला की डिलीवरी के 8 सप्ताह पहले से शुरू हो सकती हैं।किसी बच्चे को गोद लेने की स्थिति में क्या है मैटरनिटी लीव का प्रावधान यदि कोई महिला 3 महीने से कम उम्र के बच्चे को गोद लेती हैं, तो वो भी 12 सप्ताह की छुट्टी की पात्र होती हैं।

क्या है कानून-

मैटरनिटी लीव (संशोधन) अधिनियम, 2017 के मुताबिक, गर्भवती महिला 26 सप्ताह के मातृत्व अवकाश की पात्र होती है। ये छुट्टिया महिला की डिलीवरी के 8 सप्ताह पहले से शुरू हो सकती हैं। हालांकि, इसके साथ कुछ नियम भी होते हैं, जैसे महिलाएं पहली दो गर्भावस्थाओं के लिए 26 सप्ताह की छुट्टी ले सकती है। जबकि, यदि तीसरा बच्चा होने जा रहा है तो इस अवकाश का समय सिर्फ 12 सप्ताह ही होता है।

दो दिवसीय प्रधानाचार्य वाक्पीठ का हुआ आयोजन किया वृक्षारोपण

संजीवनी टुडे

राजगढ़। माध्यमिक शिक्षा के शिविरा पंचांग के अनुसार सत्र 2024-25 की संत्रांत दो दिवसीय प्रधानाचार्य वाक्पीठ का आयोजन 2 से 3 अगस्त 2024 तक राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ में किया गया । अतिरिक्त मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी कमल कुमार मीना ने बताया कि उद्घाटन सत्र मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी राजगढ़ रामगोपाल मीना, राजकीय महाविद्यालय राजगढ़ के प्राचार्य प्रोफ़ेसर डॉ के एल मीना , प्रधानाचार्य फोरम के अध्यक्ष बी एल मीना प्रधानाचार्य के मुख्य आथित्य में संपन्न किया गया। प्राचार्य डॉ के एल मीना ने फोरम को सम्बोधित करते हुए नई शिक्षा नीति , शिक्षा में तकनीक के इस्तेमाल तथा शिक्षा में नवीन चुनौतियों के बारे में बताया । सीबीईओ राजगढ़ ने ब्लॉक रैंकिंग, वृक्षारोपण महाअभियान ,ड्राप आउट चिल्ड्रन आदि के बारे में बताया । वाक्पीठ का समापन सत्र आर डी मीना पूर्व सीडीईओ की अध्यक्षता में संपन्न हुआ। वाक्पीठ में मुख्य वार्ताकर अशोक मिश्रा प्रधानाचार्य, मनफूल जाँगीड प्रधानाचार्य, मुरारी लाल बैरवा प्रशानाचार्य ने विभागीय जाँच, छात्रों की समस्याओं, नाकारा सामान की नीलामी , आईसीटी लैब आदि पर विचार रखे । फोरम की नवीन कार्यकारणी का गठन करते हुए पूर्व कार्यकारणी को यथावत रखने का निर्णय फोरम ने लिया ।सत्र के बाद महाविद्यालय परिसर में फोरम के बैनर के तले वृक्षारोपण किया गया । वाक्पीठ में मनोज कुमार शर्मा , कमलेश गुप्ता , दिनेश सैनी , बाबूलाल मीना , मूलचंद मीना , मंजु बैरवा, जगमोहन शर्मा , प्यारेलाल जाटव, मोतीलाल मीणा, सुनीता मीणा ,ललिता वर्मा, कैलाश चंद मीणा, राजेश कुमार मीणा ,विवेक शर्मा सहित ब्लॉक के सभी प्रधानाचार्य ने भाग लिया । मंच संचालन फोरम के सचिव नंद किशोर मीना प्रधानाचार्य ने किया ।

दिल्ली की घटना से नहीं ले रहे हैं अधिकारी सबक, राजगढ़ में चल रहे हैं अनेक फर्जी शैक्षणिक संस्थान

संजीवनी टुडे

राजगढ़(अलवर)। दिल्ली में हाल ही में हुई घटना के बाद भी अधिकारी सबक नहीं सीख रहे हैं। राजगढ़ सहित आसपास के इलाकों में दर्जनों शैक्षणिक संस्थान बिना मान्यता के, मान्यता से अधिक कक्षा संचालन, बिना विभागीय अनुमति के स्थान परिवर्तन कर चलाएं जा रहे हैं। लेकिन शिक्षा विभाग इन विद्यालयों के खिलाफ कोई ठोस कार्रवाई नहीं कर पा रहा है। राजगढ़ शहर, टहला, राजपुर बड़ा, मोतीवाड़ा, पुराना राजगढ़, काली पहाड़ी में अवैध रूप से शैक्षणिक संस्थान बिना मान्यता के चल रहे हैं। वहीं कुछ जगह तो बच्चों को बेसमेंट में बैठाकर पढ़ाया जा रहा है। नौनिहालों के साथ यह शैक्षणिक संस्थान खिलवाड़ कर रहे हैं। लगातार इन शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ खबर चलाने के बाद भी शिक्षा विभाग के अधिकारी आंखें मुंद कर किसी अनहोनी का इंतजार कर रहे हैं। इन निजी विद्यालयों में नियमानुसार बाल वाहिनी तक नहीं है। कुछ विद्यालयों ने तो खटारा बसें या टेंपों से बालकों को ले जाया जा रहा है। जागरूक अभिभावकों ने बताया कि विभाग को सब पता होने के बाद भी इन शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। इन शैक्षणिक संस्थानों के पास ना तो बैठने के लिए पर्याप्त भवन है, ना ही नियमानुसार बाल वाहिनी का संचालन हो रहा है। जिसके कारण इन विद्यालयों में पढ़ने वाले नन्हे मुन्ने बच्चों के जीवन पर संकट मंडरा रहा है।

केंद्र व राज्य सरकार का बजट सर्वांगीण विकास व विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने वाला बजट: केंद्रीय मंत्री यादव

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कहा कि केंद्र व राज्य सरकार का बजट सर्वांगीण विकास व विकसित भारत की संकल्पना को साकार करने की दिशा में मील का पत्थर साबित होगा। केंद्रीय मंत्री यादव शनिवार को अलवर में औद्योगिक संघों द्वारा आयोजित बजट संवाद कार्यक्रम में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने र्स्वस्पर्शी, सर्वसमावेशी बजट के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद देते हुए कहा कि मोदी के कुशल नेतृत्व में विगत 11 वर्षों में लिए गए दूरगामी निर्णयों से आज भारत डगमगाती अर्थव्यवस्था से दुनिया की पांचवीं बडी अर्थव्यवस्था बनने के साथ तीसरे नम्बर की अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में मजबूती से आगे बढ रहा है। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए केंद्रीय बजट में हर वर्ग को आगे बढने के लिए प्रावधान किए हैं।उन्होंने बताया कि बजट में एमएसएमई सैक्टर को मजबूत करने के लिए कई कदम उठाए जिसके तहत इस सैक्टर में मशीनरी आदि खरीदने के लिए सरकार 100 करोड रूपये तक की गारन्टी देने, छोटी

इकाइयों को बढावा देने के लिए मुद्रा लोन को 10 लाख से बढाकर 20 लाख रूपये करने, स्कील डवलपमेंट को बढाने, रिसाइकिल मैन्युफैक्चरिंग में नए अवसर पैदा करने, कस्टम ड्यूटी कम करने, टीडीएस के ओफ़ेन्स को क्रिमनल ओफ़ेन्स से बाहर निकालकर बोनाफाइड ही रखने जैसे अनेक प्रावधान किए गए हैं। उन्होंने कहा कि उद्योगों को बढाने के साथ पर्यावरण संरक्षण पर भी विशेष ध्यान दिया गया है। उन्होंने राजस्थान सरकार के बजट में अलवर जिले के लिए जलापूर्ति के लिए दी गई योजना जिसमें ईआरसीपी में अलवर सहित बहरोड व खैरथल को शामिल करने, सिलीसेढ झील से शहर में जलापूर्ति करने सहित अनेक जल से जुडी योजनाओं को स्वीकृति प्रदान की गई है तथा पर्यावरण संरक्षण के तहत यहां बायोलोजिकल पार्क, साइंस पार्क, मातृवन आदि के विकसित करने की घोषणा की गई है। इनके साथ ही जिलेभर में अनेक घोषणाएं की गई है। उन्होंने कहा कि अलवर शहर को स्वच्छ रखने तथा जिले के विकास में प्रत्येक व्यक्ति का योगदान महत्वपूर्ण है अतः सभी व्यक्ति अपनी भागीदारी निभाए। इस दौरान उन्होंने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत पौधारोपण भी किया। इस दौरान जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, जिला कलक्टर आशीष गुप्ता, पुलिस अधीक्षक आनन्द शर्मा व औद्योगिक संगठनों के प्रतिनिधि गोविन्द गर्ग, लक्ष्मीनारायण अग्रवाल, अशोक गुप्ता, ओमप्रकाश गुप्ता, राजेश गुप्ता, निकुंज सांघी सहित अन्य प्रतिनिधिगण व आम नागरिकगण मौजूद रहे।

सरिया चोरी के 3 आरोपियों को किया गिरफ्तार: कांकरोली पुलिस ने मामले का किया खुलासा

संजीवनी टुडे

गिरोह बनाकर करते थे वारदात

राजसमन्द। राजसमंद में कांकरोली पुलिस ने लोहे के सरिए चोरी के मामले में चोर गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया। कांकरोली पुलिस थाना इंचार्ज हनवंत सिंह सोढा के अनुसार 27 जुलाई को थाना सर्कल में ब्रोडगेज रेलवे लाईन में ब्रिज में काम आने वाले 400 किलोग्राम लोहे के सरिया आत चोर ने चोरी कर लिए। 29 जुलाई को आरिफ (40) पिता फकीर मोहम्मद कुरेशी निवासी दरयायी पार्क परबडा थाना हिम्मत नगर जिला साबरकांटा गुजरात ने रिपोर्ट देकर मामला दर्ज कराया था। इसके बाद कांकरोली पुलिस ने विशेष टीम का गठन किया। पुलिस की जांच में सामने आया कि नाथद्वारा से सरदार गढ़ के बिच रेलवे लाइन बिछाने का कार्य चल रहा है। जिसमें अलग अलग खण्ड में अलग अलग ठेकेदारों के श्रमिक रेलवे लाइन बिछाने का काम कर रहे हैं। जिसमें एचएमके कम्पनी के दो कर्मचारियों की गतिविधियां संदिग्ध पाई गई जिन पर निगरानी रखी गई। पुलिस ने दोनों कर्मचारी से जब पूछताछ की तो दोनों ने लोहे के सरियों चोरी करना कबूल किया। पुलिस ने दोनो आरोपियों राधेश्याम (23) पुत्र छिददी चौधरी निवासी वसई डहरा मई लोहागढ पुलिस ने दोनो आरोपियों राधेश्याम (23) पुत्र छिददी चौधरी निवासी

वसई डहरा मई लोहागढ जिला डीग व रमेश चौधरी (25) पुत्र भुखराम चौधरी निवासी उदरोमोणियो की ढाणी पुनियो की तला थाना गिडा जिला बालोतरा को गिरफ्तार किया। आरोपियों ने बताया कि चोरी के सरिए भैरु लाल (28) पुत्र मांगी लाल लौहार निवासी नोगांमा बेचना बताया जिस पर पुलिस ने भेरु लाल को भी गिरफ्तार किया।

2481वां ओसवाल दिवस धूमधाम से मनाया, जैन समाज की मजबूती व प्रगति पर हुई चर्चा

संजीवनी टुडे

बाड़मेर। श्री अचलगच्छ आचार्य गुणसागर सुरी साधना भवन में शनिवार को 2481वां ओसवाल स्थापना दिवस कार्यक्रम परम्परागत रुप से आयोजित किया गया। दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुंभारम्भ किया गया। कार्यक्रम में कच्छ कोहिनूर गणिवर्य कमलप्रभ सागर आदि मुनिवृंद के सानिध्य तथा बाड़मेर जिला कलेक्टर निशांत जैन के मुख्य आतिथ्य में जैन श्री संघ द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम के विषय में बताते हुए संघ के महामंत्री किशनलाल वडेरा ने बताया कि स्थापना दिवस के अवसर पर अचलगच्छ संघ, खरतरगच्छ संघ, तेरापंथ संघ, स्थानक वासी संघ, दिगंबर संघ के सैकड़ों श्रावक श्रविका उपस्थित रहे। कार्यक्रम में गुरु भगवंत गणीवर्य कमलप्रभ सागर म.सा ने कहा कि आज के वर्तमान को वर्धमान के सिद्धांतों की जरूरत हैं। समाज में जो कुरतियां, फिजूल खर्ची जैसे आडंबर फैले हुए हैं, उसको रोकने के लिए सभी साधु- संतों और गणमान्य नागरिकों को पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अगर सभी संप्रदाय के साधु संत एक हो

जाए तो देश में अमन चैन की बहार आ जाएगी क्योंकि सभी धर्मो में दया, अहिंसा हैं लेकिन जैन समाज इसके प्रति ज्यादा समर्पित है। पुण्य करने में भी जैन सबसे आगे रहते हैं, इसलिए सभी जैनों को एकता के सूत्र में पिरोकर संगठित करना हम सब की जिम्मेदारी हैं। संगठन में शक्ति है, तभी जैन समाज आगे बढेगा। मुख्य अतिथि जिला कलक्टर निशांत जैन ने अपने संबोधन में कहा की आप जीवन में जितना कम बोझ लेकर चलोगे उतना ही आपके जीवन का सफर आसान होगा मनुष्य का पहला धर्म है मानव सेवा क्यों की मानव सेवा सबसे उत्तम कार्य है। वरिष्ठ शिक्षाविद प्रो. डॉ. बंशीधर तातेड़ ने अपने उद्बोधन में कहा की आज से 2481 वर्ष पूर्व आचार्य रतनप्रभ सुरी द्वारा ओसवाल वंश की स्थापना की गई थी और उनके द्वारा लाखो अजेनो को जैन बनाया गया था हमे उनको बताए मार्ग पर चलकर जीवन में सत्य अहिंसा वह अपरिग्रह के सदुणों को जीवन में अपनाते हुए समाज में बढ़ रही आपसी प्रति इसप्रधा को कम करने एवम समाज में बहुत सुधार की जरूरत हे आज के समय मे एकजुट रहकर एकता का परिचय दे। जैन श्री संघ के अध्यक्ष अमृतलाल जैन, चातुर्मास कमेटी के अध्यक्ष जेठमल सिंघवी, जीतू बांठिया, प्रियंका मालू, रोशन जैन, गौतम बोथरा, अशोक धारीवाल, सौरभ जैन, हरशिल बोथरा, कवि गौतम चमन, कवि मे राज सहित कई वक्ताओं ने अपने विचार प्रकट किए। कार्यक्रम में रणजीतमल मेहता, संपतराज मालू, गौतम बोहरा भूनिया, द्वारकादास डोसी, दिनेश बोहरा, मोहनलाल वडेरा, पवन बोहरा बालेबा, संपत सिंघवी, मदन बोहरा, बंशीधर बोहरा, मूलचंद बोहरा, संपत वडेरा, संजय वडेरा, सुहानी जैन, निर्मला जैन, लीला जैन, ममता जैन सहित सैकड़ों की संख्या में जैन बंधु मौजूद रहे।

खबरें फटाफट

एक्स्ट्रावेंगेंजा में प्राइमरी विंग के बच्चों ने विभिन्न संस्कृतियों के बिखेरे इन्द्रधनुषी रंग

संजीवनी टुडे

जयपुर। मानसरोवर स्थित इंडिया इंटरनेशनल स्कूल में तीन दिवसीय सांस्कृतिक कार्यक्रम एक्स्ट्रावेंगेंजा कार्यक्रम स्कूल सभागार में हुआ, जिसमें प्राइमरी विंग के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का नयनाभिराम प्रदर्शन कर आनंदित कर दिया। बच्चों ने रंगारंग प्रस्तुतियों में कला के इन्द्रधनुषी रंग बिखेरे। बच्चों ने भारतीय कवियों के दोहो से सभागार को गुंजायमान कर दिया। विभिन्न सलोने नृत्यों के माध्यम से सुर, लय और ताल का अनूठा संगम दर्शाया। साथ ही वेस्टर्न सॉन्ग्स के सुरीले प्रदर्शन से दिलों को छू लिया। संवाद, अभिनय के माध्यम से विद्यार्थियों ने युगों का प्रदर्शन कर सतयुग, त्रेता, द्वापर और कलयुग को मंच पर साकार किया। निर्णायक मंडल ने बच्चों की टैलेंट को परखा। विद्यालय निदेशक डॉ. अशोक गुप्ता और प्राचार्या माला अग्निहोत्री ने विद्यार्थियों की विभिन्न प्रतिभा कौशल की प्रशंसा की और आशीर्वाद दिया।

चाकसू क्षेत्र में मानसून से बने हालातों का विधायक ने लिया जायजा

संजीवनी टुडे

चाकसू। यहां विधायक रामावतार बैरवा शनिवार को चाकसू पहुंचे और यहां क्षेत्र में मानसून से बने हालातों का जायजा लिया हैं। विधायक बैरवा ने प्रशासनिक अधिकारियों के साथ कस्बे के मनोहरा तालाब, गोलीराव, रावतावाला बांध समेत अन्य जगह बारिश के बाद हुए रिसाव और जल भराव से प्रभावित इलाकों दौरा का किया और इस दौरान बांध-तालाबों के भराव क्षेत्र व उनकी सुरक्षा को लेकर जानकारी ली गई और वहीं विधायक ने अधिकारियों को आवश्यक दिशा- निर्देश दिए हैं । और विधायक ने अधिकारियो को अलर्ट रहने की बात कही? वहीं इस दौरान एसडीएम शिवचरण शर्मा ने कहा कि आपदा प्रबंधन को लेकर टीम सक्रिय हैं। आपदा से निपटने लिए पूरे इंतजाम के साथ फिलहाल हालात कंट्रोल में हैं। पालिका ईओ बनवारी लाल मीणा समेत कई अन्य जनप्रतिनिधि भी साथ में मौजूद रहें हैं ।

केन्द्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव आज विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव रविवार को संसदीय क्षेत्र अलवर में आयोजित विभिन्न कार्यक्रमों में भाग लेंगे। कार्यक्रमानुसार केंद्रीय मंत्री यादव आज प्रातः 9 बजे भूरासिद्ध हनुमान मंदिर पर आयोजित 75वां जिला स्तरीय वन महोत्सव एक पेड मां के नाम 'मातृ वन' सघन वृक्षारोपण, पर्यावरण संरक्षण एवं हैबिटेट विकास कार्यक्रम में भाग लेंगे, प्रातः 11 बजे अम्बेडकर नगर स्थित भाजपा कार्यालय में बैठक एवं दोपहर 12 बजे अग्रवाल समाज के नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेंगे। दोपहर 2 बजे नीमराना में बैठक एवं दोपहर 3 बजे रमाडा होटल शाहजहांपुर और सांय 4 बजे रेड फॉक्स होटल भिवाड़ी में उद्यमियों के साथ बजट पर चर्चा करेंगे तथा सांय 5 बजे जिला अस्पताल भिवाड़ी में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र के उद्घाटन समारोह में भाग लेंगे।

फ्रेंडशिप डे पर होगा अनूठा आयोजन

संजीवनी टुडे

जयपुर। जहां कुछ युवा फ्रेंडशिप डे को अपने दोस्तों के साथ सेलिब्रेट करते हैं वहीं झालाना डूंगरी विकास महासंघ की ओर से नेहरू बाल उद्यान में पेड़ों को फ्रेंडशिप बैंड बांधकर उनकी सुरक्षा का संकल्प लेकर फ्रेंडशिप डे मनाएंगे इस कार्यक्रम का आयोजन दिनांक 4-8S2024 रविवार समय 11:30 बजे नेहरू गार्डन टोंक रोड जयपुर में होगा।

उदयपुर में जबरन घर में घुसे बदमाशः रुपए मांगे, महिला ने बाहर आकर शोर मचाया तो भागे

संजीवनी टुडे

उदयपुर ।उदयपुर शहर के दक्षिण विस्तार में प. दीनदयाल नगर में बीती रात को एक घर में घुसकर दो युवकों ने रुपए मांगे और बाद में महिला के शोर मचाने पर वे भाग गए। इस बीच महिला का पर्स गायब मिला। इस संबंध में पीड़ित महिला ने रिपोर्ट दी है। दीनदयाल नगर निवासी लीलादेवी पत्नी द्वारका प्रसाद मीणा ने गोवर्धन विलास पुलिस को लिखित में रिपोर्ट देकर बताया कि तीन अगस्त को मेरे पति गांव गए हुए थे।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की बैठक आयोजित

ऊर्जा क्षेत्र में 4 संयुक्त उपक्रमों की स्थापना को मंजूरी, इन उपक्रमों से होगा 1 लाख 34 हजार करोड़ रुपये का निवेश

संजीवनी टुडे

ज्वाइंट वेंचर कंपनी से प्रदेश में मेट्रो परियोजनाओं को मिलेगी गति

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की अध्यक्षता में शनिवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में आयोजित राज्य मंत्रिमण्डल की बैठक में प्रदेश में मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास एवं संचालन के लिए संयुक्त उपक्रम, अक्षय एवं ताप विद्युत परियोजनाओं तथा विद्युत प्रसारण परियोजनाओं के लिए संयुक्त उपक्रम, इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट, संस्कृत शिक्षा विभाग में पदनाम परिवर्तन एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग में सूपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी दूर करने से जुड़े महत्वपूर्ण निर्णय किए गए। उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा, उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड़ एवं संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुए मंत्रिमंडल में लिए गए निर्णयों की जानकारी दी।

मेट्रो रेल परियोजनाओं के लिए संयुक्त उद्यम

उप मुख्यमंत्री डॉ. प्रेमचन्द बैरवा ने बताया कि मेट्रो रेल नीति 2017 के अनुसार केंद्र सरकार और राज्य के बीच संयुक्त उद्यम (जेवी) कंपनी के गठन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। यह संयुक्त उद्यम राजस्थान में वर्तमान में चल रही एवं भविष्य की मेट्रो रेल परियोजनाओं के विकास, परिचालन एवं क्रियान्वयन के लिए होगा। दिल्ली मेट्रो, कोच्चि मेट्रो, बैंगलुरू मेट्रो, उत्तर प्रदेश मेट्रो, नोएडा मेट्रो, मध्य प्रदेश मेट्रो, नागपुर मेट्रो आदि लगभग सभी राज्यों में भी सफलता पूर्वक जेवी का यही मॉडल अपनाया गया है। मेट्रो रेल नीति-2017 के अनुसार इस जेवी को भारत सरकार से मेट्रो परियोजना लागत में वित्तीय सहयोग (अंशपूंजी एवं ऋण के रूप में) प्राप्त हो सकेगा। साथ ही, राज्य की मेट्रो परियोजनाओं के लिए तकनीकी एवं प्रशासनिक सहयोग प्राप्त हो सकेगा।

अक्षय, तापीय ऊर्जा एवं प्रसारण परियोजनाओं के लिए ज्वाइंट वेंचर

संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल ने बताया कि प्रदेश को ऊर्जा के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। बीते 10 मार्च 2024 को राज्य सरकार और विभिन्न केन्द्रीय पीएसयू के बीच हुए एमओयू की अनुपालना में मंत्रिमंडल की बैठक में आज भारत सरकार की

कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच संयुक्त उपक्रम

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन सिंह राठौड ने बताया कि कोल इंडिया लिमिटेड और आरवीयूएनएल के बीच दो अलग अलग जेवी की स्थापना की जाएगी। इसमें एक तापीय परियोजना एवं दूसरी अक्षय ऊर्जा परियोजना होगी। इन जेवी से बिजली की बेस लोड और पीक लोड डिमांड पूरी होगी। साथ ही बिजली उत्पादन में प्रदेश के वित्तीय भार में कमी आएगी। पहली परियोजना के अंतर्गत कालीसिंध तापीय परियोजना झालावाड़ परिसर में 800 मेगावाट की इकाई या किसी अन्य पीटहैड ग्रीनफील्ड कोयला परियोजना की स्थापना की जाएगी। दूसरी जेवी के तहत दो हजार से ढाई हजार मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना, पंप स्टोरेज परियोजना और पवन ऊर्जा परियोजना की स्थापना की जाएगी। इन परियोजनाओं से 17 हजार 200 से 24 हजार 400 करोड़ रूपये का प्रदेश में निवेश होगा।

एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एवं आरवीयूएनएल के मध्य संयुक्त उपक्रम

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री ने बताया कि अक्षय ऊर्जा परियोजना की स्थापना के लिए एनटीपीसी ग्रीन एनर्जी एवं आरवीयूएनएल के मध्य ज्वाइंट वेंचर बनाई जाएगी। यह उपक्रम 25 हजार मेगावाट की सोलर/विंड/हाइब्रिड एनर्जी सहित नवीकरणीय ऊर्जा परियोजनाओं की स्थापना करेगा। इसके माध्यम से प्रदेश में एक लाख करोड़ रूपये का निवेश होगा।

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के मध्य ज्वाइंट वेंचर कंपनी

कर्नल राठौड़ ने बताया कि विद्युत प्रसारण परियोजनाओं की स्थापना के लिए पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड एवं राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम के मध्य ज्वाइंट वेंचर कंपनी की स्थापना की जाएगी। इससे राजस्थान में बढ़ती विद्युत लोड मांग की पूर्ति के लिए ट्रांसमिशन प्रणाली का विकास हो सकेगा। यह जेवी ठव्व्ड (निर्माण, स्वामित्व, संचालन एवं रखरखाव) आधार पर ट्रांसमिशन सिस्टम का संचालन करेगी और अपने द्वारा बनाई गई संपूर्ण ट्रांसमिशन क्षमता राजस्थान डिस्कॉम को उपलब्ध करवाएगी। इस जेवी के माध्यम से प्रदेश में 10 हजार करोड़ का निवेश होगा।

विभिन्न पीएसयू के साथ ज्वाइंट वेंचर कंपनियों के गठन के प्रस्तावों का अनुमोदन किया गया। इन परियोजनाओं में राज्य सरकार की कंपनियों की हिस्सेदारी 26 प्रतिशत और केन्द्रीय पीएसयू कंपनियों की हिस्सेदारी 74 प्रतिशत रहेगी। इन जेवी कंपनियों में राज्य सरकार की कंपनियों की शेयर हॉल्डिंग के लिए वर्तमान परिसंपत्तियों से अंश पूंजी की व्यवस्था की जाएगी।

संस्कृत शिक्षा में 2 हजार 827 भर्तियों का रास्ता साफ, शारीरिक शिक्षा अनुदेशकों का पदनाम परिवर्तन

उन्होंने बताया कि संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अनुदेशक ग्रेड 2 एवं शारीरिक शिक्षा अनुदेशक ग्रेड 3 का पदनाम अब शिक्षा विभाग की तर्ज पर वरिष्ठ शारीरिक शिक्षा अध्यापक व शारीरिक शिक्षा अध्यापक किया गया। संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अध्यापक व लाइब्रेरियन ग्रेड 3 की योग्यता शिक्षा विभाग के अनुरूप की जाएगी। इस निर्णय से इन पदों की भर्ती राज्य कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से शिक्षा विभाग की भर्तीयों के साथ ही हो सकेगी। इस प्रकार संस्कृत शिक्षा विभाग में शारीरिक शिक्षा अध्यापक के 179 एवं लाइब्रेरियन ग्रेड 3 के 48 पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा। संस्कृत शिक्षा विभाग में अध्यापक लेवल 1 व लेवल 2 एवं अध्यापक (सामान्य) लेवल 1 एवं लेवल 2 के पदों की योग्यता प्रारंभिक शिक्षा विभाग के अनुरूप की जाएगी। समान पद हेतु पंचायती राज व शिक्षा विभाग के अनुरूप प्रतियोगी परीक्षा के लिए समान पाठ्यक्रम लागू किया गया है। इन निर्णयों से संस्कृत शिक्षा के इन पदों की भर्ती राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के माध्यम से प्रारंभिक शिक्षा विभाग की भर्तीयों के साथ ही हो सकेगी। इस प्रकार लगभग 2600 पदों पर भर्ती का मार्ग प्रशस्त होगा।

आरएसआर 1951 में अस्थाई आधार पर वेतन एवं पदोन्नति निर्धारण हेतु संशोधन

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि वर्तमान में राजस्थान सेवा नियम 1951 में आवश्यक अस्थाई आधार पर नियुक्ति एवं पदोन्नति किए जाने पर वेतन निर्धारण के संबंध में स्पष्ट प्रावधान नहीं है। अब सेवा नियम में नियम 26डी जोड़कर आवश्यक अस्थाई आधार पर नियुक्ति एवं पदोन्नति पर वेतन निर्धारण किए जाने का प्रावधान किया जा रहा है।

इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट बनाया जाएगा

संसदीय कार्य मंत्री ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा प्रस्तुत वर्ष 2024-25 के लेखानुदान में प्रसारण निगम में केन्द्र सरकार के ऊर्जा मंत्रालय द्वारा जारी दिशा-निर्देशों के अनुरूप इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट इनविट लाने की घोषणा की गई है। इसकी अनुपालना में राजस्थान विद्युत प्रसारण निगम लिमिटेड इनविट का गठन करेगा तथा इसे सेबी में पंजीकृत किया जाएगा। आरवीपीएन को इनविट के माध्यम से अपनी परिचालन ट्रांसमिशन परिसंपति के मुद्रीकरण के लिए अधिकृत करने का प्रस्ताव आज अनुमोदित किया गया है।

आरजीएचएस में क्लेम सेटलमेंट में आएगी स्पष्टता

कर्नल राठौड़ ने बताया कि जिन राज्य कर्मचारी एवं पेंशनरों ने आरजीएचएस के अलावा निजी मेडिकल इंश्योरेंस भी ले रखा है, उन्हें अब केन्द्र सरकार/सीजीएचएस के प्रावधानों से क्लेम का भुगतान किया जाएगा। पहले क्लेम का सेटलमेंट मेडिकल इंश्योरेंस कंपनी द्वारा किया जाएगा तथा इसके उपरांत शेष राशि का क्लेम आरजीएचएस के पेटे से सेटल किया जाएगा। इस निर्णय से आरजीएचएस और निजी मेडिकल इंश्योरेंस दोनों में पंजीकृत कर्मचारियों एवं पेंशनरों के क्लेम सेटलमेंट के संदर्भ में स्पष्टता आएगी।

चिकित्सा शिक्षा में सुपर स्पेशियलिटी शिक्षकों की कमी होगी दूर

उन्होंने बताया कि चिकित्सा शिक्षा विभाग के अंतर्गत राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलेज शिक्षा) नियम 1962 के नियम 7 के उपनियम 1 में संशोधन के प्रस्ताव का अनुमोदन किया गया। इसके अंतर्गत राजकीय चिकित्सा महाविद्यालयों में 1 अप्रेल 2020 या इसके पश्चात सुपर स्पेशियलिटी एवं सब स्पेशियलिटी में नये शुरू होने वाले विभाग में राजस्थान चिकित्सा सेवा (कॉलेज शिक्षा) नियम 1962 के नियम 24 के उपनियम 1 में वर्णित प्रक्रिया के बाद भी आचार्य, सह आचार्य के पद रिक्त रहते हैं तो इन्हें विशेष भर्ती से भरा जा सकेगा। इस निर्णय से राष्ट्रीय आयुर्विज्ञान आयोग द्वारा निर्धारित मापदण्डों की पूर्ति हेतु चिकित्सा शिक्षकों की कमी दूर होगी और सुपर स्पेशियलिटी में स्वास्थ्य सुविधाओं को बढ़ावा मिलेगा।

केंद्रीय वन मंत्री ने एक पेड मां के नाम अभियान के तहत किया पौधारोपण

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने कटी घाटी पर आयोजित एक पेड मां के नाम अभियान कार्यक्रम एवं धन्यवाद कार्यक्रम में भाग लेकर पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। केंद्रीय वन एवं पर्यावरण मंत्री यादव ने 'एक पेड मां के नाम' अभियान के तहत पूर्व विधायक स्व. मेजर ओ.पी यादव की स्मृति में पौधारोपण किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर शुरू किए गए 'एक पेड मां के नाम' अभियान के तहत देशभर में व्यापक स्तर पर पौधारोपण किया जा रहा है जो पर्यावरण संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण एवं प्राकृतिक सौन्दर्य को पर्यावरण के अनुकूल हेतु पौधारोपण करना बेहद आवश्यक है। उन्होंने कहा कि पेड लगाना जितना पर्यावरण संरक्षण के लिए जरूरी है उतना ही मानव के बेहतर स्वास्थ्य के लिए भी आवश्यक है। इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को अपनी मां के नाम पर एक पेड लगाकर तथा उसकी देखभाल कर पर्यावरण को संरक्षित करने में अपना अहम योगदान देना चाहिए।

उन्होंने शहरवासियों को आमंत्रित करते हुए कहा कि रविवार को एक पेड मां के नाम अभियान के तहत भूरासिद्ध मंदिर क्षेत्र में

विकसित किए जा रहे मातृ वन में 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे। इस दौरान बहरोड विधायक जसवंत यादव, जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, पूर्व विधायक जयराम जाटव, मोहित यादव, कविता यादव, डॉ. अंजलि यादव, विशाल यादव सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं बडी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

इंजीनियर पर जानलेवा हमले का आरोपी ठेकेदार गिरफ्तार

संजीवनी टुडे

कोटा।पीएचईडी के इंजीनियर पर हमला कर एक्सीडेंट का रूप देने के मामले में पुलिस ने आरोपी ठेकेदार को गिरफ्तार किया है। आरोपी गिरफ्तारी से बचने के लिए बार-बार लोकेशन बदल रहा था। टीम ने उदयपुर से पकड़ा। टाटाबाडी थाना सीआई नरेश कुमार मीणा नेदादाबाड़ी थाना सीआई नरेश कुमार मीणा ने बताया- आरोपी ठेकेदार मनोज बागड़ी (46) निवासी हिरणमगरी थाना सवीना जिला उदयपुर फरार था। मामले में हिस्ट्रीशीटर समेत 8 आरोपियों की पहले ही गिरफ्तारी हो चुकी है। सीआई ने बताया- बन्ने सिंह मीणा दादाबाड़ी स्थित पीएचईडी विभाग में अधिशासी अभियंता के पद पर कार्यरत है। 25 जून की शाम 6 बजे के करीब अपने ऑफिस से तीन बत्ती चौराहे होते हुए महावीर नगर विस्तार योजना जा रहे थे। अचानक सामने से आ रही तेज लोडिंग पिकअप ने जान से मारने की नीयत से जोर से टक्कर मार दी। बन्ने सिंह के बाएं पैर, दाहिने हाथ में चोट आई। पैर में ऑपरेशन होकर रोड डाली गई। शिकायत पर पुलिस ने आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगाले। फुटेज में घटना के बाद पिकअप चालक व एक अन्य व्यक्ति थोड़ी दूर खड़ी एक एक्टिवा के साथ भागते हुए संदिग्ध अवस्था में नजर आए। जांच में सामने आया कि उदयपुर में पोस्टिंग के दौरान अधिशासी अभियंता बन्ने सिंह ने ठेकेदार मनोज बागड़ी के फर्जी बिलों पर साइन करने से मना कर दिया था।

केन्द्रीय मंत्री यादव ने सैनी महासभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के सदस्यों को दिलाई शपथ

संजीवनी टुडे

अलवर। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने शहर में आयोजित सैनी महासभा की नवनिर्वाचित कार्यकारिणी के शपथ ग्रहण में कार्यकारिणी के अध्यक्ष पूरण सैनी एवं अन्य सदस्यों को शपथ दिलाई। इस दौरान उन्होंने सैनी समाज के प्रतिभावान बालक-बालिकाओं को प्रतीक चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया। केंद्रीय मंत्री यादव ने नव निर्वाचित कार्यकारिणी को शुभकामना देते हुए कहा कि जिस उद्देश्य से कार्यकारिणी द्वारा शपथ ली गई है उसी उद्देश्य को पूरी लगन व निष्ठा से निभाकर समाज को आगे बढाने की दिशा में कार्य करेंगे। उन्होंने कहा कि देश व समाज को नई दिशा देने में जिन महापुरूषों ने कार्य किया उनमें महात्मा ज्योतिराव फूले का महत्वपूर्ण स्थान है। उन्होंने कहा कि महात्मा ज्योतिराव फूले एवं उनकी धर्मपत्नी सावित्री बाई फूले ने समाज के उत्थान, विकास, कुरीतियों को दूर करने व बालिका शिक्षा की दिशा में जो कार्य किए है वह वर्तमान पीढी के लिए प्रेरणा के स्त्रोत हैं। वर्तमान पीढी को उनसे प्रेरणा लेकर देश के विकास व

उन्नति में अपना योगदान देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सैनी समाज शिक्षित एवं मेहनतकश समाज है तथा अपनी प्रतिभा और कौशल की बदौलत प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभाता रहा है। इस समाज में प्रतिभाओं की कमी नहीं है तथा बालिका शिक्षा का स्तर बहुत अच्छा है। उन्होंने कहा कि प्रकृति हमें जीवन में भोजन, औषधि आदि जीवन व्यतीत करने के लिए प्रदान करती है तो हमारा भी नैतिक दायित्व बनता है प्रकृति के सौन्दर्यकरण को बढाने एवं पर्यावरण संरक्षण को बनाए रखने के लिए पेड लगाने आवश्यक है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा संचालित 'एक पेड मां के नाम अभियान' के तहत प्रत्येक व्यक्ति पौधे लगाए और उनका रखरखाव भी करें। उन्होंने कहा कि रविवार को एक पेड मां के नाम अभियान के तहत भूरासिद्ध मंदिर क्षेत्र में विकसित किए जा रहे मातृ वन में 20 हजार पौधे लगाए जाएंगे जहां सैनी समाज सावित्री बाई फूले वाटिका विकसित कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि सैनी समाज की सभी मांगों का यथोचित समाधान कराया जाएगा। कार्यक्रम में बांदीकुई विधायक भागचंद टाकडा ने भी अपने विचार रखे। कार्यक्रम में जिला प्रमुख बलबीर सिंह छिल्लर, नगर निगम के महापौर घनश्याम गुर्जर, रोशनलाल सैनी, सैनी समाज के अध्यक्ष पूरण सैनी, अभय सैनी, प्रेम पटेल सहित प्रबुद्ध व्यक्ति एवं समाजबंधु व आमजन उपस्थित रहे।

मछलियों को पकड़ने पर ग्रामीणों ने शिकारियों को पीटा: ग्रामीण बोले-प्रतिबंध के बाजवूद ठेकेदार के लोग कर रहे शिकार

संजीवनी टुडे

रावतभाटा।रावतभाटा के जवाहरनगर में राणा प्रताप सागर बांध के भराव क्षेत्र में प्रतिबंध के बावजूद अवैध तरीके से मछलियों को पकड़ा जा रहा है। शुक्रवार को ग्रामीणों का और शिकारियों के बीच मारपीट के बाद पुलिस ने तीन लोगों को हिरासत में लिया है। जानकारी के अनुसार शुक्रवार सुबह चार बजे एक स्टीमर नाव में मछलियों का शिकार करते हुए लोगों को ग्रामीणों ने पकड़ लिया। आपसी कहासुनी के बाद विवाद बढ़ गया। ग्रामीणों ने शिकारियों के साथ मारपीट कर दी। वहीं तीनों शिकारियों को पुलिस के हवाले कर दिया। ग्रामीणों ने बताया कि प्रतिबंध के बावजूद भी ठेकेदार के लोग लगातार मछलियों को पकड़ रहे हैं। मत्स्य विभाग परियोजना सहायक अधिकारी प्रवीण कुमार ने बताया कि 16 जून से 15 अगस्त तक मछलियों का प्रजनन काल रहता है। ऐसे में 31 अगस्त तक मछली पकड़ने पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगा रखा है। लेकिन क्षेत्र में मत्स्याखेट पर प्रतिबंध संबंधी प्रशासन का आदेश बेअसर साबित हो रहा है। यहां नदी में जाल बिछाकर धड़ल्ले से मछलियों का शिकार किया जा रहा है। ठेकेदार आरोपी पाया गया तो विभाग द्वारा नोटिस देकर जवाब मांगा जाएगा।

3 से 4 करोड़ का होता है मछली पकड़ने का ठेका

रावतभाटा में राणा प्रताप सागर बांध के चंबल नदी

कैचमेंट में प्रत्येक 5 साल के अंतराल में मत्स्य विभाग की ओर से 3 से 4 करोड़ राशि का ठेका दिया जाता है। वर्तमान में रावतभाटा के ठेकेदार कासिम का ठेका संचालित है। ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार की पुलिस प्रशासन के साथ मिली भगत के कारण प्रजनन काल मे भी मछली आखेट का खेल फलफूल रहा है। विभागीय स्तर पर ठेकेदार को नोटिस देकर जुर्माना सहित सिक्योरिटी राशि जब्त किए जाने की कार्रवाई होती है। वहीं तीन लोगों को हिरासत में लेने की कार्रवाई के बाद में जावदा थानाधिकारी ने इस संबंध में कोई जवाब नहीं दिया। कई बार फोन करने के बाद भी रिसीव नहीं किया गया। डीएसपी प्रभुलाल कुमावत ने कहा कि जल्द मामले की जांच कर खुलासा किया जाएगा।

महिला मंडल ने उत्साह से मनाया सावन महोत्सवः राजस्थानी लोकगीतों की दी प्रस्तुति, प्रतियोगिताओं में लिया हिस्सा

संजीवनी टुडे

रावतभाटा।शहर के कोटा रोड स्थित महापलेश्वर मंदिर प्रांगण में शनिवार को सावन उत्सव की धूम रही। महोत्सव में शामिल होने यहां पूरे शहर की महिला मण्डल की सदस्य पारंपरिक वेशभूषा में पहुंची। देरशाम तक आयोजित इस प्रोग्राम की मुख्य अतिथि नगरपालिका अध्यक्ष मधु कंवर हाड़ा थी। आयोजन समिति प्रमुख कृष्णा प्रजापति ने बताया कि नृत्य, संगीत और विभिन्न प्रतियोगिताओं में महिलाओं ने उत्साह और उमंग से भाग लिया। कार्यक्रम का शुभारंभ नगर पालिका अध्यक्ष ने दीप प्रज्वलित कर किया। आयोजन समिति की वंदना, मंजू सोनी ने पुष्प गुच्छ भेंट कर चेयरमैन का स्वागत किया। कार्यक्रम का संचालन रचना भटनागर ने किया। कार्यक्रम में वंदना शक्यवाल, कविता भट्ट, कृष्णा भाटी, रजनी कुशवाहा व प्रीति ने नृत्य तथा विमला भटनागर मधु प्रजापति ने भजन की प्रस्तुति दी। इस अवसर पर कृष्णा प्रजापति, वंदना कंवर, संध्या कंवर, सुमन कंवर, सुशीला कंवर, मोना, पूनम कंवर, प्रेम बाई, बदाम बाई, मीनाक्षी, ज्योत्सना, रंजना, किरण हाड़ा, कृतिका सेन, संगीता सेन, संजू सेन, अंजना सेन, ललिता नायक, रजनी कुशवाह, ममता सिंह, शाईना, प्रीति प्रजापत, ज्योति प्रजापत, रामबेटी प्रजापत, मधु प्रजापत, करीना प्रजापत, मंजू शुक्ला, शशि,

शाईना,इस अवसर पर कृष्णा प्रजापति, वंदना कंवर, संध्या कंवर, सुमन कंवर, सुशीला कंवर, मोना, पूनम कंवर, प्रेम बाई, बदाम बाई, मीनाक्षी, ज्योत्सना, रंजना, किरण हाड़ा, कृतिका सेन, संगीता सेन, संजू सेन, अंजना सेन, ललिता नायक, रजनी कुशवाह, ममता सिंह, शाईना, प्रीति प्रजापत, ज्योति प्रजापत, रामबेटी प्रजापत, मधु प्रजापत, करीना प्रजापत, मंजू शुक्ला, शशि, विनिता, वंदना शिवानी, मीरा, अंजू सोनी, मंजू सोनी, योगिता सोनी, कृष्णा भाटी, रेखा भाटी, विमला भटनागर, रचना भटनागर, शोभा सोनी, नीतु सेन, रीना, राधा, ममता शर्मा, रेखा गुर्जर, पूजा प्रजापति, ईशिका बुनकर, हेमलता शाक्यवार, सपना नामा, ज्योति, सुमन, लाड बाई, पूनम, सीमा, मनीषा तिवारी सहित रावतभाटा की सम्मानित महिलामण्डल मौजूद रही।

सम्पादक की कलम से....

सम्पादकीय

उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल यात्रा एक सपना था, अब होगा पूरा

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार गठित होने पर उत्तराखंड वासियों के बहुप्रतीक्षित स्वप्न के मूर्त रूप लेने के आसार बने। मोदी सरकार ने कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के संकल्प को व्यक्त किया और तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए सत्ता संभालने के लगभग दो वर्ष के भीतर वर्ष 2016 में इस रेल परियोजना को 16,216 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी। उत्तराखंड के पहाड़ों में रेल यात्रा का सपना सदियों पुराना है। ज्ञात इतिहास में पहाड़ों में रेल लाइन को लेकर एक संदर्भ वर्ष 1914 के प्रथम विश्व युद्ध के नायक विक्टोरिया क्रॉस दरबान सिंह नेगी से जुड़ा हुआ है। संदर्भ यह है कि प्रथम विश्व युद्ध की समाप्ति के बाद अंग्रेजी साम्राज्य के तत्कालीन सम्राट जॉर्ज पंचम ने युद्ध में गढ़वाल राइफल के नायक दरबान सिंह नेगी की वीरता को देखते हुए उन्हें सर्वोच्च सैनिक सम्मान विक्टोरिया क्रॉस प्रदान किया। इस दौरान ब्रिटेन के महाराजा ने नेगी से उनकी इच्छाएं पूछी। कहा जाता है कि नेगी ने महाराजा से अपनी एक इच्छा कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के रूप में व्यक्त की।

इतिहास में वर्ष 1924 में अंग्रेजों द्वारा ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेलवे लाइन का पहली बार सर्वे का विवरण मिलता है। इससे पूर्व अंग्रेज मसूरी तक रेल लाइन का सर्वे भी कर चुके थे। किन्तु तत्कालीन वैश्विक परिस्थितियों और द्वितीय विश्व युद्ध को लेकर चल रहे घटनाक्रम के कारण वो अपनी इन योजनाओं को अंजाम तक नहीं पहुंचा सके। रेल लाइन पहाड़ों तक पहुंचाने के पीछे अंग्रेजों का अपना स्वार्थ भी था। वो प्रकृति प्रेमी थे और उन्हें पहाड़ की जलवायु अनुकूल लगती थी। अंग्रेजों ने पहाड़ की कंदराओं की छान मारी थी। इसका प्रमाण यह है कि उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में वन विभाग अथवा लोक निर्माण विभाग के अधिकांश विश्राम गृह अंग्रेजी शासन काल में निर्मित हुए हैं, जिन्हें डाक बंगला कहा जाता था। अंग्रेजों ने बीहड़, निर्जन व घोर जंगलों के बीच में डाक बंगला बनाए। इसलिए पुरानी पीढ़ी के कुछ लोग मानते थे कि यदि अंग्रेज भारत में कुछ समय और राज करते तो पहाड़ में रेल पहुंच जाती। मगर, दुर्भाग्य देखिए कि स्वतंत्रता प्राप्ति के वर्षों बाद तक भारत की सरकारें पहाड़ पर रेल पहुंचाने की दिशा में इंच भर भी आगे नहीं बढ़ पाई। पहाड़ में रेल लाइन बिछाने की कल्पना पहाड़ जैसी दुष्कर लगने लगी थी। समय-समय पर विभिन्न स्तरों पर ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन निर्माण की मांग उठती रही। मगर यह मांग अनसुनी होती रही। पहाड़वासियों को भी कर्णप्रयाग तक रेल लाइन एक तरह से दिवास्वप्न ही लगने लगी थी।

वर्ष 2014 में केंद्र में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा की सरकार गठित होने पर उत्तराखंड वासियों के बहुप्रतीक्षित स्वप्न के मूर्त रूप लेने के आसार बने। मोदी सरकार ने कर्णप्रयाग तक रेल लाइन बिछाने के संकल्प को व्यक्त किया और तमाम औपचारिकताओं को पूरा करते हुए सत्ता संभालने के लगभग दो वर्ष के भीतर वर्ष 2016 में इस रेल परियोजना को 16,216 करोड़ की वित्तीय स्वीकृति भी प्रदान कर दी। 125 किमी लंबी इस रेलवे लाइन के निर्माण का लक्ष्य वर्ष 2024-25 तक रखा गया है। इस रेल परियोजना में 12 स्टेशन, 17 सुरंगों व 35 पुलो का निर्माण किया जाएगा। यात्रियों के लिए रोमांचकारी साबित होने वाली इस रेलवे लाइन में सबसे लंबी सुरंग 15 किमी की होगी। रेलवे लाइन के निर्माण के बाद उत्तराखंड जहां परिवहन कनेक्टविटी की दृष्टि से लंबी छलांग लगा सकेगा, वहीं पर्यटकों व तीर्थयात्रियों के लिए आवागमन का एक सुलभ व सस्ता साधन उपलब्ध हो सकेगा। रेल यातायात शुरू होने पर ऋषिकेश से कर्णप्रयाग तक की दूरी, जिसे पूरा करने में सड़क मार्ग से लगभग 6 घंटे का समय लगता है, वो मात्र 2 घंटे में पूरी हो सकेगी। अन्तर्राष्ट्रीय सीमा से जुड़े उत्तराखंड में इस परियोजना का सामरिक कारणों से बेहद महत्व है। मगर इसके साथ ही पलायन जैसी समस्या से ग्रस्त राज्य के लिए रेल लाइन उम्मीदों की कई किरणों को साथ लेकर आएगी, यह मानना अति संयोक्तिपूर्ण नहीं होगा। केंद्र सरकार द्वारा इस परियोजना को राष्ट्रीय महत्व का घोषित किया गया है। इसकी सतत निगरानी स्वयं प्रधानमंत्री मोदी द्वारा की जा रही है। रेल विकास निगम लिमिटेड द्वारा निर्माणाधीन इस रेल परियोजना की प्रदेश के मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत द्वारा भी लगातार समीक्षा की जा रही है। गत बुधवार को मुख्यमंत्री रावत के समक्ष अधिकारियों ने बताया कि रेल परियोजना के लिए जरूरी भूमि का अधिग्रहण कार्य पूर्ण कर लिया गया है।

आज का राशिफल

यह राशिफल जन्म राशि पर आधारित है। व्यक्ति के जन्म के समय चंद्रमा जिस राशि पर थे, वही उसकी जन्म राशि होती है। यदि राशि की जानकारी आपको नहीं है तो अपने नामाक्षर से राशिफल देखें।

मेष (चू, चे, चो, ला, ली, लू, ले, लो, अ) : आज भाग्य से कोई नया प्रस्ताव मिल सकता है। सरकारी काम आसानी से बन जाएंगे। अधिकारी सहयोग करेंगे। किसी चैरिटी आदि में धन खर्च करेंगे। मित्रों के साथ पार्टी में जा सकते हैं।

वृषभ (ई,उ,ए,ओ,वा,वी,वू,वे,वो) : सुख-सुविधाओं पर खर्च होगा। व्यक्तिगत मामलों में गलतफहमी को जन्म देने वाली कोई बात हो सकती है। परिवार के साथ पार्टी में जा सकते हैं। कोई नया प्रस्ताव यदि आज मिलता है।

मिथुन (क,की,कू,घ,ङ, छ, के,को, ह) : कार्यों को मन लगाकर पूरा करेंगे। आपकी बढ़ते प्रभाव से कुछ लोगों को परेशानी हो सकती है। आज की गई मेहनत का पूरा फल नहीं मिलेगा। व्यक्तिगत मामलों को सावधानी से हल करें।

कर्क (ही, हू, हे, हो, डा, डी, डू, डे, डो) : किसी योजना का क्रियान्वयन हो जाएगा। अधूरे काम भी किसी न किसी सहयोग से आज पूरे हो जाएंगे। धैर्यपूर्वक निर्णय लेने पड़ेंगे। भाग-दौड़ बनी रहेगी, परंतु यात्रा करना आज ठीक नहीं रहेगा।

सिंह (मा, मी, मू, मे, मो, टा, टी, टू, टे) : परिवार के बड़े सदस्यों की आज्ञा मान कर चलेंगे तो फायदे में रहेंगे। लाभ के एक से अधिक अवसर सामने होंगे। चाहा गया सहयोग नहीं मिलने से काम खुद ही पूरे करने पड़ेंगे। बड़े भाई से लाभ होगा।

कन्या (टो, पा, पी, पू, ष, ण, ठ, पे, पो) : आज घर और बाहर दोनों जगह आपके काम की सराहना होगी। काम के घंटे बढ़ जाएंगे अतः पिछले छूटे कामों को पहले पूरा कर लें। अधिकारी वर्ग प्रसन्न रहेगा। विद्यार्थी वर्ग लाभ में रहेगा।

तुला (रा, री, रू, रे, रो, ता, ती, तू, ते) : आज काम बनने में थोड़ी असुविधा हो सकती है। विरोधियों से सावधान रहना होगा। प्रोपर्टी के खरीदने या बेचने से संबंधी बात हो सकती है। पुराने मित्रों से मुलाकात होने की संभावना है।

वृश्चिक (तो, ना, नी, नू, ने, नो, या, यी, यू) : व्यावसायिक कार्यों का विस्तार करने के लिए अतिरिक्त परिश्रम करना पड़ेगा। सहयोग मिल जाने से थोड़ी आसानी हो जाएगी। व्यक्तिगत संबंधों में सौहार्द्र की भावना बढ़ने से मन प्रसन्न होगा।

धनु (ये, यो, भ, भी, भू, धा, फा, ढा, भे) : आज का दिन महत्वपूर्ण काम करने के लिए नहीं है। निजी समस्याओं को अपने ऊपर हावी न होने दें। परिवार के साथ समय बिताना आवश्यक है, चाहें तो कहीं आउटिंग के लिए जा सकते हैं।

मकर (भो, जा, जी, खी, खू, खे, खो, ग, गी) : आज स्वास्थ्य का ध्यान रखना होगा, परंतु काम फिर भी आसानी से बन जाएंगे। लाभ की कोई नई योजना बनाकर उस पर अमल करेंगे। मित्र विशेष सहयोगी बनकर सामने आएंगे।

कुंभ (गू, गे, गो, सा, सी, सू, से, सो, दा) : आज घर की बुजुर्ग स्त्री की सलाह काम आएगी, महत्वपूर्ण निर्णय लेते समय उसको नजरअंदाज ना करें। यात्रा करना हित में नहीं रहेगा, बहुत जरूरी हो तो पहले मंदिर जाएं फिर यात्रा करें।

मीन (दी, दू, थ, झ, ञ, दे, दो, चा, ची) : आज योग्यता दिखाने का उचित अवसर मिलेगा। लाभ देने वाली छोटी यात्रा की संभावना है। बडी प्रतिस्पर्धा में भी विजयी होंगे। वाहन धीमी गति में चलाएं, अन्य कामों में भी जल्दबाजी ना करें।

बढ़ते वैश्विक विस्तार से समृद्ध हो रही है हिंदी

भाषा ही जन-जीवन में लोक व्यवहार का सहज समर्थ माध्यम होती है। भाषा के बिना व्यक्ति और समाज मूक है, पंगु है। भाषा ही भावाभिव्यक्ति का सुदृढ़ आधार एवं सबल सम्बल होती है। साहित्य साधना का ललित भव्य प्रासाद भाषा की मजबूत नींव पर ही आधृत होता है। जो भाषा शब्द-संपदा से जितनी समृद्धि होती है उसका साहित्य भी उतना ही विशाल, गम्भीर, समुन्नत और वैचारिक उच्चता से ओतप्रोत होता है। वास्तव में भाषा किसी नदी की धारा की तरह होती है जिसके तरंगित प्रवाह में एक लयात्मकता, सुमधुर संगीत और मनहरण राग समाहित होता है। भाषा क्षेत्रीय बोलियों का परिमार्जित, परिनष्ठित एवं प्रांजल रूप होती है। भाषा के विकास और संस्कार में युगों का, पूर्वज पीढ़ियों का श्रम श्वेद घुला होता है। भाषा ही कल्पना को शब्दों का वस्त्रालंकरण प्रदान कर धरातल पर साकार करती हैं। व्यक्ति की भांति भाषा भी जीती और मरती है। भाषा का जीवनकाल इस बात पर निर्भर करता है कि सामाजिक जीवन में उसके प्रति आत्मीयता एवं आत्मगौरव का भाव है या उपेक्षा और तिरस्कार का। नई पीढ़ी के दैनंदिन जीवन में किसी भाषा का सम्मानजनक प्रयोग उस भाषा को नवल ऊष्मा और पहचान देते हुए राष्ट्र जीवन में स्थापित करता है। खुशी है कि हिंदी वैश्विक फलक पर न केवल जगमगा रही है बल्कि विश्व की युवा पीढ़ी को हिंदी सीखने के प्रति प्रेरित एवं आकर्षित भी कर रही है। और यह सम्भव हुआ है हिंदी के समृद्ध लोकोन्मुखी साहित्य भंडार एवं विश्व हिंदी सम्मेलन के जागतिक प्रयासों से।

विश्व में हिंदी के प्रचार प्रसार करने, हिंदी के प्रति अनुराग उत्पन्न करने, हिंदी के अधिकाधिक प्रयोग को बढ़ावा देने एवं एक अंतरराष्ट्रीय भाषा के रूप में विश्व में हिंदी को स्थापित करने के पावन उद्देश्य के साथ संपूर्ण विश्व में प्रत्येक वर्ष 10 जनवरी को विश्व हिंदी दिवस मनाया जाता है। भारत के अलावा विदेशों में भारतीय दूतावासों द्वारा स्थानीय हिंदी प्रेमियों के बीच विशेष कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। उल्लेखनीय है कि पहला विश्व हिंदी सम्मेलन राष्ट्र भाषा प्रचार समिति, वर्धा के सहयोग समन्वय से 10 जनवरी 1975 को नागपुर में हुआ था जिसमें 30 देशों से शताधिक हिंदी प्रेमी प्रतिनिधियों ने सम्मिलित होकर हिंदी के प्रचार-प्रसार का संकल्प लिया था।

इसलिए इस स्मृति को संजोए रखने के लिए प्रत्येक वर्ष विश्व हिंदी दिवस मना कर विश्व में हिंदी की प्रगति और स्वीकार्यता को रेखांकित कर आगामी कार्य योजनाएं एवं संकल्प लिये जाते हैं। विश्व हिंदी सम्मेलन प्रत्येक तीन वर्ष बाद मनाया जाता है। विश्व हिंदी सम्मेलन की श्रंखला में अब तक नागपुर (1975), पोर्टलुई (1976, 1993 एवं 2018), नई दिल्ली (1983), त्रिनिदाद एवं टोबैगो (1996), लंदन (1999), सूरीनाम (2003), न्यूयॉर्क (2007) जोहानसबर्ग (2012), भोपाल (2015) के प्रेरक आयोजन मील के पत्थर सिद्ध हुए हैं। 10 जनवरी, 2006 में प्रत्येक वर्ष विश्व हिंदी दिवस मनाने की घोषणा प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने की थी। नार्वे स्थित भारतीय दूतावास ने सर्वप्रथम विश्व हिंदी दिवस मना कर भारत के बाहर इस परंपरा का बीजारोपण किया था।

यदि हिंदी के वैश्विक विस्तार पर विचार करें तो 150 से अधिक विदेशी विश्वविद्यालयों में हिंदी का अध्यापन किया जा रहा है। फीजी में हिंदी को आधिकारिक भाषा का दर्ज़ा प्राप्त है। फिजी, ट्रिनिडाड एवं टोबैगो, गुयाना, सूरीनाम, पाकिस्तान, बांग्लादेश, अफगानिस्तान, नेपाल, भूटान, तिब्बत, म्यांमार, अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर आदि देशों में हिंदी बोलने और समझने वालों की सम्मानजनक संख्या है। विभिन्न देशों से हिंदी भाषा देवनागरी लिपि में दैनिक, साप्ताहिक एवं मासिक पत्र-पत्रिकाएं निकलती हैं। विश्वविद्यालयों में नवीन शोध कार्य गतिमान हैं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा वैश्विक आयोजनों एवं विदेशी दौरों में हिंदी में भाषण एवं संवाद करने से हिंदी का प्रभाव बढ़ा है। हिंदी सिनेमा ने भी विश्व में हिंदी के प्रसार में महतवपूर्ण योगदान दिया है। धार्मिक-सामाजिक मानवीय संस्थाओं एवं योग गुरुओं ने भी हिंदी को विदेशी धरती पर पल्लवित करने में सराहनीय भूमिका निवर्हन की है। विश्व में लगभग एक अरब लोग हिंदी बोलने-समझने वाले हैं। भारत में लगभग एक दर्जन राज्यों ने हिंदी का राजकाज की प्रथम प्रमुख भाषा स्वीकार किया है। उत्तर प्रदेश के अलावा मध्य प्रदेश, बिहार, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, राजस्थान, हिमाचल प्रदेश, झारखंड, उत्तराखंड आदि के नाम इस कड़ी में शोभायमान हैं। अन्य राज्यों यथा अरुणाचल प्रदेश, गुजरात, तिब्बत, त्रिपुरा, असम, मणिपुर, कर्नाटक, लक्षद्वीप, चंडीगढ़ आदि राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों में भी हिंदी बोली-समझी जाती है।

किसी भाषा के विकास पर रोजगार एवं बाजार का भी प्रभाव देखा जाता है। बाजार का अपना चाल और चरित्र होता है। वह केवल अपना हित साधना जानता है, इसलिए व्यक्ति, वस्तु और विचार को वह अपनी दृष्टि से परिभाषित एवं पोषित करता है। भाषा एवं संस्कृति की दृष्टि से बाजार नए विचार एवं नई भाषाएं गढ़ता और खाद-पानी देता है। तो वहीं भाषा एवं संस्कृति की जीवन रेखा को काटता भी है। इस दृष्टि से विचार करें तो हिंदी आज दुनिया के बाजार की भाषा बन गई है। भूमंडलीकरण के दौर में जब व्यापार हेतु देशीय सीमाओं के बंधन टूट गए हैं और संपूर्ण विश्व एक बाजार ही बन गया है, ऐसी स्थिति में भारत एक बड़ा बाजार एवं बड़े उपभोक्ता वर्ग के रूप में सामने आया है। यहां ग्राहकों से संपर्क एवं संबंध हिंदी भाषा में ही सहज संभव है। इसलिए बहुराष्ट्रीय कंपनियां अपने विज्ञापन एवं प्रचार प्रसार में हिंदी का प्रयोग कर रही हैं। इसके साथ ही कार्मिकों के रूप में भी बड़ी संख्या में हिंदी भाषी व्यक्तियों को वरीयता दी जा रही है।

एतदर्थ दुनिया में नई पीढ़ी में हिंदी सीखने के प्रति एक ललकभरा आकर्षण दिखता है। यही आकर्षण बाद में साहित्य के पठन एवं अध्ययन को प्रेरित करता है। दूसरी बात आज वैश्वीकरण के दौर में दुनिया लोगों की मुट्ठी में समा गई है। लोग भिन्न संस्कृतियों के साहित्य, खान-पान, पहनावा, रहन-सहन, परंपराओं के बारे में जानना-समझना चाहते हैं। इसके लिए वे अपनी भाषा में अनूदित पुस्तकों का सहारा लेते हैं। अनुवाद केवल शब्दों एवं वाक्यों का ही हो सकता है भावों एवं परिस्थितियों का नहीं। अतः मूल भाव के सत्वरस के साथ परमानंद प्राप्ति हेतु साहित्य प्रेमी हिंदी सीख रहे हैं। क्योंकि किसी भी भाषा का कोई भी शब्द अपने एक खास अर्थबोध एवं छवि के साथ यात्रा कर रहा होता है। यह स्थिति हिंदी के सुखद भविष्य का द्योतक हैं। विश्व हिंदी दिवस के अवसर पर हम अपने दैनंदिन कार्य-व्यवहार में हिंदी का अधिकाधिक प्रयोग करते हुए संयुक्त राष्ट्र संघ की मान्य भाषा के रूप में दर्ज़ा दिला सकने के संकल्प के साथ हिंदी को विश्व भाषा बनाने की ओर अग्रसर होंगे, ऐसा मुझे विश्वास है।

विचार बिन्दु

एतदर्थ दुनिया में नई पीढ़ी में हिंदी सीखने के प्रति एक ललकभरा आकर्षण दिखता है। यही आकर्षण बाद में साहित्य के पठन एवं अध्ययन को प्रेरित करता है। दूसरी बात आज वैश्वीकरण के दौर में दुनिया लोगों की मुट्ठी में समा गई है। लोग भिन्न संस्कृतियों के साहित्य, खान-पान, पहनावा, रहन-सहन, परंपराओं के बारे में जानना-समझना चाहते हैं। इसके लिए वे अपनी भाषा में अनूदित पुस्तकों का सहारा लेते हैं। अनुवाद केवल शब्दों एवं वाक्यों का ही हो सकता है भावों एवं परिस्थितियों का नहीं।

प्रमोद दीक्षित मलय

भगवान राम द्वारा स्थापित रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग के दर्शन से प्राप्त करें पुण्य-फल

रामेश्वरम मंदिर तमिलनाडु के रामनाथपुरम जिले में स्थित है। चार धामों में स्थान रखने वाले रामेश्वरम मंदिर की खूबसूरती बेहद प्रमुख है। यह मंदिर अपनी खूबसूरती के लिए पूरे विश्व में प्रसिद्ध है और रामेश्वरम मंदिर का गलियारा विश्व के सबसे बड़े मंदिर गलियारे के रूप में प्रसिद्ध है। हमारे यहां पुराणों में कहा गया है कि सावन के महीने में एक भी ज्योतिर्लिंग के दर्शन अगर आप ने कर लिया तो आपके भाग्य खुल जाएंगे। आपको सभी दुष्कर्मों से मुक्ति मिलेगी और आप सत्कर्म के भागी बनेंगे। इसी कड़ी में हम आपको 11वें ज्योतिर्लिंग रामेश्वरम के बारे में बताएंगे। जैसा कि नाम से ही स्पष्ट है कि इस ज्योतिर्लिंग में राम का नाम जुड़ा है और इसकी स्थापना भगवान राम के हाथों की गई थी। पहली कथा के अनुसार भगवान राम जब माता सीता को छुड़ाने के लिए लंका पर चढ़ाई करने जा रहे थे, तब उन्होंने बालू से शिवलिंग की स्थापना की और विजय की कामना के लिए भगवान शिव की आराधना की। तब भगवान शिव प्रकट हुए थे और श्री राम को विजयी होने का आशीर्वाद दिया। भगवान राम ने तब भगवान शिव से प्रार्थना की थी कि वे वहीं स्थापित हो जाएं और अपने भक्तों को अपना दर्शन देते रहें। भगवान शंकर, श्रीराम जी की बात को टाल ना सके और रामेश्वरम ज्योतिर्लिंग में हमेशा के लिए स्थापित हो गए। वहीं दूसरी कथा के अनुसार कहा जाता है कि जब भगवान राम लंका विजय कर वापस लौट रहे थे, तब उन्होंने गंधमादन पर्वत पर विश्राम करने का विचार किया। प्रभु राम के गंधमादन पर्वत पर होने की खबर पाकर ही तमाम साधु-संत उनसे मिलने आए और उनके दर्शन की प्रार्थना करने लगे। जब भगवान राम ने उन संतों को बताया कि ब्राम्हण पुलस्त्य के वंशज रावण का वध करने के बाद 'ब्रह्म हत्या' का मैं भागी हो गया हूं और आप आप लोग मुझे इस पाप से मुक्त होने का कोई उपाय बताएं। वहां उपस्थित सभी ऋषि-मुनियों ने प्रभु श्रीराम को सलाह दी कि वे शिवलिंग की स्थापना करें और उनसे प्रार्थना करें कि वह आपको इस ब्रह्म हत्या के पाप से मुक्ति दिलाएं। तब श्रीराम, रामेश्वरम द्वीप पर ब्राह्मण हत्या से मुक्ति के लिए शिवलिंग स्थापना की शुरुआत की और उन्होंने हनुमान जी को शिवलिंग ले आने के लिए कैलाश पर्वत भेजा। कहते हैं कि हनुमान जी कैलाश पर्वत पर बहुत देर तक भगवान शिव के दर्शन नहीं कर पाए और वहीं बैठ कर प्रतीक्षा करने लगे। इधर शुभ मुहूर्त के निकल जाने के भय से माता सीता ने बालू से ही शिवलिंग का निर्माण किया और शुभ मुहूर्त में पूजा अर्चना कर शिवलिंग की स्थापना कर ली।

उधर भगवान शिव के लौटते ही हनुमान कैलाश पर्वत से पत्थर का शिवलिंग को लेकर लौट आए लेकिन तब तक वहां बालू के शिवलिंग की स्थापना हो चुकी थी। हनुमान जी ने प्रभु से प्रार्थना की बड़ी मेहनत से यह पत्थर का शिवलिंग लाया हूं, आप इसे स्थापित करें। तब श्र राम जी ने कहा कि आप खुद ही बालू के शिवलिंग को हटा दीजिए, तब आपके द्वारा लाए हुए पत्थर के शिवलिंग की पूजा करेंगे। कहा जाता है कि हनुमान जी अपने समस्त बल से बालू से निर्मित शिवलिंग को तोड़ने और हटाने का प्रयत्न करने लगे, लेकिन वह टस से मस नहीं हुआ। शिवलिंग हटाने के इस प्रयास में हनुमान जी को काफी चोटें भी आईं और उनके शरीर से रक्त भी बहने लगा। तब श्री राम ने हनुमान जी को समझाया कि वह उनके द्वारा लाए हुए शिवलिंग की भी स्थापना कर देंगे। और इस प्रकार हनुमान जी के द्वारा लाए हुए शिवलिंग की स्थापना कर उसे 'विश्व लिंग' या 'हनुमान लिंग' का नाम दिया गया। इसके बाद सीता माता द्वारा स्थापित 'राम लिंग' की पूजा अर्चना की गई। वहीं श्रीराम ने यह निर्देश दिया कि 'राम शिव लिंग' के दर्शन से पूर्व 'हनुमान शिवलिंग' के दर्शन अनिवार्य है।

04 अगस्त की महत्त्वपूर्ण घटनाएँ

1914	इंग्लैंड द्वारा जर्मनी के विरुद्ध युद्ध की घोषणा।
1997	मो. ख़ातमी द्वारा ईरान के नये राष्ट्रपति के रूप में शपथ ग्रहण।
1999	चीन ने अमेरिकी सेना के विमानों की नियमित उड़ानों को हांगकांग में उतरने की अनुमति देने से इंकार किया।
2001	रूस व उत्तरी कोरिया में सामरिक समझौता।
2004	'नासा' ने एल्टिक्स सुपर कम्प्यूटर केसी को कल्पना चावना नाम दिया।
2007	मंगल ग्रह की खोज के लिए फ़ीनिक्स मार्स लैंडर नामक एक अमेरिकी अंतरिक्ष यान का प्रक्षेपण किया गया।
2008	सरकार ने भारतीय जहाजरानी निगम (एससीआई) को नवरत्न का दर्ज़ा प्रदान किया।

जन्मे व्यक्ति

1961	बराक ओबामा- अमेरिका के प्रथम अश्वेत एवं 44वें राष्ट्रपति रहे हैं।
1931	नरेन तमहाने, भारतीय क्रिकेटर
1929	किशोर कुमार, भारतीय गायक और अभिनेता
1924	इन्दु प्रकाश पाण्डेय, साहित्यकार
1845	फ़िरोजशाह मेहता - भारतीय राजनेता तथा बंबई नगरपालिका के संविधान (चार्टर) के निर्माता।
1730 ई.	सदाशिवराव भाऊ, भारतीय इतिहास में प्रसिद्ध एक मराठा वीर थे।
1522 ई.	राणा उदयसिंह, मेवाड़ के शासक और महाराणा प्रताप के पिता।

चीन तालिबानी गठबंधन, वैश्विक अशांति का बीजारोपण

विचार बिन्दु

संजीव ठाकुर

चीन तथा ईरान और अरब के देशो के कर्जे पर उसका पूरा देश संचालित हो रहा है, ऐसे में पाकिस्तान को इनकी हर बात मानने की मजबूरी होगी।

यदि चीन और तालिबान का गठबंधन अफगानिस्तान को कब्जा करने की नियत से होता है तो निसंदेह अमेरिका तथा यूरोपीय देशों को यह गठबंधन फूटी आंख नहीं सुहाएगाद्य विगत दिनों तालिबानी डेलिगेशन मुल्लाह अब्दुल गनी बरादर की अगुवाई में चीन के विदेश मंत्री वांग यी से मुलाकात कर अफगानिस्तान में तालिबान को सहायता करने की अपील की है। चीन मूलतः विस्तार वादी मंसूबे वाला देश है। वैसे भी चीन अफगानिस्तान में अपनी दखल बढ़ाने के इरादों में तो था ही, अब तालिबानी मदद के बहाने वह अफगानिस्तान पर अपना आर्थिक कब्जा चाहेगा। 2013 में जब सी जिनपिंग चीन के राष्ट्रपति बने हैं, तब से चीन लगातार अमेरिका के प्रभाव को दक्षिण एशिया और संपूर्ण एशिया में कम करके अपने नियंत्रण में लेना चाहता है। वैसे भी चीन ने हांगकांग को अपने अधीन कर लिया है। ताइवान में भी उसकी नियंत्रण की प्रक्रिया जारी है। और चीन में प्रशासनिक तौर पर एक ही तंत्र है, और वह तानाशाही का शिकंजा, चीन का शासक अब पूर्णता डिक्टेटर बन गया है। वहां पर केवल शी जिनपिंग के आदेशों का पालन हीं किया जाता है। और विदेश नीति के मामले में चीन केवल बाहुबली बनने के मूड में आ चुका है। और वैश्विक दादागिरी की भूमिका निभाना चाहता है,और इसी के चलते पाकिस्तान, श्रीलंका,बांग्लादेश, भूटान आदि देशों को अपने अर्थ तंत्र में पूरी तरह परोक्ष रूप से गुलाम बना चुका है। चूँकी चीन में उद्योग बहुत ही मजबूत स्थिति में हैं। और सैन्य बल भी उसका बहुत ताकतवर है, ऐसे में चीन अमेरिका को आंखें दिखा कर टक्कर लेना चाहता है। और अफगानिस्तान में तालिबान से हाथ मिलाने में उसको अपने दूरदर्शी फायदे दिखाई दे रहे हैं।अफगानिस्तान में दबे हुए खनिज तत्व लोहा,तांबा,एलुमिनियम एवं अन्य के दोहन के लिए वह अफगानिस्तान देश पर अपना प्रभुत्व बनाना चाहता है। ऐसे में तालिबान की मदद कर,वह उन पर कब्जा जमाने का प्रयास करना चाहेगा। तालिबानियों की यह सोच जरूर उत्साहित कर रही होगी कि चीन के गठबंधन से उनको बहुत फायदे होने वाले हैं,पर लोमड़ी जैसा चालाक चीन केवल अपने फायदे देखता है, वह किसी अंतरराष्ट्रीय कानून को मानने वाला देश भी नहीं है, पाकिस्तान की तरह तालिबान भी आर्थिक गुलामी का अगला शिकार होगा। पाकिस्तान ऊपरी तौर पर स्वतंत्र राष्ट्र है, और अपने परमाणु कानून बम के दम पर दूसरे देशों को धमकी देने की कोशिश करता रहता है। पर अंदरूनी तौर पर आर्थिक रूप से पाकिस्तान एकदम खोखला है। चीन तथा ईरान और अरब के देशो के कर्जे पर उसका पूरा देश संचालित हो रहा है, ऐसे में पाकिस्तान को इनकी हर बात मानने की मजबूरी होगी ,और लगभग तीन दशक से पाकिस्तान तालिबानियों आतंकवादियों की अप्रत्यक्ष रूप से पूरी की पूरी मदद भी कर रहा है । तालिबानी आतंकवादी की तरह चीन भी अपनी विदेश नीति में बहुत आक्रामक हो गया है। उसकी एक महत्वकांक्षी योजना बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव के अंतर्गत वह लगभग 65 देशों और वैश्विक संगठनों में निवेश कर रहा है और यदि चीनी और तालिबानी गठबंधन मजबूत होता है तो अफगानिस्तानी सरकार का गिरना तय है तालिबान महा अपना प्रशासक बिठाकर कठोर मुस्लिम कानून लगाकर बेवजह पैसे की वसूली करके अपना उल्लू सीधा करेगा और चीन तथा पाकिस्तान की सफर वैश्विक आतंकवाद को बढ़ावा देकर वह अमेरिका तथा नाटो देश के साथ अन्य यूरोपीय देशों को भी अपनी आतंकवादी गतिविधियों से परेशान कर सकता है। भारत को चीन तथा तालिबानी मित्रता से भारी परेशानी हो सकती है क्योंकि पाकिस्तान और चीन पहले से ही भारत के दुश्मन बने बैठे हैं उस पर तालिबानी आतंकवादी भी यदि इस गठबंधन में शामिल होता है तो देश में जम्मू कश्मीर में आतंकवादी गतिविधि बढ़ जाएगी इस तरह वैश्विक अशांति होने का एक बड़ा खतरा बन सकता है यह न सिर्फ भारत की चिंता है बल्कि अमेरिका ब्रिटेन फ्रांस कनाडा इजरायल एवं अन्य शांति प्रदेशों के लिए बड़ी चिंता का विषय हो सकता है।

अस्थमा अटैक के पहले के लक्षणों को जानें

गले और ठोढ़ी में खुजली

अस्थमा की समस्या शुरु होने से पहले गले और ठोढ़ी में खुजली की समस्या हो सकती है। यह समस्या क्यों होती है इसके बारे में कोई जानकारी नहीं है। लेकिन ज्यादातर लोग इस लक्षण को नजरअंदाज कर देते हैं जो कि ठीक नहीं है।

मूड में बदलाव

अचानक से रोगी के मूड में बदलाव देखने को मिलता है। बोलते-बोलते चुप हो जाना, तनाव और चिंताग्रस्त हो जाना भी अस्थमा अटैक का संकेत हो सकता है। अगर आपको या आपके आसपास किसी अस्थमा रोगी में यह लक्षण दिखे तो इसे नजरअंदाज ना करें।

कफ

अस्थमा का मुख्य लक्षण है कफ की समस्या। जब यह समस्या पूरी रात आपको सताने लगे तो इसके पीछे कुछ खास वजह हो सकती है। हो सकता है कि यह साइनस या अन्य किसी वजह से हो लेकिन जब किसी अस्थमा रोगी को यह समस्या होती है तो इसे हल्के में ना लें।

सांसों में घरघराहट

अस्थमा रोगी को सांस लेने में समस्या होना सामान्य माना जाता है लेकिन जब सांस लेते वक्त घरघराहट की आवाज आने लगे तो इसे सामान्य ना समझें। यह गंभीर समस्या का संकेत हो सकता है।

सांस लेने में समस्या

अस्थमा अटैक होने से पहले रोगी को सांस लेने में समस्या महसूस होने लगती है क्योंकि सांस लेने वाली जगह के आसपास की मांसपेशियां कठोर हो जाती हैं और एयरवे लाइनिंग में सूजन आ जाती है। अत्यधिक म्यूकस बनने के कारण सांस नली ब्लॉक हो जाती है।

पॉश्चर बदलना

ठीक तरह से सांस लेने के प्रयास में रोगी आगे की तरफ झुकने लगाता है जिससे वो कूबड़नुमा आकार में आ जाता है। लेकिन सांस लेने में कठिनाई होने पर इस स्थिति में आना समस्या को और बढ़ा सकता है।

सीने में जलन

जब अस्थमा की समस्या बढ़ने वाली होती है तो रोगी को सीने में जलन या कुछ अन्य तरह की समस्या भी हो सकती है। अस्थमा ग्रस्त बच्चों में जब यह समस्या होती तो वो समझ नहीं पाते कि उन्हें क्या हो रहा है। ऐसे में उनके माता-पिता को ज्यादा सर्तक रहना चाहिए।

होठों और अंगुलियों में नीलापन

जब शरीर को पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन नहीं मिल पाता है तो होठों और अंगुलियों और होठों पर नीलापन दिखायी देने लगता है। इस स्थिति को केयानोसिस कहते हैं। यह स्थिति इशारा करती है कि रोगी को तुरंत चिकित्सक के पास ले जाया जाए।

अस्थमा अटैक से बचने के लिए जरूरी है कि रोगी को उसके पहले दिखायी और महसूस होने वाले संकेतों के बारे में पता हो? इव संकेतों के बारे में जानकारी आपको अस्थमा अटैक से बचाने में मददगार साबित हो सकती है। आइए जानें अस्थमा अटैक से पहले दिखने वाले लक्षणों के बारे में।

सेहत का सतरंगी खजाना

अपने बोरिंग खाने में जरा रंग भरिए। गहरे रंग के फलों और सब्जियों, जैसे खुबानी, गाजर और लाल व पीली मिर्च और पालक जैसी हरी पत्तेदार सब्जियों, अस्थमा के मरीजों के लिए लाभप्रद बीटा-कैरोटीन नाम का एक खास तत्व पाया जाता है। जिस सब्जी या फल का रंग जितना गहरा होगा उसमें एंटी-ऑक्सीडेंट्स की मात्रा उतनी अधिक होगी।

आपके लिए नहीं है विटामिन-ई

यूं तो विटामिन-ई काफी गुणों से भरपूर होता है, लेकिन अस्थमा मरीजों को इससे जरा दूर ही रहना चाहिए। यह खाना पकाने के लगभग सभी तेलों में मौजूद होता है, लेकिन इसका इस्तेमाल जरा सीमित मात्रा में ही करना चाहिए। सूरजमुखी के बीज, केल (एक प्रकार की गोभी), बादाम और अधिक साबुत अनाजों में विटामिन- ई की मात्रा कम होती है। इन आहारों को अपने भोजन में अवश्य शामिल करें।

घुटने का दर्द धीमी न कर दे चाल

समय रहते दें ध्यान

लेकिन एक माह बाद ही उन्हें सीढ़ियां उतरते हुए सीधे पैर के घुटने में सामने के हिस्से में कुछ परेशानी महसूस होने लगी, पर उन्होंने ज्यादा ध्यान नहीं दिया। करीब एक सप्ताह गुजरने के बाद यह परेशानी हल्के दर्द में बदल गई। धीरे-धीरे सीढ़ियां चढ़ते हुए भी पैरों में दर्द होने लगा। डॉक्टर ने इसे घुटने के सामने वाले हिस्से का दर्द बताया, जिसे चिकित्सकीय भाषा में पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम/ एंटीरियर नी पेन या फिर कॉन्ड्रोमेलेसिया पटेला कहते हैं। डॉक्टर ने उन्हें कुछ दर्द निवारक दवाएं लेने को कहा है। साथ ही सीढ़ियां चढ़ने-उतरने से बचने की सलाह दी है। दर्द दोबारा न हो, इसलिए मांसपेशियों को मजबूत बनाने के लिए फिजियोथेरेपिस्ट के पास जाने की सलाह भी दी है।

दर्द का कारण

जांघ की हड्डी को फीमर, जोड़ की मुख्य बड़ी हड्डी को टिबिया और नी कैप को पटेला कहते हैं। जांघ की हड्डी और नी कैप से मिल कर जो जोड़ बनता है, उसे पेटेलोफीमोरल जॉइंट कहते हैं। लगभग 20 फीसदी मरीज पेटेलोफीमोरल पेन सिंड्रोम (पीएफपीएस) के शिकार होते हैं। पुरुषों की तुलना में महिलाओं में यह समस्या अधिक होती है। यह दर्द नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच अधिक घर्षण होने के कारण होता है। इस वजह से पंजे की एड़ियों का पिछला हिस्सा, टखना, कूल्हे का ऊपरी हिस्सा, पेड़ू और पैरों के मध्य में दर्द बढ़ जाता है। नी कैप के जांघ की हड्डी से टकराने के कई कारण होते हैं। पीएफपीएस के अधिक होने का मुख्य कारण पैर की मांसपेशियों का प्रभावित होना है। ये मांसपेशियां एक तरह से हमारे शरीर का इंजन रूम होती हैं, जिनकी सक्रियता के कारण ही हमारी सक्रियता बनी रहती है। चलने से लेकर दौड़ने जैसी हर गतिविधि इन्हीं मांसपेशियों के कारण होती है। जब ये मांसपेशियां ढंग से काम नहीं करतीं तो घुटनों पर दबाव पड़ने लगता है। जांघ के बाहरी और सामने वाले हिस्से की मांसपेशियों पर काफी वजन पड़ता है, जिससे कई बार ये मांसपेशियां चोटिल हो जाती हैं व उनमें खिंचाव आ जाता है। उनका लचीलापन भी कम होने लगता है। मांसपेशियों में अकड़न बढ़ने से दर्द बढ़ने लगता है और मांसपेशियों की कार्यकुशलता कम होने लगती है। घुटने के जोड़ में दर्द भी होता है। आमतौर पर जांघ के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों की तुलना में बाहरी मांसपेशियां अधिक कड़ी हो जाती हैं। इस असंतुलन के कारण नी कैप बाहर की ओर उठने लगती है और चलते समय जांघ वाली हड्डी से टकराती है। इसी वजह से नी कैप और जांघ की हड्डी के बीच सूजन और दर्द बढ़ जाता है।

उपचार का तरीका

फिजियोथेरेपिस्ट दर्द में आराम देने के लिए एक्यूप्रेशर या क्रॉस फ्रिक्शन मसाज तकनीक का इस्तेमाल करते हैं, जिसमें दर्द वाले हिस्से पर थोड़ा जोर देकर प्रेशर दिया जाता है। इसके अलावा मालिश से भी काफी आराम मिलता है। नियमित मालिश से मांसपेशियों की अकड़न वाले हिस्से में लचीलापन आ जाता है। कुछ आराम आने पर मांसपेशियों में मजबूती लाने के लिए स्ट्रेचिंग कराई जाती है। अपने डॉक्टर और फिजियोथेरेपिस्ट से आप घर में किए जाने वाले व्यायाम से राहत पा सकते हैं। आमतौर पर आराम आने में 12 से 16 सप्ताह का समय लग जाता है। घर में व्यायाम, डॉक्टर द्वारा की गयी सही जांच और फिजियोथेरेपिस्ट द्वारा अपनाई गयी विभिन्न तकनीक और मसाज कूल्हे और टखने के लचीलेपन को बढ़ा देते हैं। स्थायी निजात पाने के लिए नियमित व्यायाम करना ही सबसे बेहतर उपाय है। ऐसा करने पर घुटने के आसपास की सभी मांसपेशियां मजबूत हो जाती हैं।

युवाओं में घुटनों के दर्द के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। सही जांच व उपचार में देरी का नतीजा होता है कि हल्का मांसपेशीय दर्द बढ़ कर घुटने, जांघ व कूल्हे की मूवमेंट पर असर डालने लगता है। तीस की उम्र के करीब की एक स्कूल टीचर हैं। घर और काम के बीच संतुलन बनाने की कोशिश करती हुई वह बेहद व्यस्त रहती हैं। वह जानती हैं कि सेहतमंद और फिट रहना उनके लिए कितना जरूरी है, बावजूद इसके व्यायाम के लिए समय निकालना उनके लिए मुश्किल होता है। व्यायाम की भरपाई के तौर पर उन्होंने कुछ समय पहले खुद को अधिक सक्रिय बनाए रखने का फैसला किया, जिसके चलते वह लिफ्ट की जगह सीढ़ियों का इस्तेमाल करने लगीं और रिक्शा की जगह पैदल घर व बाजार जाने लगीं। वह तीसरी मंजिल पर रहती हैं। शुरुआत में सीढ़ियां चढ़ने में थकान होती थी, पर आदत हो जाने के बाद अब समस्या नहीं होती।

ये व्यायाम देंगे मांसपेशियों के दर्द से आराम

इलियोटिबियल बैंड को कूल्हे, जांघ और घुटने के भीतरी हिस्से की मांसपेशियों का समूह समझा जा सकता है। इस हिस्से में होने वाले दर्द में राहत पाने के लिए फोम रोलिंग एक प्रभावी तरीका है। इसके लिए आपको एक ट्यूब की जरूरत होगी, जिसे फोम रोलर कहते हैं। यह आसानी से आपको किसी आसपास के स्पोर्ट्स स्टोर से मिल जाएगा। फोम रोलर पर इस तरह लेटें, जिससे आपके शरीर का पूरा वजन जांघ के बाहरी हिस्से पर रहे। जांघ के निचले हिस्से से शुरू कर रोलर को मूव करते हुए धीरे-धीरे ऊपरी हिस्से तक जाएं। हर पैर से ऐसा पांच मिनट तक करें। लगातार दर्द वाली जगह पर इस तरह रोल करना मांसपेशियों को आराम पहुंचाएगा।

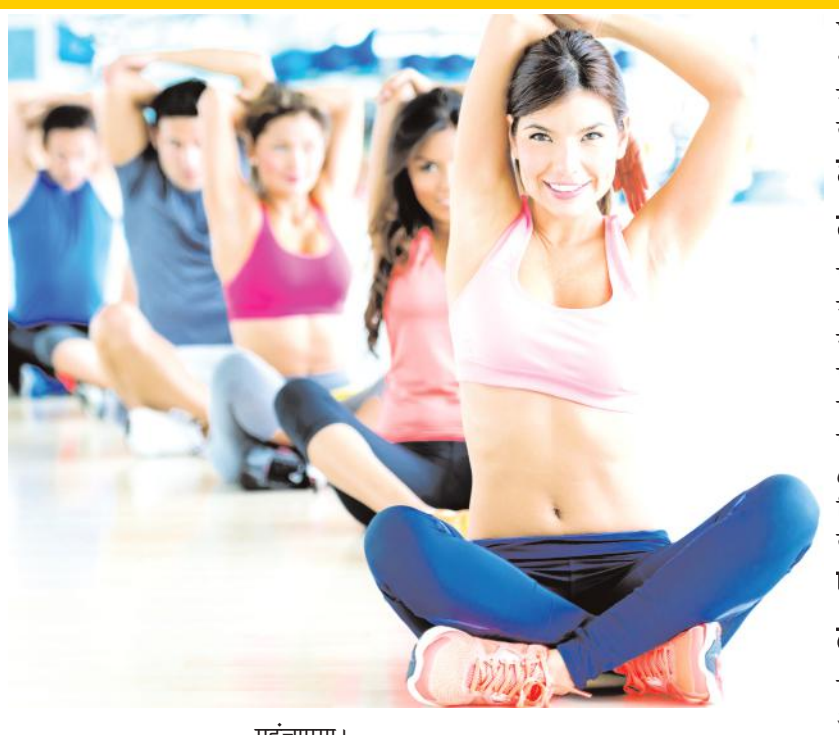

जांघ की सामने वाली मांसपेशियां

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि रोलर आपके दोनों घुटनों यानी नी कैप से थोड़ा ऊपर रहे। धीरे-धीरे ऊपर से नीचे और नीचे से ऊपर तक लाएं। ऐसा 5 से 10 मिनट तक करें।

घुटने का लचीलापन बढ़ाएं

पेट के बल लेटें। पेट की मांसपेशियों को भीतर की ओर खींचें। एक घुटने को मोड़ते हुए पीछे की ओर ले जाएं और पैर से पंजे को पकड़ते हुए एड़ी को कूल्हे पर टिकाने का प्रयास करें। 30 से 60 सेकंड तक इस मुद्रा में रहें। फिर इसे दूसरे पैर से दोहराएं। ऐसा तीन बार करें।

फोम रोलिंग, बाहरी कूल्हे के लिए

फोम रोलर पर इस तरह लेटें कि ये आपकी कूल्हे की हड्डी के पास हो। थोड़ा आगे और पीछे धीरे-धीरे मूव करें। हर तरफ से पांच मिनट ऐसा करें। इससे कूल्हे व कमर दोनों की मांसपेशियां मजबूत बनेंगी। दर्द कम होगा।

विटामिन बी,बना है आपके लिए

ऐसा भोजन जिसमें विटामिन-बी मौजूद हो, अस्थमा के मरीजों के भोजन का अहम हिस्सा होना चाहिए। हरी पत्तेदार सब्जियां और दालें, अस्थमा मरीजों को तनाव के जरिए होने वाले अटैक से बचाने में सहायक होती हैं। इस बात के भी साक्ष्य मिले हैं कि विटामिन बी6 और नियासिन (विटामिन बी3, निकोटिन और विटामिन पीपी) की कमी से भी अस्थमा का खतरा बढ़ जाता है।

प्याज- खांसी पर वार,गले से प्यार

प्याज चाहे लाल हो या हरा, यह अस्थमा मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं। प्याज में मौजूद सल्फर तत्व अस्थमा के मरीजों को जलन से राहत दिलाते हैं। यह बात साबित हो चुकी है कि प्याज का सेवन सांस संबंधी तकलीफों से भी राहत दिलाने वाला होता है।

ओमेगा-3 फैटी एसिड- अस्थमा में दिलाए राहत

ओमेगा-3 फैटी एसिड फेफड़ों में होने वाली जलन और उत्तकों को होने वाले नुकसान से बचाने में मदद करता है। यह जानना बहुत जरूरी है लगातार जलन और खांसी से उत्तकों को काफी नुकसान पहुंचता है, जिसके चलते नियमित अस्थमा अटैक आते रहते हैं। यह मुख्य रूप से सलमन, मैक्रेल और ऐसी मछलियों में पाया जाता है जिनमें ऑयल की मात्रा अधिक होती है।

मसालों को ना, सेहत को हां

मसाले गर्म होते हैं और अस्थमा मरीजों को इनसे दूर ही रहना चाहिए। मसाले खाने से, मुंह, गले और फेफड़ों की कोशिकाएं उतेजित हो जाती हैं, परिणामस्वरूप उनमें से साल्विया निकलने लगता है। साल्विया से बलगम पतला हो जाता है। तो, मसालेदार भोजन से दूर ही रहना चाहिए।

दुग्ध उत्पाद, सेहत के साथ स्वाद

वसायुक्त दूध, मक्खन और अन्य दुग्ध उत्पाद अस्थमा होने से रोकते हैं। वे बच्चे जो वसायुक्त दुग्ध उत्पादों का सेवन करते हैं उन्हें सांस में घरघराहट संबंधी तकलीफें भी होने की आशंका कम होती है।

कॉफी- मदद करती है काफी

अस्थमा अटैक होने पर कॉफी का सेवन बहुत मदद करता है। यह श्वसन प्रक्रिया को मदद पहुंचाता है। हालांकि कई डॉक्टर यह भी कहते हैं कि अगर आपके अटैक तनाव के कारण हो रहे हैं तो आपको कैफीन की अधिक मात्रा का सेवन नहीं करना चाहिए।

कैसा हो अस्थमा के मरीजों का आहार

अस्थमा को नियंत्रिण में रखने में भोजन की महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। अपने आहार में समुचित बदलाव कर इस बीमारी के असर को कम किया जा सकता है। ऐसे खाद्य पदार्थों की लिस्ट बहुत लंबी है जिनसे अस्थमा के मरीजों को दूर रहने की सलाह दी जाती है। ऐसी कई चीजें हैं जिनसे एलर्जी और अस्थमा अटैक पड़ने का खतरा होता है। तो, आइए जानते हैं कि आपकी रसोई में ऐसे कौन से खाद्य पदार्थ हैं जो आपको अस्थमा से लड़ने में मददगार हो सकते हैं।

तंगलान का नया गाना तंगलान वॉर रिलीज...

नई दिल्ली। तंगलान का मच अवेटेड टाइटल ट्रैक आखिरकार रिलीज हो गया है। चियान विक्रम और मालविका मोहनन स्टारर पा. रंजीत की फ़िल्म के ट्रेलर ने अपनी भव्यता और रहस्य से एक मजबूत प्रभाव सभी पर डाला है। ऐसे में अब, टाइटल ट्रैक 'तंगलान वॉर' की रिलीज के साथ, फैंस इस एपिक यूनिवर्स में और भी गहराई से गोता लगा सकते हैं। गाना अपने नाम की तरह ही जोश से भरा है। साथ ही एक अनोखे म्यूजिकल जर्नी पर ले जाता है। कहना गलत नहीं होगा की फिल्म के लिए इस दमदार गाने ने स्टेज तैयार कर दिया है। तंगलान साउथ की एक और बड़ी फिल्म होगी।

लाइफ Style

सामंथा

यहीं खत्म नहीं होती है कहानी

एजेंसी ▶▶ मुंबई

पिछले दिनों सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया था, जो उनके फैंस को काफी पसंद भी आई थी, उसी के बारे में बताते हुए अभिनेत्री ने कहा, 'मुझे यह साझा करना पड़ा क्योंकि यह बहुत अच्छी सुबह थी और मैंने एक ऐसे व्यक्ति से यह लाइन सुनी थी।'

सामंथा रुथ प्रभु अक्सर अपने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए प्रशंसकों के बीच छाई रहती हैं। वह कभी अपनी फिल्मों और करियर पर लिखती हैं। इन दिनों अभिनेत्री अपनी आने वाली सीरीज 'सिटाडेलः हनी बनी' को लेकर काफी सुर्खियों में चल रही हैं। इसी बीच अब अभिनेत्री ने जीवन में चुनौतियों से निपटने के बारे में बात की और बताया कि कहानी यहीं खत्म नहीं होती है। एक इंटरव्यू सामंथा रूथ प्रभु से पूछा गया कि वह कैसे अपने जीवन के कई उतार-चढ़ावों से उबरकर मजबूती से उभरती हैं और कभी हार नहीं मानती हैं। इस पर अभिनेत्री ने कहा, 'मैं हार मान लेती हूं। मैं आपको यह नहीं बता सकती कि मैं हार नहीं मानती, लेकिन कहानी यहीं खत्म नहीं होती। मैं फिर से ऊपर उठती हूं।' पिछले दिनों सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक वीडियो साझा किया था, जो उनके फैंस को काफी पसंद भी आई थी, उसी के बारे में बताते हुए अभिनेत्री ने कहा, "मुझे यह साझा करना पड़ा क्योंकि यह बहुत अच्छी सुबह थी और मैंने एक ऐसे व्यक्ति से यह लाइन सुनी थी, जिसका मैं सच में सम्मान करती हूं। उन्होंने आगे कहा, 'आप अपनी किस्मत उसी में पाएंगे, जो आपको परेशान करता है।'

हॉलीवुड मसाला

25 साल बाद क्वान से मिले...

लॉस एंजिलिस। ह्यू जैकमैन इन दिनों अपनी फिल्म डेडपूल एंडव वूल्वरिन को लेकर सुर्खियों में हैं। अभिनेता को दुनियाभर में इस फिल्म के लिए प्रशंसा मिल रही है। हाल ही में अभिनेता ने लॉस एंजिल्स में वॉक ऑफ फेम समारोह में शिरकत की। इस दौरान उनकी मुलाकात 25 साल बाद अचानक अभिनेता के ह्युय क्वान से हो गई। ह्यू जैकमैन ने इस मुलाकात की तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की है। फोटो में दोनों सितारे एक साथ पोज देते नजर आ रहे हैं।

वेनिस फिल्म फेस्टिवल में आएंगे ब्रैड और एंजेलिना

लॉस एंजिलिस। ब्रैड पिट और एंजेलिना जोली वेनिस फिल्म फेस्टिवल में अपनी-अपनी फिल्मों का प्रचार करने आएंगे। इस दौरान दोनों एक ही होटल में ठहरेंगे।एंजेलिना जोली और ब्रैड पिट हॉलीवुड की सबसे मशहूर हस्तियों में शामिल हैं। दोनों ने साल 2005 में शादी की थी और 2019 में तलाक ले लिया था। रिश्ता टूटने के बाद से दोनों किसी भी कार्यक्रम में आमने-सामने आने से बचते हैं और कई बार तो एक ही आयोजन में जाने से भी दूरी बनाते हैं। अगले महीने वेनिस फिल्म फेस्टिवल में दोनों का आना होगा, जिससे जुड़ी एक खबर सामने आ रही है। ब्रैड पिट फिल्म 'वुल्फ्स' के सिलसिले में वेनिस आएंगे। यह एक थ्रिलर कॉमेडी फिल्म है, जिसमें जॉर्ज क्लूनी ने भी अभिनय किया है। इसे 27 सितंबर को रिलीज किया जाएगा।

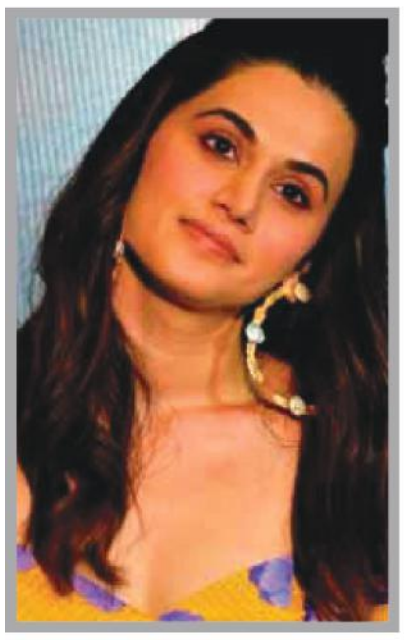

खुद की तरह चाहती हूं जीना...

नई दिल्ली। बॉलीवुड अभिनेत्री तापसी पन्नू इन दिनों अपनी आगामी फिल्म खेल-खेल में और फिर आई हसीन दिलरुबा को लेकर सुर्खियों में बनी हुई हैं। एक महीने में अभिनेत्री की दो फिल्में रिलीज हो रही हैं। तापसी से हाल ही में एक बातचीत में पूछा गया कि क्या उन्हें काम इसलिए नहीं मिला, क्योंकि उन्होंने इंडस्ट्री के हिसाब से ढलने के बजाय अपना रास्ता खुद बनाया। इस पर उन्होंने कहा कि उन्हें ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्री नहीं बनना है। अभी जीवन का अंत नहीं है। तापसी पन्नू ने कहा, 'कोई बात नहीं, यह अभी भी जीवन का अंत नहीं है। मुझे लगता है और मैंने हमेशा कहा है कि जीवन बहुत सीमित है। मैं किसी और की तरह नहीं जीना चाहती। मैं खुद की तरह जीना चाहती हूं। ज्यादा से ज्यादा क्या होगा? मैं सबसे ज्यादा भुगतान पाने वाली अभिनेत्री नहीं बनूंगी।

प्रीति जिंटा से शादी करना चाहते थे

नई दिल्ली। फिल्म 'बीवी हो तो ऐसी से' बड़े पर्दे पर कदम रखने वाले एक्टर सलमान खान को असली पहचान 'मैंने प्यार किया' से मिली थी। इस फिल्म ने लाखों लोगों को सलमान का दीवाना बना दिया था। जिसके बाद से लेकर आज तक दर्शकों के दिलों पर राज कर रहे हैं। लेकिन यहां हम एक्टर की प्रोफेशनल नहीं, पर्सनल लाइफ की बात कर रहे हैं। एक्टर की लाइफ में कई बार प्यार ने दस्तक दी, लेकिन किसी भी हसीना के साथ बात सात फेरे तक नहीं पहुंची। हालांकि एक बार सलमान खान ने खुद ये खुलासा किया था कि वो इंडस्ट्री की किस एक्ट्रेस से शादी करना चाहते हैं। ये कोई और नहीं, बल्कि डिंपल गर्ल प्रीति जिंटा है। जिनके साथ सलमान खान ने कई हिट फिल्में दी हैं और दोनों की जोड़ी फैंस ने खासा पसंद भी की है।

टीवी मसाला

अनुपमा के सामने आएंगी नई मुश्किलें?

नई दिल्ली। टीवी शो 'अनुपमा' में अब तक का सबसे नया ट्विस्ट देखने को मिलने वाला है। क्योंकि, आध्या की मौत पर वनराज को अनुज के लिए बुरा लग रहा है और वह उसे गले लगा लेता है। टीवी एक्ट्रेस रुपाली गांगुली 'अनु' का किरदार निभाकर घर-घर में पॉपुलर हो गई हैं। सीरियल 'अनुपमा' की कहानी में लगातार आ रहे ट्विस्ट फैंस को शो देखने के लिए मजबूर कर देते है।. 'अनुपमा' में फिलहाल अनु आशा भवन नाम का एक वृद्धाश्रम चला रही है।. वह सभी बुजुर्गों का ख्याल रख रही है और जिंदगी को शांत होकर जीने की कोशिश कर रही है। हालांकि अनु का अतीत हमेशा उसे सताता रहता है। वनराज शाह और परिवार आशा भवन के बगल वाले बंगले में चले अनुज कपाड़िया भी वहीं के आसपास वाले मंदिर में अपने दिन काट रहे हैं। क्योंकि, उनका मानना है कि आध्या का अब इस दुनिया में नहीं रही है। 'अनुपमा' के आने वाले एपिसोड में हम देखेंगे कि वनराज अनुज कपाड़िया के लिए बुरा महसूस कर रहा है। शो के नए प्रोमो में हम देखते हैं कि अनुज कपाड़िया एक बेंच पर लेटे हुए हैं और रो रहे हैं। तभी वहां वनराज और परिवार दिखाई देते हैं। इसके बाद वनराज अनुज को उठाता है और उसे गले लगाता है।

नैजी ने अपने जीवन पर बनी 'गली बॉय' को कहा काल्पनिक

नई दिल्ली। बिग बॉस ओटीटी 3 शुक्रवार शाम को खत्म हुआ। इस शो में अभिनेत्री सना मकबूल ने रैपर नैजी को हराकर ट्रॉफी अपने नाम की।

उन्होंने यह भी बताया कि कैसे जोया अख्तर की 'गली बॉय', जो उनके जीवन पर आधारित थी, उनके निजी जीवन के लिए एक परेशानी बन गई। शुरू में मुझे बुरा नहीं लगा, लेकिन धीरे-धीरे, जब लोगों ने प्रतिक्रिया देना शुरू किया और मेरी जीवन कहानी के बारे में गलतफहमियां पैदा हुईं तो यह मुझे परेशान करने लगा। उन्हें सच्चाई दिखानी चाहिए थी और इसे काल्पनिक नहीं बनाना चाहिए था, या फिर उन्हें मेरा नाम नहीं लेना चाहिए था। निर्देशक को लगा कि वह फिल्म को काल्पनिक बना सकती है, दर्शकों को लगा कि यह मेरी सच्ची कहानी है, इस सारे भ्रम में मैं बलि का बकरा बन गया।

भारत में ही नहीं, दुनिया में भी बनाई पहचान...

नई दिल्ली। प्रियंका चोपड़ा ने बतौर एक्ट्रेस अपने करियर के 21 साल पूरे कर लिए हैं, जिस पर उन्होंने लिखा, 'उन सभी को धन्यवाद जिन्होंने अनजाने में मेरे सफर में इतने बड़े पैमाने पर योगदान दिया। यह एक लड़की का थ्रोबैक है, जो अपनी ट्वेंटीज में थी, जिसने आज जो मैं हूं उसे स्वरूप दिया। मुझे उस पर गर्व है। आप आज जो है, वह अपने बीते हुए कल की दृढ़ता की वजह से हैं।' इस वीडियो पर निक जोनस ने कमेंट करते हुए लिखा, 'बेबी.. मैं हमेशा से तुम्हारा सबसे बड़ा फैन रहा हूं।' वहीं, फैंस कमेंट देखते ही हार्ट इमोजी शेयर करते हुए नजर आ रहे हैं। प्रियंका चोपड़ा जोनस उन एक्टर्स में से एक हैं, जिन्होंने अपने दम पर पहचान केवल भारत में ही नहीं, बल्कि दुनिया में भी बनाई है। बॉलीवुड में धमाल मचाने के बाद उन्होंने साल 2017 में हॉलीवुड की ओर रुख किया और 'बेवॉच' से डेब्यू किया। लेकिन यह राह उनके लिए आसान नहीं थी, जिसके लिए उन्हें काफी स्ट्रगल करना पड़ा। इस दौरान उनकी हिम्मत बनकर उनके साथ खड़े रहे उनके पति निक जोनस।

15 अगस्त को बॉक्स ऑफिस पर इन फिल्मों में होगी टक्कर...

नई दिल्ली। 15 अगस्त यानी गुरुवार का दिन काफी खास होने जा रहा है। बॉक्स ऑफिस के लिए लिहाज से ये दिन साल का सबसे बड़ा दिन होने वाला था। लेकिन एक-एक करके कई बड़ी फिल्मों ने अपनी रिलीज डेट को खिसका लिया। पहले इस दिन सिंघम अगेन और पुष्पा 2 में टक्कर होने जा रही थी। लेकिन दोनों ने ही फिल्मों की रिलीज डेट का टाल दिया। इसके बाद एक बार फिर इस तारीख पर कब्जे की होड़ मची। ये होड़ साउथ और बॉलीवुड के बीच थी। बॉलीवुड ने इस दिन श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव की हॉरर-कॉमेडी स्त्री 2 को रिलीज करने का ऐलान किया। जॉन अब्राहम की एक्शन फिल्म वेदा को भी 15 अगस्त के लिए लॉक किया गया। अक्षय कुमार ने भी पुष्पा 2 के सरकते ही इस तारीख को खुद के लिए माकूल माना और खेल खेल में की रिलीज के लिए इस तारीख को चुन लिया। जबकि कोलार गोल्ड फील्ड्स को लेकर बनी तमिल फिल्म तंगलान को 15 अगस्त को रिलीज करने का ऐलान किया गया। वहीं, राम पोथिनेनी की एक्शन फिल्म डबल इस्मार्ट को भी इसी दिन रिलीज किया जा रहा है।

किशोर दा ने कुछ बेहतरीन फिल्में भी कीं, जिनके आज भी हैं चर्चे

सिंगिंग के बेताज बादशाह किशोर कुमार एक्टिंग में भी थे उस्ताद

नई दिल्ली। 4 अगस्त 1929 को मध्य प्रदेश के खंडवा में किशोर कुमार का जन्म एक बंगाली परिवार में हुआ था। उनके बड़े भाई अशोक कुमार भारतीय सिनेमा के पहले स्टार माने जाते हैं, वहीं उनके छोटे भाई अनूप कुमार भी एक्टर थे। किशोर कुमार जैसी लोकप्रियता हर सिंगर को नहीं मिलती है, लेकिन महज 58 साल की उम्र में किशोर कुमार का निधन 13 अक्टूबर 1987 को हो गया था। उन्होंने गानों के अलावा कई फिल्में भी कीं जिनमें 6 की लिस्ट आपके लिए लाए हैं।

एच एस रावैल के निर्देशन में बनी फिल्म शरारत में किशोर कुमार, मीना कुमारी और राज कुमार जैसे कलाकार नजर आए थे। ये फिल्म आप यूट्यूब पर देखें, मजा आ जाएगा। शांतिलाल सोनी के निर्देशन में बनी फिल्म मिस्टर एक्स बॉम्बे हिट थी। इस फिल्म को यूट्यूब पर देखा जा सकता है। इस फिल्म के लगभग सभी गाने हिट थे लेकिन 'मेरे महबूब कयामत होगी' ने धूम मचा दी थी और आज भी दिल से हारे यूथ इसे खूब सुनते हैं।

दिग्गज गायक किशोर कुमार एक्टिंग में भी माहिर थे। उनका स्वभाव काफी मस्तमौला था लेकिन गाने वो हर स्थिति के हिसाब से गा लेते थे। किशोर कुमार ने कई सुपरहिट फिल्में भी कीं हैं। किशोर कुमार ने अपने करियर में लगभग 2700 गाने गाए थे, जिनके संगीतकार वो खुद थे। वहीं, आर.डी.बर्मन के म्यूजिक डायरेक्शन में 563 गाने गाए। लेकिन, उन्होंने कुछ बेहतरीन फिल्में भी कीं जिनके चर्चे आज भी हैं।

एमवी रमन के निर्देशन में बनी फिल्म पायल की झंकार में किशोर कुमार और सुलोचना चटर्जी जैसे कलाकार नजर आए थे। इस फिल्म को भी यूट्यूब पर फ्री में देखा जा सकता है। सत्येन बोस के निर्देशन में बनी फिल्म चलती का नाम गाड़ी 1958 में रिलीज हुई थी। इस फिल्म में किशोर कुमार, अशोक कुमार, अनूप कुमार तीनों भाई नजर आए थे। वहीं, फिल्म में मधुबाला लीड एक्ट्रेस थीं। इस फिल्म को प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। इस फिल्म में 'बाबू समझो इशारे', 'एक लड़की भीगी भागी सी' जैसे गाने सुपरहिट रहे।

ज्योति स्वरूप के निर्देशन में बनी फिल्म पड़ोसन एक रोमांटिक-कॉमेडी फिल्म है जो 1968 में आई थी। इस फिल्म में सुनील दत्त और सायरा बानो लीड रोल में थे, लेकिन किशोर कुमार और महमूद जैसे कैरेक्टर्स ने फिल्म में जान डाल दी थी। फिल्म में 'एक चतुर नार', 'मेरे सामने वाली खिड़की में', 'मैं चली मैं चली देखो', 'मेरे भोले बालम' जैसे गाने सुपरहिट रहे। साल 1962 में रिलीज हुई फिल्म हाफ टिकट किशोर कुमार और मधुबाला की सुपरहिट फिल्म थी। इस फिल्म को यूट्यूब पर फ्री में देख सकते हैं। फिल्म में 'चील चील चिल्ला के' जैसा गाना हिट रहा।

दस साल में सब पर भारी पड़े ये पांच म्यूचुअल फंड

मयूचुअल फंड में कई स्कीमों ने 10 साल में 24 से 29% रिटर्न दिया

● सभी ने 20,000 रुपये की एसआईपी को 10 साल में बनाया 1 करोड़ ● म्यूचुअल फंड मार्केट में निवेशकों की लगातार बढ़ रही भागीदारी ● मिल रहा बढ़िया रिटर्न, एसआईपी सबसे ज्यादा पॉपुलर

अलर्ट
बिजनेस डेस्क

अमीर बनना हर किसी का सपना है। हर कोई चाहता है कि वह कम से कम करोड़पति जरूर हो। इसके लिए हर आदमी तरह तरह के जतन कर रहा है। कोई बिजनेस तो कोई निवेश। हाल के वर्षों में देखने में आ रहा है कि म्यूचुअल फंड मार्केट में निवेशकों की भागीदारी लगातार बढ़ती जा रही है। इसकी सबसे बड़ी वजह हैं यहां मिलने वाला हाई रिटर्न है। म्यूचुअल फंड में भी सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट (एसआईपी) प्लान ज्यादा पॉपुलर हो रहा है, जहां निवेशक एक साथ रकम लगाने की बजाए मंथली बेसिस पर अलग-अलग इंस्टालमेंट में निवेश कर सकते हैं। मयूचुअल फंड मार्केट में ऐसी कई स्कीम हैं, जिन्होंने बीते 10 साल में 24 फीसदी से 29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। इसका मतलब यह हुआ कि इन योजनाओं में 20 हजार मंथली एसआईपी करने वाला हा व्यक्ति करोड़पति बन गया है। जबकि उनका कुल निवेश 25 लाख रुपये ही हुआ। हमने यहां ऐसी ही 5 इक्विटी स्कीम की जानकारी दी है। जिन्होंने लोगों को दस साल में करोड़पित बनाने का काम किया है। यानी इन स्कीमों ने सबसे ज्यादा रिटर्न दिया है।

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड

मोतीलाल ओसवाल मिडकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 94 लाख रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी की वैल्यू : 94,04,779 रुपये (करीब 94 लाख रुपये)
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 500 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 12,628 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.69% (30 जून, 2024)

क्या है एसआईपी

सिस्टेमेटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एक ऐसा निवेश का जरिया है, जिसके माध्यम से एक व्यक्ति एक निर्धारित रकम, नियमित अंतराल में म्यूच्यूअल फंड्स के किसी स्कीम में जैसे मासिक या त्रैमासिक, बजाय एक मुश्त रकम की अदायगी के, निवेश कर सकता है। यह किश्त 500 रुपये प्रति माह की मामूली रकम भी हो सकती है जो बहुत कुछ रेकरिंग डिपाजिट (आवर्ती जमा) से मिलती-जुलती है। ये इसलिए भी आसान है क्योंकि आप अपने बैंक को ये स्थाई अनुदेश दे सकते हैं कि आपके खाते से ये रकम हर माह डेबिट (निकासी) होता रहे। एसआईपी भारतीय म्यूच्यूअल फंड्स निवेशकों के बीच काफी लोकप्रिय हो चला है, इसलिए कि ये निवेशक को बाजारों के उथल-पुथल और समय गणना की चिंता से अलग रख एक अनुशाशित तरीके से निवेश में सहायता करता है। लम्बी अवधि के निवेश के लिए म्यूच्यूअल फंड्स द्वारा प्रस्तावित एसआईपी निवेश की दुनिया में कदम रखने का यकीनन सबसे बढ़िया रास्ता हैं। निवेश से सर्वाधिक और श्रेष्ठ प्राप्ति के लिए, बेहद जरूरी है लम्बी अवधि के लिए निवेश हो, जिसका सीधा अर्थ यह कि आप जल्द से जल्द निवेश आरम्भ करें ताकि आपके लक्ष्य लाभ अधिकतम हों।

इन योजनाओं ने दिया बेहतर रिटर्न

क्वांट स्मॉल कैप फंड

क्वांट स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 29 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। यानी 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.25 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 29.06%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 1,25,08,301
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम उसआईपी : 1000 रुपये
- कुल एसेट्स : 22,967 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (30 जून, 2024)

निप्पोन इंडिया स्मॉल कैप फंड

निप्पॉन इंडिया स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 28.4 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद 1.20 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 28.4%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 1,20,57,370
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 100 रुपये
- कुल एसेट्स : 56,469 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.64% (30 जून, 2024)

एचएसबीसी स्मॉल कैप फंड

एचएसबीसी स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24.30 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20,000 रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 1 करोड़ रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24.40%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 95,56,573
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 16,397 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 0.65% (30 जून, 2024)

एसबीआई स्मॉल कैप फंड

एसबीआई स्मॉलकैप फंड ने बीते 10 साल में एसआईपी करने वालों को 24 फीसदी एनुअलाइज्ड रिटर्न दिया है। 20 हजार रुपये की मंथली एसआईपी करने वालों को 10 साल बाद करीब 94 लाख रुपये मिल गए, जबकि कुल निवेश 25 लाख रुपये हुआ।

- मंथली एसआईपी : 20,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- एनुअलाइज्ड रिटर्न : 24%
- 10 साल में कुल निवेश : 25 लाख रुपये
- 10 वर्ष बाद एसआईपी की वैल्यू : 93,97,430
- कम से कम एकमुश्त निवेश : 5000 रुपये
- कम से कम एसआईपी : 500 रुपये
- कुल एसेट्स : 30,836 करोड़ रुपये (30 जून, 2024)
- एक्सपेंस रेश्यो : 1.59% (30 जून, 2024)

इंक्रीमेंट के पैसे एसआईपी में करते जाएं टॉप अप

अगर हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है तो आप उन पैसों को रोजमर्रा के खर्च में लगाने की बजाए निवेश करें। इसके बाद 10,15 और 20 साल में आप देखेंगे की यह अमाउंट आपको मालामाल की देगा। हमेशा अपने पैसे का इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करें। इससे आपका भविष्य सुरक्षित होगा।

निवेश मंत्रा
बिजनेस डेस्क

अगर आप भी निवेश कर मालामाल होना चाहते हैं तो टॉप अप एसआईपी आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकती है। इसमें धीरे-धीरे निवेश करना शुरू करें और हर साल इसे बढ़ाते जाएं। आप देखेंगे कि कुछ ही समय में यह आपको मालामाल कर देगी। क्या हाल फिलहाल में आपकी सैलरी में भी एनुअल इंक्रीमेंट हुआ है। यह सालाना इंक्रीमेंट आमतौर पर सैलरी का 5 से 10 फीसदी या और अधिक भी हो सकता है। इसका मतलब है कि इंक्रीमेंट पाने वालों की सैलरी अब बढ़कर आ रही होगी या आएगी। आप इस इंक्रीमेंट के पैसों को किस तरह से देखते हैं। क्या इसे आप अपनी रोज की जरूरतों पर ही खर्च करना चाहते हैं, या इसका इस्तेमाल आप अपने लिए फाइनेंशियल प्लानिंग में करना चाहेंगे। अगर आप इन अतिरिक्त पैसों का सही इस्तेमाल करें तो लंबी अवधि में इसी 5 से 10 फीसदी इंक्रीमेंट से बड़ा कॉर्पस बना सकते हैं। इसके लिए म्यूचुअल फंड एसआईपी और हर साल उसमें टॉप अप बेहतर विकल्प है।

क्या है टॉप-अप एसआईपी

सिस्टमैटिक इन्वेस्टमेंट प्लान (एसआईपी) म्यूचुअल फंड में निवेश की ऐसी व्यवस्था है, जहां आप किसी स्कीम में अपना पैसा एक साथ लगाने की बजाए, मंथली बेसिस पर लगाते हैं। मंथली निवेश के लिए उस स्कीम के तहत मिनिमम या कितना भी अमाउंट फिक्स किया जा सकता है. वहीं हर साल बाद इस अमाउंट में इसके एक तय फीसदी रकम के साथ बढ़ोतरी करना टॉप-अप एसआईपी होता है।

एसआईपी टॉप अप क्यों करें

आमतौर पर समय के साथ साथ इनकम भी बढ़ती जाती है। अगर आप बढ़ी इनकम का एक छोटा हिस्सा निवेश के लिए निकालते रहें तो एक उम्र के बाद आप अपने कई फाइनेंशियल टारगेट पूरे कर सकते हैं। टॉप अप एसआईपी उनके लिए बेहतर विकल्प है जो धीरे धीरे निवेश करना शुरू करते हैं और आमदनी बढ़ाने के साथ ही निवेश में भी इजाफा करना चाहते हैं। पहली बार के और अनुभवी निवेशक दोनों ही स्टेप-अप एसआईपी का विकल्प चुन सकते हैं।

इसे ऐसे समझें

उदाहरण के लिए अगर आपने 5,000 रुपये मंथली एसआईपी से निवेश शुरू किया और 1 साल तक हर महीने 5,000 रुपये स्कीम में जमा होता रहा। वहीं, 13वें महीने इस पूरे साल के लिए (13 से 24 महीने के लिए) आपने इस अमाउंट में 10 फीसदी बढ़ोतरी का विकल्प चुन लिया। ऐसे में 13वें महीने से 5,000 रुपये की जगह 5,500 रुपये मंथली जमा होगा। फिर 25वें महीने यानी 2 साल पूरे होने पर आपने 5,500 रुपये का 10 फीसदी फिर निवेश के लिए बढ़ा दिया। टॉप अप एसआईपी में ऐसी बढ़ोतरी हर साल बाद की जाती है।

केस-1 : 10 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप

- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- इयूरेशन : 10 साल
- अनुमानित रिटर्न : 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 10 साल में कुल निवेश : 9,56,245 रुपये
- 10 साल बाद एसआईपी वैल्यू: 16,87,163 (करीब 17 लाख रुपये)
- कुल फायदा: 7,30,918 रुपये (7.30 लाख रुपये)

केस-2 : 15 साल के लिए एसआईपी टॉप-अप

- शुरुआती मंथली एसआईपी : 5,000 रुपये
- इयूरेशन : 15 साल
- अनुमानित रिटर्न: 12 फीसदी
- हर 1 साल पर 10% टॉप अप
- 15 साल में कुल निवेश: 19,06,349 रुपये
- 15 साल बाद एसआईपी वैल्यू: 43,41,925 (करीब 43.50 लाख रुपये)
- कुल फायदा: 24,35,576 रुपये (24.35 लाख रुपये)

कई सपने पूरे कर सकती है एसआई

एसआईपी को आमतौर पर मार्गदर्शक सितारे की तरह माना जाता है, जो कुछ निवेशकों को घर के मालिक होने के सपने को पूरा करने में मदद करता है, जबकि अन्य इसे शादी, बच्चों की शिक्षा या सेवानिवृत्ति जैसे मील के पत्थर हासिल करने में मदद करने के लिए एक साधन के रूप में उपयोग करते हैं। एसआईपी की खूबसूरती यह है कि यह आपके निवेश की यात्रा में संरचना और अनुशासन लाने की उनकी क्षमता के साथ-साथ कुछ अन्य लाभ भी प्रदान करता है।

बजट से म्यूचुअल फंड के टैक्सेशन पर कैसा असर

आम बजट में फाइनेंशल असेट्स में कैपिटल गेन पर टैक्स में बदलाव

जानकारी
प्रतीक ओसवाल

म्यूचुअल फंड्स में निवेश करने वालों के लिए बदलेंगे कुछ नियम

●

बजट में लोगों को कई सौगातें मिली, कुछ के लिए परेशानी भी

आयकर नियमों के अनुसार, इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड स्कीम्स में यूनिट्स की बिक्री से होने वाले लाभ पर अगर फंड का कम से कम 65% घरेलू शेयरों में निवेश करते हैं, तो डोमेस्टिक स्टॉक्स में खरीद के एक साल के भीतर सेल करने पर शॉर्ट टर्म कैपिटल गेन (एसटीसीजी) के रूप में और खरीद के एक साल के बाद बेचे जाने पर लॉन्ग टर्म कैपिटल गेन (एलटीसीजी) के रूप में टैक्स लगाया जाएगा।

अगर आप भी म्यूचुअल फंड में निवेश करते हैं या करने जा रहे हैं तो यह खबर आपके लिए काफी जानकारी परक हो सकती है। दरअसल, हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आम बजट पेश किया है। इस बजट में लोगों को जहां कई सौगातें दी गई हैं, वहीं कुछ लोगों को इससे परेशानी भी हो सकती है। 60 लाख करोड़ रुपये से अधिक की असेट अंडर मैनेजमेंट के साथ रिटेल इंवेस्टर्स के लिए कैपिटल मार्केट में हिस्सा लेने के लिए म्यूचुअल फंड एक लोकप्रिय तरीका बन रहा है। नए बजट में फाइनेंशल असेट्स में कैपिटल गेंस पर लगने वाले टैक्सेस में बदलाव किया गया है। इससे म्यूचुअल फंड निवेशकों पर कुछ असर पड़ने वाला है। इस रिपोर्ट में हम कुछ ऐसी बातों की चर्चा करेंगे कि आम बजट का म्यूचुअल फंड निवेशकों पर क्या असर पड़ेगा। निवेश में क्या बदलाव आ सकता है।

डेट स्कीम के लिए क्या बदलाव

बजट में डेट ओरिएंटेड स्कीम के लिए कोई बदलाव प्रस्तावित नहीं है। निवेशकों को होल्डिंग अवधि के बावजूद इन स्कीम पर अपने इनकम स्लैब के अनुसार कैपिटल गेन टैक्स का भुगतान करना होगा। क्या किसी भी स्कीम के लिए इंडेक्सेशन सुविधा उपलब्ध है? बजट प्रस्तावों के अनुसार किसी भी म्यूचुअल फंड स्कीम के लिए इंडेक्सेशन सुविधा उपलब्ध नहीं होगी। इससे पहले मल्टी-असेट और हाइब्रिड जैसी कैटिगरी में 35-65% इक्विटी रखने वाली कुछ स्कीम को इंडेक्सेशन का लाभ मिल सकता था। जो निवेशक इन स्कीम को कम से कम 24 महीने तक होल्ड करते हैं, उन्हें 12.5% की दर से एलटीसीजी टैक्स देना होगा। अगर वे 2 साल से पहले बेचते हैं, तो उन्हें अपने स्लैब रेट्स के अनुसार एसटीसीजी टैक्स देना होगा।

गोल्ड स्कीम के बारे में क्या

फंड ऑफ फंड्स (एमएफ जो अन्य फंड्स में निवेश करते हैं), इंटरनेशनल फंड्स (विदेशी इक्विटी में 35% से अधिक एक्सपोजर) और गोल्ड/सिल्वर फंड को डेट इंस्ट्रूमेंट के रूप में माना जाता था। अब, कम से कम 24 महीनों के लिए रखे गए नए निवेशों पर 12.5% का एलटीसीजी टैक्स लगेगा, जबकि 2 साल से कम की होल्डिंग अवधि पर स्लैब दर के अनुरूप एसटीसीजी टैक्स लगेगा।

बजट में क्या बदलाव

नए प्रस्तावों के अनुसार इक्विटी इंवेस्टर्स को एक फाइनेंशल ईयर में टैक्स-फ्री इनकम के रूप में अतिरिक्त 25,000 रुपये का लाभ मिलेगा, क्योंकि 1.25 लाख रुपये तक के एलटीसीजी पर 1 लाख रुपये से छूट मिलेगी। इक्विटी-ओरिएंटेड म्यूचुअल फंड से एक फाइनेंशल ईयर में 1.25 लाख रुपये से अधिक के लाभ के लिए निवेशकों को पहले के 10% से 12.5% की दर से एलटीसीजी टैक्स का भुगतान करना होगा। एक साल के भीतर बिक्री के लिए एसटीसीजी टैक्स पहले के 15% के मुकाबले 20% है।

बजट में यह प्रावधान

केंद्रीय बजट 2024 में ऐसे बदलाव किए गए हैं जो म्यूचुअल फंड के लिए कर ढांचे को सरल बनाते हुए दीर्घकालिक निवेश पर जोर देते हैं। लंबी अवधि के निवेशकों के लिए, बढ़ी हुई छूट सीमा कुछ राहत प्रदान करती है, जिससे यह सुनिश्चित होता है कि छोटे निवेशकों को लाभ मिलना जारी रहे। हालांकि, अल्पकालिक निवेशकों को अपनी कर देनदारियों को अनुकूलित करने के लिए अपनी रणनीतियों का पुनर्मूल्यांकन करने की आवश्यकता है। एलटीसीजी में 10 प्रतिशत से 12.5 प्रतिशत की वृद्धि के कारण निवेशकों को थोड़ा अधिक कर का भुगतान करना पड़ सकता है। एसटीसीजी को 15 प्रतिशत से बढ़ाकर 20 प्रतिशत करने से अल्पावधि इक्विटी निवेशक प्रभावित होंगे, जिससे करों में वृद्धि होगी।

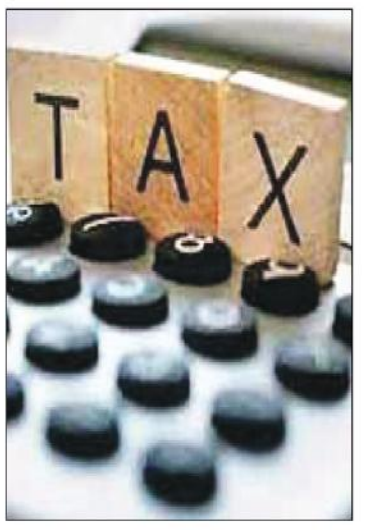

कौन से इक्विटी फंड कवर होंगे

जिन फंड में इक्विटी होल्डिंग कुल पोर्टफोलियो के 65% से अधिक है, उन्हें टैक्सेशन के लिए इक्विटी फंड के रूप में क्लासिफाइड किया जाता है। सभी इक्विटी स्कीम, आर्बिट्रेज फंड, बैलेंस्ड फंड (जिनमें आमतौर पर 65-75% इक्विटी और 25-35% डेट होता है) और इक्विटी सेविंग फंड (इक्विटी, डेट और आर्बिट्रेज) को टैक्सेशन के नजरिए से इक्विटी-ओरिएंटेड फंड के रूप में क्लासिफाइड किया जाता है।

घर खरीदना हर किसी के जीवन की बड़ी उपलब्धि

- सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक समेत कई कारक कर रहे प्रभावित
- खुद का घर खरीदने से पहले परिस्थितियों का मूल्यांकन करना जरूरी
- बाजार की स्थितियों और भविष्य के लक्ष्यों का मूल्यांकन भी करना होगा

सुझाव
बिजनेस डेस्क

घर खरीदना हर किसी के जीवन की बड़ी उपलब्धियों में एक होता है। घर खरीदने के फैसले को सांस्कृतिक, सामाजिक और आर्थिक सहित कई कारक प्रभावित करते हैं। ये कारक लोग, उनकी पृष्ठभूमि और परिस्थितियों के आधार पर काफी भिन्न होते हैं। पहले ज्यादातर लोग 40 से 50 साल की उम्र में अपने घर का सपना पूरा कर लेते थे। हालांकि बदल रहे आर्थिक परिवेश, शहरीकरण और बदलती लाइफस्टाइल में बदलाव के साथ घर खरीदने का यह पड़ाव भी बदल रहा है। होम लोन हासिल करने और खुद के सपनों का घर खरीदने पर आने वाले खर्चों को संभालने के लिए अच्छी और स्थिर कमाई का जरिया होना जरूरी है। बहुत से लोग अब 20 या 30 साल की उम्र में यह स्थिरता हासिल कर लेते हैं। अगर आप अपने सपनों के घर का मालिक बनने चाह रखते हैं, तो यहां समझ लीजिए कि आज की पीढ़ी लिए सही उम्र क्या है? डाउन पेमेंट घर खरीदते समय किया जाने वाला एक शुरुआती भुगतान है, जो आमतौर पर संपत्ति की कीमत का 20 फीसदी हिस्सा हो सकता है। डाउन पेमेंट के रूप में जमा की गई शुरूआती रकम जरूरी लोन अमाउंट को कम कर देती है और इस तरह से खुद का घर खरीदने के लिये गए लोन अमाउंट की शेष राशि चुकाने के लिए मंथली किस्त और लोन पर लागू कुल ब्याज लागत कम हो जाती है। जब डाउन पेमेंट के रूप में जमा की जाने वाली शुरूआती राशि अधिक हो तो, उसके लिए फंड का इंतजाम यानी बचत करने में ज्यादा वक्त लग सकता है, लेकिन ये कई फायदे देता है, जिनमें बेहतर लोन शर्तें, कम ब्याज दरें और कम रिस्क शामिल हैं। जो लोग अपने सपनों का घर खरीदने की सोच रहे हैं उन्हें डाउन पेमेंट के लिए बचत करनी चाहिए। यह अक्सर घर खरीदने की उम्र को 30 वर्ष से लेकर मध्य तक धकेल देता है।

स्थिर करियर : एक बार फैसला कर लिया कि आपको घर खरीदना है, तो यह समझ लीजिए कि घर खरीदना एक लंबी अवधि का निवेश होता है और कमाई का स्थिर जरिए जैसे बेहतर करियर लंबी अवधि के निवेश के साथ प्रतिबद्ध होने के लिए वित्तीय सुरक्षा और जरूरी पूर्वानुमान प्रदान करता है। कई लोगों के पास 30 साल की उम्र में स्थिर करियर होता है। उम्र के इस पड़ाव पर वे खुद को पेशेवर रूप से स्थापित करते हैं।

क्रेडिट स्कोर : एक अच्छा क्रेडिट स्कोर, जो आमतौर पर समय के साथ बनता है। बेहतर क्रेडिट स्कोर लोन की शर्तें पूरी करने के लिए जरूरी होता है। घर खरीदते की राह में क्रेडिट स्कोर काफी अहम भमिका अदा कर सकता है। क्रेडट स्कोर होम लोन को सुरक्षित करने की आपकी क्षमता और उसकी शर्तों के लिए प्रमुख रूप से प्रभावित करता है। क्रेडिट स्कोर 300 से 900 के बीच होता है। 750 से अधिक स्कोर अच्छा माना जाता है। किसी शख्स को कर्ज देने से पहले बैंक या वित्तीय संस्थान रिस्क का आकलन करने के लिए क्रेडिट स्कोर का इस्तेमाल करते हैं। अच्छा क्रेडिट स्कोर बताता है कि कर्ज के लिए अप्लाई किए शख्स ने जिम्मेदारी से वित्त को मैनेज किया है। उसने लिये गए लोन को वक्त पर चुकाया है। अच्छा क्रेडिट स्कोर लोन चुकाने की क्षमता के बारे में आश्वस्त करता है।

यह भी चाह : शादी और परिवार अक्सर घर खरीदने के लिए प्रेरित करते हैं। बहुत से लोग उम्र के उस पड़ाव पर पहुंचने के बाद घर खरीदना पसंद करते हैं जब वे पैरेंट्स बनने की प्लानिंग करते हैं, आमतौर पर शुरुआती 30 साल की उम्र में। पर्सनल स्पेस की चाह युवा लोगों को घर खरीदने के लिए निवेश करने में प्रेरित कर सकती है। इस तरह की स्थिति ज्यादातर 20-30 साल की उम्र में महसूस हो सकती है।

प्रापर्टी की वैल्यू ध्यान रखें : रियल एस्टेट बाजार के रुख घर खरीदने के फैसलों को मुख्य रूप से प्रभावित करते हैं। तेजी से बढ़ते बाजारों में लोग तब तक खरीदारी में देरी कर सकते हैं जब तक कि उन्हें अनुकूल परिस्थितियां न मिल जाएं, अक्सर घर खरीदने की चाह मिड 30 साल की उम्र हो सकती है। हालांकि, भारत में प्रापर्टी की वैल्यू जगह और टाइप के आधार पर तय होती है। ऐसे में घर खरीदने की योजना करते समय जगह और प्रापर्टी टाइप को ध्यान में रखना चाहिए और घर खरीदने का फैसला लेते समय अपने बजट पर गौर करना चाहिए।

ब्याज दर

कम ब्याज दर होम लोन को अधिक सस्ती बना सकती हैं। सस्ते होम लोन युवाओं को करियर के शुरूआती स्टेज में घर खरीदने के लिए प्रेरित कर सकते हैं। कम ब्याज दर वाले लोन चुकाने पर मंथली किस्त कम आती हैं। इसके उलट अधिक ब्याज दर वाले लोन चुकाने के लिए अधिक पैसे खर्च करने पड़ते हैं। घर खरीदारों को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया यानी आरबीआई की नीतियों और बाजार के रुख पर नजर रखनी चाहिए, क्योंकि ये ब्याज दरों को प्रभावित करते हैं। कम ब्याज दर और कम टन्योर वाले लोन पैसे बचाने में अहम भूमिका निभा सकते हैं। हालांकि कम टेन्योर वाले लोन की मंथली किस्त अधिक आ सकती है। होम के लिए अप्लाई करते समय टेन्योर और इंटरेस्ट रेट को ध्यान में रखना चाहिए।

ज्यादातर लोग इस उम्र में खरीदते हैं घर

इन तमाम पहलुओं पर विचार करने के बाद एक नसीहत दी जा सकती है कि भारत में ज्यादातर लोग 30 से 40 साल की उम्र में अपने सपनों का घर खरीदने का मन बना पाते हैं। दरअसल उम्र के इस दहलीज पर लोगों के पास वित्तीय स्थिरता, वेल सेटल करियर और फैसला करने को लेकर बैलेंस बनाने खुद को सक्षम पाते हैं। साथ ही 20 से 30 साल के स्थिर करियर को रखकर सही फैसले पर आगे बढ़ पाते हैं।

शिवराज ने सुरजेवाला को सुनाई खरी-खरी

हम किसी को छेड़ते नहीं और कोई छेड़े तो छोड़ते भी नहीं

संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष में हुई तीखी झड़प

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

संसद के मानसून सत्र में राज्यसभा में सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच जोरदार बयानबाजी हो रही है। इससे कई बार माहौल गरम होता है तो कई बार हंसी की फुहार भी छुटती है।

शुक्रवार को राज्यसभा में कांग्रेस सांसद रणदीप सुरजेवाला के शकुनी वाले बयान पर कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने जोरदार पलटवार करते हुए उसका जवाब दिया। उन्होंने कहा कि हम किसी को छेड़ते नहीं है, लेकिन कोई छेड़े तो छोड़ते नहीं है।

कांग्रेस सरकार में कृषि व्यवस्था पूरी तरह खराब रही

मोदी सरकार में कृषि विकास पर बोलते हुए कृषि मंत्री ने कहा कि किसानों और कृषि का जितना विकास मोदी सरकार में हुआ उतना कांग्रेस में कभी नहीं हुआ। उन्होंने पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी के शासन काल में खराब कृषि व्यवस्था के बारे में बताते हुए कहा कि उस समय किसानों को कोई सुविधाएं नहीं उपलब्ध कराई गई थी। भारत राष्ट्र जितना प्राचीन है, कृषि भी उतनी ही प्राचीन है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 2014 में सत्ता में आने के बाद से नरेंद्र मोदी सरकार ने कृषि के क्षेत्र में प्राथमिकताओं को बदला जिसके अच्छे परिणाम आज देखने को मिल रहे हैं।

सुरजेवाला ने महाभारत के पात्रों का किया था जिक्र

कांग्रेस नेता रणदीप सुरजेवाला ने राज्यसभा में चर्चा के दौरान महाभारत के शकुनि का जिक्र किया था। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने इसका कड़ा विरोध किया। उन्होंने कहा कि शकुनि छल और कपट का प्रतीक है। चौपड़ में तो धोखे से ही हराया गया था और चक्रव्यूह में फेयर वार से नहीं बल्कि घेर कर मारा गया था। उन्होंने कहा कि सदन में अभी रणदीप सुरजेवाला मौजूद नहीं हैं। वे होते तो अच्छा लगता।

मंत्री बनने के बाद दिल्ली में मिला नया 'ठिकाना'

मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और देश के वर्तमान कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान विदिशा से चुनाव जीतकर नई दिल्ली पहुंचे हैं। आने वाले दिनों में सफदरजंग रोड पर स्थित बंगला नंबर 12 उनका नया पता होगा। कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान सांसद बनने के बाद 8 जून से पूसा कॉम्पलेक्स स्थित गेस्ट हाउस में रह रहे हैं। जल्द ही वे लुटियन दिल्ली में 12, सफदरजंग रोड पर शिफ्ट हो जाएंगे। बताया गया है कि दिल्ली पहुंचने के बाद शिवराज सिंह शुरुआती कुछ दिनों तक चाणक्यपुरी स्थित मध्य प्रदेश भवन में रहे थे।

खबर संक्षेप

निलंबित एआईजी ने दामाद को गोली मारी

चंडीगढ़। जिला कोर्ट में शनिवार को पंजाब पुलिस के निलंबित एआईजी ने अपने दामाद की गोली मारकर हत्या कर दी। दोनों परिवारों के बीच घरेलू विवाद चल रहा था। दोनों पक्ष शनिवार को चंडीगढ़ फैमिली कोर्ट में पहुंचे थे। आरोपी की पहचान निलंबित एआईजी मानवाधिकार मालविंदर सिंह सिद्धू के तौर पर हुई है। दामाद कृषि विभाग में आईआरएस था।

मैच देखने पेरिस जाना चाहते थे मान, मनाही

नई दिल्ली। पंजाब के सीएम भगवंत सिंह मान ओलंपिक मैच में हॉकी खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने नहीं जा पाएंगे। केंद्र ने इसकी मंजूरी देने से इनकार कर दिया है। भारतीय हॉकी टीम ऑस्ट्रेलिया को हराकर क्वार्टर फाइनल में पहुंच गई है और सीएम मान क्वार्टर फाइनल देखने के लिए पेरिस जाना चाहते थे। सुरक्षा का हवाला देकर केंद्र ने मंजूरी नहीं दी है।

चुनाव में खेला...जेडीयू के 6 नेता निष्कासित

सिवान। लोकसभा चुनाव 2024 में अनुशासनहीनता और पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में छह लोगों को जिला जदयू कमेटी ने पार्टी से निष्कासित कर दिया है। इस संबंध में जदयू जिलाध्यक्ष चंद्रकेतु सिंह ने पत्र जारी किया है।इन सभी लोगों द्वारा लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी विजयालक्ष्मी देवी के विरोध में कार्य किया गया है। इस पर कार्रवाई की गई है।

नागपुर में संघ मुख्यालय पहुंचे देवेंद्र फड़णवीस

नागपुर। महाराष्ट्र के उप-मुख्यमंत्री देवेंद्र फड़णवीस शनिवार को नागपुर स्थित संघ मुख्यालय पहुंचे और संघ पदाधिकारियों से मुलाकात की। उनका संघ मुख्यालय का यह दौरा ऐसे समय हुआ है, जब उन्हें भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाए जाने की चर्चा है। वे डॉ. हेडगेवार स्मृति मंदिर पहुंचे। हालांकि किस मुद्दे पर बात हुई, इसका पता नहीं चल सका है।

अनुभवी भरतनाट्यम डांसर यामिनी नहीं रहीं

बेंगलुरु। अनुभवी भरतनाट्यम डांसर यामिनी कृष्णमूर्ति ने 84 साल की उम्र में दुनिया को अलविदा कह दिया है। यामिनी ने शनिवार को अपोलो अस्पताल में अंतिम सांस ली। निधन का कारण उम्र संबंधी समस्याएं बनीं। उनके मैनेजर और सचिव गणेश ने इस दुखद खबर पुष्टि की है। इस खबर से प्रशंसक दुखी हो गए हैं। मीडिया पोस्ट के जरिए श्रद्धांजलि दे रहे हैं।

मानसूनी बारिश से देश के कई राज्यों में तबाही

कोलकाता एयरपोर्ट पर भरा पानी रोड और पार्किंग स्थल भी लबालब

नादिया में लगातार 12 घंटे बारिश का अलर्ट

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

मानसून की बारिश से देश के कई राज्यों में तबाही मची हुई है। हिमाचल और उत्तराखंड में तो बाढ़ जैसे हालात हैं। मौसम विभाग ने पश्चिम बंगाल में भी भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। मौसम विभाग के अनुसार, कम दबाव वाले क्षेत्र के गहरे दबाव में बदल जाने के कारण कोलकाता और उसके पड़ोसी जिलों में लगातार बारिश हो रही है।

बारिश से कोलकाता के कई हिस्सों में जलभराव की खबरें भी सामने आ रही हैं, जिसमें कोलकाता एयरपोर्ट भी शामिल है। एयरपोर्ट पर बुरी तरह पानी भर गया है।पड़ोसी शहरों हावड़ा, साल्ट लेक और बैरकपुर में भी यही स्थिति है। मौसम विभाग ने बताया कि दिनभर यही स्थिति रहेगी। बताया जा रहा कि मध्य और दक्षिणी इलाकों के कुछ हिस्सों में कई फीट तक पानी भरने की खबरें आ रही हैं, लेकिन यातायात बाधित नहीं हुआ।

गहरे दबाव के क्षेत्र में बदलना बना कारण, विभाग का 5 राज्यों में रेड अलर्ट

वायनाड ने छोड़ा केवल दर्द

खो गए 26 रिश्तेदार, शव ही मिल जाता...

केरल के वायनाड में लैंडस्लाइड और बारिश ने मारी तबाही मचाई है। यहां पर मरने वालों की संख्या 308 के ऊपर पहुंच चुकी है। वायनाड के तमाम लोगों ने अपने घर और परिवार गंवा दिए हैं। यहां से एक ऐसी दुखद कहानी सामने आई है जो दिल दहला देगी। यह दर्दभरी कहानी है उस शख्स की जिसने इस तबाही में अपना सब कुछ गंवा दिया। मुंडक्कई में रहने वाले 51 साल के शौकत को जैसे ही जानकारी हुई वह कतर से भागे-भागे यहां पहुंचे। मलबे के अंदर से लोगों के शव निकाले जाने के बीच शौकत बड़ी बेसब्री से अपने दो भाइयों और 24 अन्य रिश्तेदारों को तलाश रहे हैं।

पार्किंग स्टैंड जलभराव से जाम

कोलकाता एयरपोर्ट के अंदर भी जलभराव की खबरें हैं, लेकिन उड़ान सेवाएं प्रभावित नहीं हुईं। अधिकारी ने बताया कि रनवे और सभी टैक्सीवे पूरी तरह चालू हैं। हालांकि, कुछ पार्किंग स्टैंड जलभराव से प्रभावित हैं, जिसके लिए परिचालन क्षेत्र से पानी निकालने के लिए अतिरिक्त पंप लगाए गए हैं।एक मौसम अधिकारी ने बताया कि शुक्रवार दोपहर से शहर के कुछ हिस्सों में 7 सेमी तक बारिश हुई।

बिजली गिरने और तूफान की भी चेतावनी, ऑरेंज और यलो अलर्ट

बंगाल के हावड़ा, पश्चिम बर्धमान, बीरभूम, पूर्व बर्धमान, हुगली, नादिया और उत्तर और दक्षिण 24 परगना जिलों में अगले 12 घंटों तक बारिश जारी रहेगी। मौसम विभाग ने बिजली गिरने के साथ आंधी-तूफान की भी चेतावनी दी है।कोलकाता सहित पश्चिम बंगाल के गंगा तटीय क्षेत्रों में 11 सेमी तक भारी बारिश का 'येलो' अलर्ट जारी किया गया है। पुरुलिया, मुर्शिदाबाद, मालदा, कूचबिहार, जलपाईगुड़ी, दार्जिलिंग और कलिम्पोंग जिलों में भारी से बहुत भारी बारिश का 'ऑरेंज' अलर्ट जारी किया गया है। अलीपुरद्वार जिले के लिए 'रेड' अलर्ट जारी किया गया है।

हिमाचल प्रदेश में बारिश और बादल फटने से हाहाकार

हिमाचल के पंडोह डैम के 2 गेट जाम, मचा हड़कंप

मंडी। हिमाचल प्रदेश के मंडी जिले में ब्यास नदी पर बने पंडोह डैम के दो गेट जाम हो गए हैं। फिलहाल,बांध के गेट खोलने के लिए तकनीकी टीम मौके पर पहुंची ह। पंडोह डैम में कुल पांच गेट हैं और इनमें से तीन गेट चालू हैं, जबकि दो गेट सिल्ट फंसने के कारण पूरी तरह से जाम हो गए हैं। डैम के दो गेट जाम होने से बीबीएमबी प्रबंधन परेशान है। गेटों को खोलने के लिए शनिवार सुबह चंड़ीगढ़ से टेक्निकल टीम पहुंची है।

6 की मौत, 50 अभी भी लापता

हिमाचल प्रदेश में हाल ही में बादल फटने और भारी बारिश से भयंकर तबाही मची हुई है। शिमला,मंडी और कुल्लू तीनों जगहों पर कई घर बर्बाद हो गए हैं। अब तक 6 लोगों की मौत हुई और 50 लोग लापता हैं। इन 50 लोगों को तलाशा जा रहा है, लेकिन फिलहाल इनका कोई सुराग नहीं मिल रहा है।

शांति समझौता के बाद भी अशांति

जिरीबाम में हिंसा, चली गोलियां, घरों में आगजनी

एजेंसी ▶▶ इंफाल

एक ओर मणिपुर के जिरीबाम में शांति कायम करने को लेकर मैतेई और हमार समुदाय के बीच सहमति बनी। सहमति के 24 घंटे के भीतर जिरीबाम में हिंसा हो गई। एक मैतेई बस्ती में गोलियां चलाई गईं। लालपानी गांव में एक घर में आग लगा दी गई। मैतेई और हमार समुदाय के प्रतिनिधि मणिपुर के हिंसा प्रभावित जिरीबाम जिले में हालात सुधारने और शांति बहाल करने साथ काम करने को सहमत हो हुए थे। असम के कछार में गुरुवार को सीआरपीएफ सुविधा केंद्र में आयोजित बैठक में आमने-सामने खड़े दोनों पक्षों के बीच समझौता हुआ था। इसमें तय किया गया कि दोनों पक्ष सामान्य स्थिति लाने, आगजनी तथा गोलीबारी की घटनाओं को रोकने के लिए हरसंभव प्रयास करेंगे। जिरीबाम जिले में तैनात सभी सुरक्षा बलों की मदद करेंगे।

हथियार बंद लोगों ने मचाया उत्पात

सभी सहभागी समुदायों के प्रतिनिधियों ने इस दौरान वादों से जुड़ा बयान जारी किया। इस पर सभी के हस्ताक्षर थे। गांव के एक घर में शुक्रवार रात हथियारबंद लोगों ने आग लगा दी। साथ ही गांव को निशाना बनाकर कई राउंड गोले दागे और गोलियां भी चलाईं। घटना के बाद सुरक्षा बलों को इलाके में भेजा गया।

सीआरपीएफ की तैनाती का विरोध, पीएम को पत्र लिखा

मणिपुर के 10 कुकी और जो विधायकों ने पीएम नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा है। इस पत्र में विधायकों ने सरकार के उस फैसले से नाराजगी जताई है, जिसमें मणिपुर से असम राइफल्स की दो बटालियंस को हटाकर उनकी जगह सीआरपीएफ की बटालियंस तैनात करने का फैसला किया गया है।

झारखंड में भारी बारिश से रांची के निचले इलाके जलमग्न

100 घरों में घुसा पानी एनडीआरएफ तैनात

भारी बारिश के कारण राज्य की राजधानी रांची और उसके आसपास के इलाकों में पानी भर गया है। यहां एनडीआरएफ की टीमें तैनात की गई हैं। इस बीच मौसम विभाग ने झारखंड के 7 जिलों में भारी बारिश और वज्रपात का येलो अलर्ट जारी किया है।

40 लोगों को किया रेस्क्यू : एनडीआरएफ के बजेश कुमार सिंह ने बताया, "डिप्टी कमांडेंट विनय कुमार के नेतृत्व में हमारी टीम ने अब तक रांची के निचले इलाकों से करीब 40 लोगों को बचाया है एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि लगातार बारिश के कारण सभी जिले अलर्ट पर हैं।

36 लोग मलबे में दफन, जिंदा मिली 2 दिन भूखी-प्यासी गाय

हिमाचल प्रदेश के शिमला जिले के रामपुर के समेज गांव में 60 घंटे बाद भी 36 लोगों का कुछ पता नहीं चल पाया है। यहां पर महिला, बच्चों सहित 36 लोग मलबे में दफन हो गए हैं, लेकिन उनके जिंदा होने का कोई सुराग नहीं लग पाया है। हालांकि, गांव में दो दिन बाद एक गाय जिंदा मिली है।

वायनाड आपदा पर सियासत

सूर्या ने कांग्रेस व कम्युनिस्ट पार्टी को ठहराया 'जिम्मेदार'

एजेंसी ▶▶ वायनाड

भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या ने वायनाड भूस्खलन को लेकर केरल सरकार, कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी पर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह आपदा मानव निर्मित है। इसे बनाने में कम्युनिस्ट और कांग्रेस पार्टी का हाथ है। वहीं केरल सरकार की बड़ी अनदेखी और लापरवाही से इतनी बड़ी त्रासदी हुई। केरल के सीएम पिनराई विजयन को आड़े हाथों लेते हुए सूर्या ने कहा कि केरल सरकार को 2000 से लेकर अब तक कई सरकारी संगठन, वैज्ञानिक, आईआईटी और कई पैनल यह रिपोर्ट देते रहे कि पश्चिमी घाटों पर अवैध तरीके से व्यवसायीकरण और खनन हो रहा है। मगर, केरल सरकार, कांग्रेस समेत किसी ने कोई कार्रवाई नहीं की। पारिस्थितिकी विशेषज्ञ माधव गाडगिल ने भी कहा है कि यह मानव निर्मित आपदा है। मैं बार-बार दोहराऊंगा कि यह आपदा कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी निर्मित है।

केंद्रीय मंत्रिमंडल का फैसला

8 नई राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजना स्वीकृत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय मंत्रिमंडल ने 8 महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हाई-स्पीड रोड कॉरिडोर परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लंबाई 936 किमी और कुल लागत 50,655 करोड़ रुपये है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव में शुक्रवार को नेशनल मीडिया सेंटर में पत्रकारों को मंत्रिमंडल के फैसलों की जानकारी दी। उन्होंने ने बताया कि मंत्रिमंडल ने 6-लेन आगरा-ग्वालियर राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर, 4-लेन खड़गपुर-मोरग्राम राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर, 6-लेन थराद-डीसा-मेहसाणा-अहमदाबाद राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर, 4-लेन अयोध्या रिंग रोड, रायपुर-रांची राष्ट्रीय हाई-स्पीड कॉरिडोर के पत्थलगांव और गुमला के बीच 4-लेन सेक्शन, 6-लेन कानपुर रिंग रोड, 4-लेन उत्तरी गुवाहाटी बाईपास और मौजूदा गुवाहाटी बाईपास का चौड़ीकरण/सुधार, पुणे के पास 8-लेन एलिवेटेड नासिक फाटा-खेड़ कॉरिडोर को मंजूरी दी है।

'कारकिदका वु बाली' का आयोजन

तिरुवनंतपुरम। तिरुवनंतपुरम के तिरुवल्लम में स्थित परशुराम मंदिर में शनिवार कोलोग मलयालम महीने कार्ककिडाकम में पूर्वजों को प्रसन्न करने के लिए एक वार्षिक हिंदू अनुष्ठान 'कारकिदका वु बाली' का आयोजन किया।

राजस्थान में भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष राठौड़ का शपथ ग्रहण

राजनीति में उतार-चढ़ाव, पद और मद स्थाई नहीं होते

एजेंसी ▶▶ जयपुर

राजस्थान में भाजपा के नवनियुक्त अध्यक्ष मदन राठौड़ के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे का दर्द छलक कर सामने आ गया है। उन्होंने इस अवसर पर कहा कि राजनीति का दूसरा नाम उतार-चढ़ाव है और हरेक को इससे गुजरना पड़ता है।

उन्होंने नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष को बधाई दी और कहा कि पद और मद कभी स्थाई नहीं होते। पीएम नरेंद्र मोदी, जेपी नड्डा और केंद्रीय नेतृत्व को आभार देना चाहती हूं कि राठौड़ जैसे ईमानदार कार्यकर्ता को कमान दी है। राठौड़ ने शनिवार को पदभार ग्रहण किया। उन्होंने यह भी कहा कि संगठन में सब को एकसाथ लेकर चलना पड़ता है। हालांकि, बहुत सारे लोग इसमें कामयाब नहीं हो पाए हैं।

समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा का दर्द छलका

जीवन में 3 चीजें महत्वपूर्ण

वसुंधरा राजे ने कहा कि राजनीति का दूसरा नाम उतार-चढ़ाव ही है। हर शख्स इससे गुजरता है। इसमें किसी भी व्यक्ति के सामने तीन चीजें आती हैं और वह पद, मद और कद है। उन्होंने आगे कहा कि पद और मद कभी भी स्थाई नहीं होते हैं और कद स्थाई होता है। वसुंधरा ने कहा कि राजनीति में अगर किसी पद का मद आ जाए तो फिर उसका कद काफी कम हो जाता है।

राठौड़ भाजपा के नारे को आगे बढ़ाएंगे

वसुंधरा राजे ने भारतीय जनता पार्टी के सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास नारे का भी जिक्र किया है। उन्होंने कहा कि मुझे इस बात का भरोसा है कि मदन राठौड़ इस नारे को आगे बढ़ाने का काम करेंगे। वह सभी को साथ में लेकर चलेंगे। राजे ने यह भी कहा कि यह काफी मुश्किल काम है और बहुत सारे लोग इसमें कामयाब भी नहीं हो पाए हैं।

मदन में पद का मद नहीं आएगा

वसुंधरा राजे ने कहा कि आजकल के लोगों को पद का मद आ ही जाता है, लेकिन मदन ने मेरे साथ काम किया है और उनमें कभी भी पद का मद नहीं आएगा। राजे ने आगे कहा कि उनकी नजर में अगर कोई बड़ा पद है तो वह केवल जनता की चाहत, जनता का प्यार और जनता का विश्वास ही है। इसको कोई भी व्यक्ति छीन ही नहीं सकता है।

ताजमहल में दो युवकों ने चढ़ाया गंगाजल

ओम का स्टीकर भी चिपकाया सीआईएसएफ ने किया अरेस्ट

एजेंसी ▶▶ आगरा

ताजमहल में शनिवार को हिंदू महासभा के दो युवकों ने मुख्य गुंबद पर गंगाजल चढ़ाया। बम-बम भोले और हर-हर महादेव के जयकारे भी लगाए। युवकों ने गंगाजल चढ़ाने का वीडियो भी बनाया गया। उन्होंने दीवार पर ओम का स्टीकर भी चिपकाया। जिसके बाद सीआईसीएफ ने दोनों युवकों को पकड़ लिया। इसके बाद दोनों को ताजगंज थाना पुलिस के हवाले कर दिया। पुलिस दोनों से पूछताछ कर रही है। दोनों युवक अखिल भारत हिंदू महासभा से जुड़े हैं।

अखिल भारत हिंदू महासभा का दावा है कि शनिवार की सुबह करीब 7 बजे दो कार्यकर्ताओं ने ताजमहल में गंगाजल चढ़ाया। सोशल मीडिया पर इसका वीडियो भी है। इसमें एक लीटर की पानी की बोतल लेकर युवक ताजमहल परिसर में जा रहा है। दूसरा युवक वीडियो बना रहा है। इसके बाद एक वीडियो में ताजमहल के अंदर युवक बोतल से जल चढ़ाता दिख रहा है।

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक राजेश मीणा द्वारा अम्बर ऑफसेट प्रा. लि., डी एल टॉवर, 3-ए, विद्याआश्रम संस्थानिक क्षेत्र, जेएलएन मार्ग, जयपुर से मुद्रित एवं बी-66, कुसुम विहार, जगतपुरा, मालवीया नगर, जयपुर से प्रकाशित।
सम्पादक-राजेश मीणा, Email : sanjeevnitoday@gmail.com मो: 8094811115, (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी)